दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | देश विदेश 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 कृष्ण पक्ष-दशमी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 311 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

कर्तव्य पथ पर दिखेगा जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश का पहला डिजिटल संग्रहालय

■ **गणतंत्र दिवस के लिए छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन**

रायपुर /नवप्रदेश । गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश के पहले डिजिटल संग्रहालय की झलक देखने को मिलेगी. रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के लिए छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन किया है।

इस डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती पर नवा रायपुर अटल नगर में किया था. झांकी के चयन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बधाई देते हुए कहा छत्तीसगढ़ की झांकी के माध्यम से आदिवासी समाज की देशभक्ति, अद्भुत वीरता और अपने सिद्धांतों के लिए प्राण न्योछावर करने की परंपरा पूरे देश को देखने को मिलेगी. यह हमारे राज्य के लिए गर्व और उत्साह का विषय है।

जनसंपर्क विभाग के सचिव रोहित यादव ने बताया कि सभी राज्यों द्वारा झांकी का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेजा गया था। चार महीने के लंबे चयन प्रक्रिया के बाद 17 राज्यों की झांकियों को अंतिम चयन में जगह मिली है, जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है. विशेषज्ञ समिति ने झांकी की विषयवस्तु और डिजाइन को बेहद सराहा और इसे अंतिम स्वीकृति दी।

जनसम्पर्क आयुक्त रवि मित्तल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की झांकी भारत सरकार की थीम 'स्वतंत्रता का मंत्र - वंदे मातरम' पर आधारित है। छत्तीसगढ़ की झांकी में आदिवासी समाज के उन वीर नायकों के बलिदान को दिखाया गया है, जिनके सम्मान में देश का पहला डिजिटल संग्रहालय बनाया गया है। उन्होंने बताया डिजिटल संग्रहालय जनजातीय विद्रोहों की वीरता, एकजुटता और स्वतंत्रता के प्रति समर्पण को नई पीढ़ी तक रोचक और प्रेरणादायक रूप में पहुंचाता है।

जनसंपर्क अधिकारियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ की झांकी की थीम और डिजाइन जनसंपर्क आयुक्त के मार्गदर्शन में तैयार की गई। इस थीम पर आधारित झांकी को पांच चरणों की कठिन प्रक्रिया से गुजरने के बाद अंतिम स्वीकृति प्राप्त हुई। रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति के समक्ष थीम और डिजाइन चयनित करने के बाद झांकी का थ्रीडी मॉडल प्रस्तुत किया गया। अंततः, म्यूजिक के चयन के साथ झांकी को अंतिम मंजूरी दी गई।

आज बेबाक

आपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान ने अब भारत के खिलाफ अपनी रणनीति बदल ली है। अब वह बांग्लादेश के कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साधने की कवायद कर रहा है। पाकिस्तान जल्द बांग्लादेश के साथ डिफेंस डील करने जा रहा है जिसके तहत भारत - पाकिस्तान के बीच संभावित जंग में बांग्लादेश पाकिस्तान का साथ देगा। इसे ही कहते हैं क्या पिद्दी और क्या पिद्दी का शोरबा। अच्छा है। एक पर एक फ्री की तर्ज़ पर पिद्दी पाकिस्तान के साथ चिरकुट बांग्लादेश दोनों ही निपट जाएंगे। बस इनमें से कोई एक गुस्ताखी करने की हिमाकत करे, दोनों ही खता खाएंगे।

छह करोड़ का गांजा जब्त तीन गिरफ्तार

बलरामपुर-रामानुजगंज /नवप्रदेश ।जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ थाना बसंतपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने उड़ीसा से राजस्थान ले जाए जा रहे करीब 1198.460 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग पांच करोड़ 99 लाख रुपये बताई जा रही है। गांजा को ट्रक में नारियल की भूसी के भीतर छिपाकर परिवहन किया जा रहा था। पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 28 दिसंबर की रात थाना बसंतपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि धनवार बॉर्डर चेक पोस्ट की ओर से एक टाटा ट्रक में नारियल की भूसी के अंदर गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम गवाहों के साथ मौके पर पहुंची और संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई।

बीजापुर में पांच किलो आईईडी बरामद

बीजापुर /नवप्रदेश। बीजापुर जिले के भोपालपटनम थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ214 बटालियन कैंप कांडलापर्ती और जिला बल की संयुक्त टीम ने सर्चिंग अभियान के दौरान माओवादियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। अभियान के दौरान डी माइनिंग कार्रवाई करते हुए कांडलापर्ती रोड से कुछ दूरी पर पगडंडी मार्ग पर माओवादियों द्वारा लगाया गया करीब पांच किलोग्राम वजनी आईईडी बरामद किया गया। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सीआरपीएफ214 बटालियन की बीडीडी टीम ने मौके पर ही आईईडी को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद आसपास के क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें माओवादियों का एक डंप बरामद हुआ।

सड़क किनारे खड़ी क्रेन से टकराई बस, 50 घायल

जम्मू (वार्ता)। रिंग रोड पर एक गंभीर सड़क हादसा हुआ है जिसमें पंजाब से जम्मू आ रही पंजाब रोडवेज की बस सड़क किनारे खड़ी क्रेन से टकरा गई। हादसे में लगभग 50 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 3 से 4 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि क्रेन की मदद से सड़क किनारे स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ।

तीनों सेनाओं की मारक क्षमता में होगा इजाफा

केंद्र ने 79,000 करोड़ के रक्षा प्रस्तावों को दी मंजूरी

■ **भारत कर रहा है भविष्य के 'टेक्नोलॉजी-ड्रिवेन' युद्धों की तैयारी**

नई दिल्ली(वार्ता)। भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं और युद्धक प्रभावशीलता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक बड़ा रणनीतिक निर्णय लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सोमवार को लगभग 79,000 करोड़ के रक्षा खरीद प्रस्तावों के लिए 'आवश्यकता स्वीकृति' प्रदान की। यह मंजूरी मुख्य रूप से भविष्य के युद्धक्षेत्र की जरूरतों, जैसे ड्रोन तकनीक, सटीक मारक क्षमता और उन्नत रडार प्रणालियों पर केंद्रित है।

वायुसेना: एयरोस्पेस सुरक्षा और लंबी दूरी की मारक क्षमता

भारतीय वायु सेना के बेड़े को और अधिक घातक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण हथियारों और प्रणालियों की घोषणा की गई है।

एस्ट्रा एमके-II मिसाइल: हवा से हवा में मार करने वाली इस उन्नत मिसाइल से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारतीय सेना: ड्रोन डिटेक्शन और सटीक हमले पर जोर

थल सेना के लिए स्वीकृत प्रस्तावों में आधुनिक तकनीक का समावेश किया गया है, जो सामरिक युद्ध क्षेत्र में भारत की बढ़त सुनिश्चित करेंगे। लोइटर मुनिशन सिस्टम: सामरिक लक्ष्यों पर सटीक और घातक हमले करने के लिए इन प्रणालियों की खरीद को मंजूरी दी गई है-

लो लेवल लाइट वेट रडार: ये रडार छोटे आकार के और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले मानवरहित हवाई प्रणालियों का पता लगाने और उन पर नज़र रखने में सक्षम होंगे।

पिनाका एमआरएलएस : पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट गोला-बारूद को मंजूरी मिली है, जिससे उच्च मूल्य वाले लक्ष्यों को अधिक सटीकता से निशाना बनाया जा सकेगा।

ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम: एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II भारतीय सेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की रक्षा करेगा।

भारतीय नौसेना: समुद्री जागरूकता और सुरक्षित संचार

नौसेना की क्षमताओं को आधुनिक बनाने के लिए निम्नलिखित प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई है।

बीपी टग्स : ये टग्स बंदरगाहों और संकरे जलक्षेत्र में जहाजों और पनडुब्बियों की पैंतरेबाजी और लंगर डालने में सहायक होंगे।

सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो : हाई फ्रीक्वेंसी एसडीआर मैनपैक के शामिल होने से बोर्डिंग और लैंडिंग ऑपरेशंस के दौरान लंबी दूरी का सुरक्षित संचार सुनिश्चित होगा।

भारत माला प्रोजेक्ट मुआवजा घोटाला

प्रदेश में ईडी की बड़ी कार्रवाई

रायपुर-महासमुंद में 9 ठिकानों पर दबिश

रायपुर/नवप्रदेश। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार सुबह प्रदेश की राजधानी रायपुर और महासमुंद में भारत माला प्रोजेक्ट मुआवजा घोटाला मामले में छापा मारा है। यह कार्रवाई हरमीत खनूजा समेत उनके सहयोगियों और संबंधित अधिकारियों के ठिकानों पर की गई है. ईडी अधिकारियों की टीम मौके पर दस्तावेजों की जांच कर रही है।

दस्तावेजों और डिजिटल अपकरणों की जांच: जानकारी के मुताबिक, रायपुर और महासमुंद के करीबन 9 ठिकानों पर छापा पड़ा है. ईडी की कुल 7 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

महासमुंद में दो गाड़ियों में पहुंची टीम

बताया जा रहा है कि महासमुंद में कारोबारी जशबीर सिंह बग्गा के बसंत कॉलोनी स्थित घर में छापेमारी की गई है. वह होंडा शोरूम के मालिक हैं. ईडी की टीम कारोबारी के घर दस्तावेजों की जांच कर रही है. दो गाड़ियों में ईडी अधिकारियों की टीम पहुंची है.

मुआवजा दिया पर किसानों को नहीं मिला?

छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के तहत राजधानी रायपुर से विशाखपट्टनम तक 950 कि.मी. सड़क निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना में रायपुर से विशाखापटनम तक फोरलेन सड़क और दुर्ग से आरंग तक सिक्स लेन सड़क बनना प्रस्तावित है। इस सड़क के निर्माण के लिए सरकार ने कई किसानों की जमीनें अधिग्रहित की हैं। इसके एवज में उन्हें मुआवजा दिया जाना है, लेकिन कई किसानों को अब भी मुआवजा नहीं मिल सका है। विधानसभा बजट सत्र 2025 के दूसरे दिन नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने इस मुद्दे को उठाया था, जिसके बाद इस मामले में जांच का फैसला लिया गया।

पीएम मोदी अर्थशास्त्रियों के साथ करेंगे 'प्री-बजट' बैठक

■ **टैरिफ और वैश्विक चुनौतियों पर नजर**

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत के आगामी आम बजट 2026-27 की रूपरेखा और प्राथमिकताओं को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को देश के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट से पहले यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय जटिल वैश्विक परिस्थितियों का सामना कर रही है।

प्रमुख नीतिगत एजेंडा और रणनीतिक चर्चा: आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम और आयोग के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रीफिंग का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। 2025 का साल सिर्फ संघर्ष, सुरक्षा, आपदा, शासन, खेल और इनसे जुड़े मुद्दों का ही साल नहीं रहा। बल्कि इस साल इन क्षेत्रों में एक के बाद एक झंडे गाड़ने वाली महिलाओं का भी साल रहा। फिर चाहे बात सैन्य अभियान की हो या भारत का नाम खेल की दुनिया में ऊंचा करने की हो, इस पूरे साल देश की महिलाओं ने अपनी अभूतपूर्व उपलब्धियों से लाखों लोगों को प्रेरित किया।

सेना में महिलाओं ने बढ़ाया देश का मान- इस साल अप्रैल में पाकिस्तान के आतंकियों की तरफ से अंजाम दिए गए पहलगाम हमले में जब देश की कई महिलाओं के सिंदूर उजड़ गए तो इसका बदला लेने का जिम्मा भारतीय सेना की महिलाओं ने संभाला। ऐसे में जब मई में भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एनएसजी के नए कंमाडर, आईपीएस जितेंद्र शुक्ला

भारत सरकार ने जारी किया आदेश

रायपुर/नवलप्रदेश। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में छत्तीसगढ़ कैडर के 2013 बैच के आईपीएस जितेंद्र शुक्ला को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. उन्हें एनएसजी का ग्रुप कमांडर बनाया गया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील को आईपीएस जितेंद्र शुक्ला को यथाशीघ्र कार्यमुक्त करने के लिए पत्र भी भेजा है।

6 साल के परिश्रम के बाद हुआ क्लियर

जितेंद्र के पिता उनके लिए इंजीनियरिंग का करियर चाहते थे. लेकिन 12वीं कक्षा में आर्टस के बाद बीए लेकर पढ़ाई शुरू कर दी थी. जिसके चलते जितेंद्र काफी नाराज थे. पहले अटेम्पट में उनकी प्री भी क्लियर नहीं हुआ था. 2 साल के कड़े परिश्रम के बाद ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

शराब घोटाला मामला *निलंबन की सुगबुगाहट, 31 अधिकारियों के खाते भी सीज*

ईडी की अंतिम चालान में तत्कालीन डिप्टी कमि. आशीष श्रीवास्तव का नाम

रायपुर/नवप्रदेश । शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 29 हजार 800 पन्नों की चार्जशीट पेश की, जिसमें आबकारी विभाग के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर आशीष श्रीवास्तव का नाम जोड़ा गया है. ईओडब्ल्यू की चार्जशीट में उनका नाम शामिल नहीं था. हालांकि अब आशीष श्रीवास्तव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि सचिव कम आयुक्त आर संगीता के तीन जनवरी को छुट्टी से लौटने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मामले में आरोपी बनाए गए 31 अधिकारियों के खाते को सीज कर दिया गया है. कुल 38.21 करोड़ रुपए की संपत्ति सीज की गई है. साथ ही उन अफसरों की खाते कार्रवाई में शामिल हैं, जिनकी पत्नियों के कहते में संदिग्ध ट्रांजेक्शन मिले हैं।

ईओडब्ल्यू की चार्जशीट में 29 अफसर आरोपी बनाए गए थे. इनमें से 22 को 7 जुलाई 2025 को सस्पेंड कर दिया गया था. बाकी 7 रिटायर हो चुके हैं. हाल ही में आयुक्त निरंजन दास को भी गिरफ्तार किया गया है.

90 करोड़ की हुई बंदरबांट

हंडी ने जांच में पाया है कि शराब घोटाले में अफसरों को करीब 90 करोड़ रुपए बांटे गए. इसमें पूर्व आयुक्त निरंजन दास को 18 करोड़ रुपए की रिश्वत दी गई. इकबाल खान को 12 करोड़, नोहर सिंह ठाकुर को 11 करोड़, नवीन प्रताप सिंह तोमर को 6.7 करोड़, राजेश जायसवाल को 5.79 करोड़, अनिमेष नेताम को 5.28 करोड़ और दिनकर वासनिक, गंभीर सिंह, अरविंद पटले, आशीष कोसम, अनंत सिंह, सौरभ बक्शी, प्रकाश पाल, गरीबपाल सिंह, मोहित जायसवाल को 2 करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दी गई. आशीष श्रीवास्तव को भी 54 लाख रुपए दिए जाने के सबूत ईडी को मिले हैं.

आय से अधिक संपत्ति का केस

अधिकतर अफसरों के पास आय से अधिक संपत्ति मिली है. इसलिए इन पर एक केस आय से अधिक संपत्ति का भी चलेगा। इन्हें यह बताना होगा कि इतनी संपत्ति कहां से आई. क्योंकि अधिकतर अफसरों का वेतन वर्तमान में 1 से 1.5 लाख रुपए महीने है. ऐसे में 20 साल की नौकरी में औसत एक करोड़ से अधिक वेतन नहीं पा सकते। जबकि कई ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अरावली खनन मामले में पिछले फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

■ **सरकार से मांगा स्पष्ट जवाब**

नई दिल्ली(वार्ता)। अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज अपने पुराने फैसले पर रोक लगा दी। सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, इस मामले में स्पष्टीकरण जरूरी है। बता दें कि कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की परिभाषा नए सिरे से तय किए जाने के इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 20 नवंबर के फैसले में दिए गए निर्देशों को स्थगित रखा जाएगा। अपने आदेश में अदालत ने कहा, इसमें कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर स्पष्टीकरण आवश्यक हैं।

21 जनवरी को होगी अगली सुनवाई: सोमवार को अवकाश पीठ में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते ■ शेष पृष्ठ 6 पर

न्यूज गैलरी

चेन स्नेचिंग का आरोपी गिरफ्तार, सोने का लॉकेट जब्त

खैरागढ़/नवप्रदेश। थाना ठेलकाडीह पुलिस ने बुजुर्ग महिला से चैन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से छीना गया सोने का तीन पत्ती लॉकिट तथा बारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद कर ली गई है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। घटना का विवरण पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम धौराभांठा निवासी 70 वर्षीय श्रीमती सुकवारी बाई पति स्व। रामकिशुन वर्मा ने थाना ठेलकाडीह में रिपोर्ट दर्जी कराई थी। उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर को दोपहर करीब 2:40 बजे वे अपने खेत की फसल देखने के लिए जा रही थीं। इसी दौरान चुहरी तालाब के पास पीछे से आई एक सफेद स्कूटी पर सवार युवक ने बातचीत में उलझाकर उनके गले से सीने का तीन पत्ती माला झपट लिया और खपरीखुर्द रोड की ओर फरार हो गया।

राजगामी संपदा की जमीन का धान पंजीयन, जांच शुरू

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिले में समर्थन मूल्य पर धान पंजीयन को लेकर अब राजगामी संपदा की जमीन में फर्जी पंजीयन का मामला अधिकारियों ने उजागर किया है। राजगामी की जी जमीन पड़त थी, उस पर धान बिक्री के लिए पंजीयन कराया गया है। अब संबंधित किसान रकबा समर्पण करने जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गोपालपुर के पटवारी हल्का नंबर 3 राजस्व निरीक्षक मण्डल खोभा, तहसील छुरिया में स्थित राजगामी संपदा की भूमि जी वर्तमान में आसा सोनी पति दामोदर दास सोनी निवासी खोभा के नाम धान विक्री हेतु खीभा सोसायटी में पंजीकृत है। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने 28 दिसम्बर को ग्रामवासियों, ग्राम पटेल एवं ग्राम कोटवार के साथ मौका निरीक्षण किया तो पाया कि राजगामी संपदा की भूमि संबंधित विभाग से आशा सोनी पति दामोदर दास सोनी ने लीज में प्राप्त करने के बाद 2025-26 में धान बोने हेतु ग्राम के ही कुछ कृषकों को दे दिया था। उसके बाद अलग-अलग किसानों ने किसानी की है। लेकिन यहां पर किसी भी प्रकार का फसल उत्पादन नहीं पाया गया है। इसी तरह ग्राम मोहड़ स्थित राजगामी की जमीन भी खरीफ फसल के लिए नीलामी में संगीता सोनी पति नंदकिशोर सोनी द्वारा लिया गया है।

नए वर्ष के जश्न में शून्य घटना शून्य दुर्घटना थीम पर फोकस

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुलिस ने नए साल के जश्न के दौरान शून्य घटना-शून्य दुर्घटना थीम से काम शुरू किया है। इसके लिए आम लोगों को भी सहभागिता की अपील की है। ताकि नए साल के जश्न के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना न घटित हो। पुलिस ने पर्यटकों, श्रद्धालुओं व आम लोगों की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए, जिले के सभी कार रेंटल प्रतिष्ठानों, होटल, डाबा व रेस्टोरेंट संचालकों को निर्देशित किया है। उन्हें सुरक्षा व कानून-व्यवस्था से संबंधित निर्देश जारी किए गए हैं। कार रेंटल प्रतिष्ठानों को किराये पर वाहन देने से पूर्व ग्राहकों की वैध पहचान व ड्रइविंग लाइसेंस का सत्यापन करने कहा है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस व डॉयल 112 को देने कहा गया है। इसके अलावा होटल, ढाबा व रेस्टोरेंट संचालकों को अपने परिसरों में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षित पार्किंग व्यवस्था, फायर सेफ्टी उपकरण, प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध रखने कहा गया है। वहीं अवैध गतिविधियों, नशे, हुड़दंग, डीजे की तेज आवाज पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

घर में घुसकर महिला से अश्लील हरकत और मारपीट, 3 आरोपी गिरफ्तार

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। नवापारा इलाके में महिला से अश्लील हरकत और मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने घर में घुसकर जबरदस्ती महिला से छेड़छाड़ और

अश्लील हरकत करने लगे। विरोध करने पर गाली-गलौच करते हुए मारपीट करने लगे। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर को पीड़िता ने नवापारा थाने में लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत में बताया गया कि वह 25 दिसंबर 2025 को अपने रिश्तेदार के घर गई हुई थी। उसी दिन रात करीब 8 बजे वह रिश्तेदार की किराना दुकान में मौजूद थी, तभी गांव के ही आरोपी प्रकाश सोनवानी, लल्लू सोनवानी और डीहू सोनवानी ने उसे देखकर अश्लील इशारे करने शुरू कर दिए। आरोप है कि सामान लेने के बहाने आरोपियों ने पीड़िता का हाथ पकड़ लिया, जिससे वह किसी तरह खुद को छुड़ाकर घर के अंदर चली गई। कुछ देर बाद आरोपीगण जबरन घर के भीतर घुस आए और पीड़िता के साथ बदतमीजी करने लगे।

छत्तीसगढ़ में खनन परियोजनाओं को लेकर बढ़ा टकराव, ग्रामीणों का आरोप जनसुनवाई महज औपचारिकता

औद्योगिक परियोजनाओं को लेकर जनसुनवाई का विरोध

- झड़प और तनाव की लगातार बढ़ रही घटनाए
- उद्योगपतियों को जल, जंगल और जमीन का आवंटन

आशीष दुबे

अंबिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ को खनिज संपदा का राज्य कहा जाता है लेकिन यही संपदा अब सरकार, उद्योगपतियों और ग्रामीणों के बीच टकराव की बड़ी वजह बनती जा रही है। राज्य के विभिन्न जिलों में औद्योगिक परियोजनाओं को लेकर जनसुनवाई के दौरान विरोध, झड़प और तनाव की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। विशेषकर रायगढ़, सरगुजा और बस्तर अंचल में हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं।

सरगुजा जिले के बाद अब रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजना को लेकर आयोजित जनसुनवाई के दौरान शनिवार को झड़प की घटना ने इस टकराव को और उजागर कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना उनकी सहमति और आपत्तियों को नजरअंदाज कर प्रशासन उद्योगपतियों को जल, जंगल और जमीन का आवंटन कर रहा है।

जनसुनवाई को केवल औपचारिकता बनाकर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों में गहरा असंतोष है। माह भर पहले सरगुजा जिले के अमेरा ओपन कास्ट कोल माईनस को लेकर एसईसीएल, जिला प्रशासन और ग्रामीणों के बीच झड़प हुई थी, वहीं अब तमनार में हुई जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और उन्होंने परियोजना का कड़ा विरोध किया। विरोध के दौरान स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि प्रशासन और ग्रामीणों के बीच झड़प की नौबत आ गई। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित प्लांट से क्षेत्र की खेती, जलस्रोत और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा, वहीं विस्थापन की आशंका से उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

फाइल फोटो

निरस्तीकरण का फैसला करेंगे पर्यावरण सचिव, प्रक्रिया आसान नहीं

तमनार के सीएचपी चौक पर शनिवार को प्रदर्शनकारी और पुलिस के बीच हुई झड़प के बाद जिला प्रशासन बैकफुट पर है। 14 गांवों के प्रतिनिधिमंडल और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच लंबी चर्चा के बाद निर्णय लिया गया है कि प्रस्तावित जनसुनवाई को फिलहाल निरस्त किया जाएगा। नियमों के अनुसार एक बार जनसुनवाई की प्रक्रिया हो जाने के बाद निरस्त करने का अधिकार जिला प्रशासन या कलेक्टर को है। ऐसे मामलों में केवल राज्य के पर्यावरण सचिव को ही जनसुनवाई निरस्त करने का अधिकार है। जिला प्रशासन की ओर से घटनाक्रम और वर्तमान परिस्थितियों की जानकारी पर्यावरण सचिव को पत्र में दी गई है। पत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति, जनविरोध, हिंसक घटना और क्षेत्र में तनाव की जानकारी दी गई है। अब पर्यावरण विभाग अपने स्तर पर निर्णय लेगा, जिसके तहत जनसुनवाई निरस्त करने की औपचारिकता पूरी होगी।

ग्रामीण जल, जंगल और जमीन की लड़ रहे लगाई, इधर प्रशासन का तर्क विकास और रोजगार के लिए जरूरी: ग्रामीणों ने साफकर दिया है कि वे अब जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। उनका कहना है कि यदि प्रशासन और सरकार उनकी आवाज नहीं सुनेगी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं प्रशासन का तर्क है कि विकास और रोजगार के लिए उद्योग आवश्यक हैं, लेकिन स्थानीय विरोध को देखते हुए अब संतुलन बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। फिलहाल तमनार की जनसुनवाई को लेकर अंतिम फैसला राज्य शासन को लेना है। लेकिन इतना तय है कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास बनाम स्थानीय अधिकारों की लड़ाई आने वाले दिनों में और तेज होने वाली है, जो सरकार और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

ग्रामीणों के विरोध के बाद पहली बार बेकफुट पर आया जिला प्रशासन, पर्यावरण विभाग को भेजा प्रस्ताव

सीएचपी चौक पर पिछले 16 दिनों से गारे पेल्मा कोल खदान की जनसुनवाई को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। शनिवार को जनसुनवाई के विरोध में धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे थे। इस बीच ग्रामीण और पुलिस के बीच झड़प हुई। लगातार बढ़ते विरोध और बिगड़ते हालात को देखते हुए रायगढ़ जिला प्रशासन पहली बार बैकफुट पर नजर आया है। प्रशासन ने राज्य शासन को जनसुनवाई निरस्त करने का प्रस्ताव भेजा है। यह कदम अपने आप में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अब तक प्रशासन आमतौर पर विरोध के बावजूद जनसुनवाई संपन्न कराकर परियोजनाओं को आगे बढ़ाता रहा है। ग्रामीण संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह केवल तमनार का मामला नहीं है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में यही स्थिति बन रही है। खनन और उद्योगों के नाम पर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों की जमीन छीनी जा रही है। जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं, जंगल उजड़ रहे हैं और लोगों की आजीविका पर संकट खड़ा हो रहा है।

लगातार बढ़ रहा ग्रामीणों का विरोध, कृषि भूमि, जंगल और जलस्रोत होंगे प्रभावित

सरगुजा जिले के बतौली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम चिंगरा में वर्ष 2021 में प्रस्तावित एलुमिना रिफाइनरी प्लांट को लेकर ग्रामीणों और प्रशासन के बीच झड़प हुई थी। इस घटना के बाद से ही राज्य में औद्योगिक परियोजनाओं के खिलाफविरोध तेज होता गया। ग्रामीणों का कहना है कि परियोजनाओं से उनकी कृषि भूमि, जंगल और जलस्रोत प्रभावित होंगे, जिससे उनका जीवन-यापन मुश्किल हो जाएगा। इसी तरह, राज्य में अडानी समूह की कोल माइंस का स्थानीय ग्रामीण लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। उदयपुर ब्लॉक के केते ओपन कास्ट माइंस के विस्तार को लेकर भी ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन विस्तार के नाम पर गांवों का विस्थापन किया जा रहा है, वहीं पर्यटन स्थल भी नष्ट होने जबकि पुनर्वास और मुआवजे को लेकर स्पष्ट नीति नहीं अपनाई जा रही। माह भर से मैनपाट क्षेत्र में प्रस्तावित बॉक्साइट खदान को लेकर भी स्थानीय लोगों का विरोध जारी है। वहीं, अमेरा में ओपन कास्ट कोल माइंस और रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक प्लांट की जनसुनवाई के दौरान हाल ही में झड़प की घटनाएँ सामने आई हैं। तमनार में जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन पर जबरन सुनवाई कराने और विरोध दबाने का आरोप लगाया।

टोकन नहीं कटने पर किसान ने खाया जहर

रायगढ़/नवप्रदेश। खरसिया विकासखंड के ग्राम बकेली में एक किसान अपना टोकन कटवाने के लिए बीते करीब 15 दिनों से भटक रहा था। इसके बाद भी जब उसका टोकन नहीं कटा तो अत्यधिक परेशान होकर उसने अपनी जीवनलीला समाप्त करने को प्रयास करते हुए जहर सेवन कर लिया। जिसके बाद परिजन उसे गंभीर अवस्था में सिविल अस्तपाल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत को देखते हुए बेहतर उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। जहां फिलहाल उसका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार फिलहाल किसान की हालत सामान्य है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बकेली निवासी कृष्णा कुमार गबेल की दो बड़ी बहनें हैं, जिनके नाम पर करीब 1 एकड़ खेत हैं। जिसमें वह कई वर्षों से खेती किसानी कर रहा है। चूंकि उक्त जमीन का आधिकारिक पंजीयन उसकी बहन के नाम पर है, ऐसे में धान खरीदी से संबंधित सभी प्रक्रियाओं के लिए उसके आधार सहित मोबाइल नंबर आदि की जरूरत होती है। ऐसे में उसने अपनी बड़ी बहन के बेटे का मोबाइल नंबर दर्ज कराया था। जिसमें टोकन के लिए ओटीपी आना था। पिछले करीब 15 दिनों से कृष्ण कुमार गबेल टोकन कटाने के लिए कोशिश कर रहा था। वह आनलाइन और आफलाइन दोनों ही तरीकों से टोकन कटाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन लगातार कोशिश करने के बाद भी जब टोकन नहीं कट सका तो वह काफी परेशान हो गया और इसी बीच शनिवार की सुबह करीब 11 बजे जब वह अपने परिवार के साथ घर पर था तो इसी मानसिक परेशानी से घिर कर उसने कीटनाशक का सेवन कर लिया। जैसे ही इस बात की जानकारी उसकी पत्नी सहित परिवार के अन्य सदस्यों को हुई तो उन्होंने आनन-फानन में उसे सिविल अस्पताल खरसिया में भर्ती कराया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे देर रात मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेफर कर दिया। किसान का टोकन नहीं कटने और इससे परेशान होकर आत्महत्या की कोशिश करने की जानकारी जब पूर्व कैबिनेट मंत्री और खरसिया विधायक उमेश पटेल को मिली तो वे अस्पताल पहुंचे और उसका हाल चाल जाना साथ ही चिकित्सकों को भी बेहतर उपचार हेतु निर्देशित किया गया।

एसडीएम व तहसीलदार ने किया जायजा

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम और तहसीलदार भी अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर इलाज के लिए कहा। वहीं दूसरी ओर इस मामले की जांच करने तथा समस्या का समाधान करने का भी आश्वासन दिया। इसके अलावा अधिकारियों ने किसान को दोबारा ऐसा कदम नहीं उठाने की समझाइश भी दी। बताया जा रहा है कि प्रशासन इस पूरे मामले की जांच कर रहा है।

कमीशनखोरी या सिर्फ खानापूर्ति?

आधे से ज्यादा धान बिकने के बाद केन्द्रो पर भेजे जा रहे सीसीटीवी कैमरे

सुशील शुक्ला

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अभियान अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इस बीच प्रशासन की एक अजीबोगरीब कार्यप्रणाली ने चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। जब जिले में आधे से अधिक धान की खरीदी पूरी हो चुकी है, तब मार्कफेड द्वारा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे भेजे जा रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब निगरानी की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब प्रशासन क्यों सोया रहा और अब इस लेट-लतीफी का औचित्य क्या है?

जब काम आधा, तब सीसीटीवी का क्या इरादा?: धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि जिले के लगभग सभी धान खरीदी केंद्रों में समितियों ने शुरुआत में ही अपने स्तर पर सीसीटीवी कैमरे लगा लिए थे। अब जब खरीदी अंतिम चरण में है, तब रायपुर से थोक में कैमरे खरीदकर मार्कफेड द्वारा भिजवाए जा रहे हैं।

उलटी गिनती शुरू: 35 दिन शेष, पर खरीदी सिर्फ 24 दिन: जिले में धान खरीदी के लिए अब कैलेंडर के हिसाब से केवल 35 दिन शेष बचे हैं, लेकिन किसानों की मुश्किलें छुट्टियों ने बढ़ा दी हैं। कुल शेष दिनः 35 दिन, अवकाश (त्योहार व रविवार): 11 दिन, प्रभावी खरीदी दिनः मात्र 24 दिन, इन महज 24 दिनों में जिले के हजारों किसानों का धान तौलना समितियों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। जैसे-जैसे समय कम हो रहा है, केंद्रों पर किसानों की बेचैनी और भीड़ दोनों बढ़ने लगी है।

केंद्रों पर बढ़ेगी मारामारी और अव्यवस्था: जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में केंद्रों पर भारी अव्यवस्था देखने को मिल सकती है। समय कम होने के कारण अब टोकन कटवाने के लिए मारामारी मचेगी। इसके अलावा सर्वर डाउन होने की समस्या और धान के उठाव की धीमी गति किसानों की मुसीबत और बढ़ा सकती है।

इस लेटलतीफी ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं

- क्या यह केवल कमीशनखोरी का खेल है?
- क्या यह सिर्फबजट खपाने के लिए कागजी खानापूर्ति है?
- जब खरीदी अपने चरम पर थी और गड़बड़ियों का सबसे ज्यादा अंदेशा था, तब ये कैमरे क्यों नहीं पहुंचे?

भानसोज के खार में जुआ खेलते 10 गिरफ्तार नगदी और वाहनों समेत लाखों का माल जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। आरंग रायपुर पुलिस द्वारा जुआ और सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आरंग थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम भानसोज स्थित खार (खेत) में दबिश देकर जुआ खेल रहे 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पौने दो लाख रुपये नगद और 7 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।

घेराबंदी कर दी गई दबिश: पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह और आईजी रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशों पर जिले में अवैध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में 28 दिसंबर को आरंग थाना पुलिस को सूचना मिली कि भानसोज के पास कुछ लोग बड़े पैमाने पर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर रेड मारी।

पुलिस ने क्या-क्या जब्त किया: नगद राशिः 1,71,290 रुपये, वाहनः 07 नग दोपहिया वाहन, अन्यः ताश की पत्तियां, जब्त किए गए कुल सामान की कीमत लगभग 4,72,000 रुपये आंकी गई है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार: पुलिस ने मौके से देवेन्द्र वर्मा (भानसोज), वितिक गायकवाड़ (भानसोज), दिनेश कुमार वर्मा (पिपरहट्ठा), राधेश्याम साहू (फरफौद), राहुल गायकवाड़ (भानसोज), पुष्कर साहू (फरफौद), राजू साहू (पिपरहट्ठा), कृष्ण कुमार साहू (पिपरहट्ठा), नारायण चंद्राकर (फरफौद) और दिलेश्वर साहू (जरौद) को गिरफ्तार किया है।

कानूनी कार्रवाई: पकड़े गए सभी 10 जुआरियों के खिलाफ थाना आरंग में 'जुआ प्रतिषेध अधिनियम' के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अवैध कारोबार को रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रायपुर पुलिस का बड़ा एक्शन: एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और मुजगहन पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

फार्म हाउस में ड्रोन से निगरानी कर पकड़ा जुआ, 16 गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के आउटर इलाकों में स्थित फार्म हाउसों में चल रही अवैध गतिविधियों पर पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक शुरू कर दी है। रविवार को थाना मुजगहन क्षेत्र के 'हंसी खुशी' फार्म हाउस में दबिश देकर पुलिस ने जुआ खेलते हुए 16 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस पूरी कार्रवाई की खास बात यह रही कि पुलिस ने रेड मारने से पहले ड्रोन कैमरे के जरिए जुआरियों की मौजूदगी और गतिविधियों की पुष्टि की थी।

31 लाख का मशरूका बरामद

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और मुजगहन पुलिस की संयुक्त टीम ने इस छापेमारी में भारी मात्रा में सामान और नकदी जब्त की है।

पुलिस ने क्या-क्या जब्त किया ?

नगद राशि: 2,12,600 रुपये
वाहन: 2 चारपहिया और 8 दोपहिया वाहन
अन्य: 17 मोबाइल फोन और ताश की पत्तियां
कुल जब्त संपत्ति की कीमत लगभग 31 लाख रुपये आंकी गई है।

फार्म हाउस मालिक पर भी गिरेगी गाज

पुलिस ने बताया कि नए साल की पार्टियों और जुए की संभावना को देखते हुए आउटर के फार्म हाउसों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस मामले में न केवल जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है, बल्कि फार्म हाउस के मालिक के विरुद्ध भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सभी आरोपियों के खिलाफ 'जुआ प्रतिषेध अधिनियम' के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

पकड़े गए जुआरियों में रायपुर और दुर्ग जिले के लोग शामिल हैं, जिनमें प्रमुख रूप से सुरेश साहू (महावीर नगर), नागेंद्र कुमार वर्मा (पाटन), गोविंद कुमार (अमलीडीह), ईशू देव वर्मा (मठपुरैना), देवेंद्र यादव (पाटन), प्रेमशंकर धीवर (अमलीडीह), नारायण ढीमर (डटरंगा), कैलाश चतुर्वेदी (उतई), कृष्णा गेंदरे (डोमा), राजेंद्र कुमार साहू (अमलीडीह), सुरेंद्र कुमार (पाटन), डोमन निषाद (राजेंद्र नगर), नेतराम साहू (दतरेंगा), सौरभ राजपूत (भाटागांव), गुरुप्रीत सिंह (डूमरतराई) और सूरज साहू (कमल विहार) शामिल हैं।

न्यूज गैलरी

गंदगी फैलाना पड़ा भारी, 'मोती महल' पर जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के शास्त्री बाजार मुख्य मार्ग पर स्वच्छता नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले होटल संचालकों के खिलाफ नगर निगम ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जोन 4 के अंतर्गत 'मोती महल' होटल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि होटल के आउटलेट से भारी गंदगी निकल रही थी और खाद्य सामग्री को सीधे नालियों में फेंका जा रहा था। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई के दौरान मौके पर ही होटल संचालक पर 10 हजार रुपये का ई-जुर्माना लगाया गया। गंदगी के अलावा निगम ने होटल के वेस्ट मैनेजमेंट पर भी कड़ा एतराज जताया है। संचालक को पूर्व में दिए गए नोटिस का स्मरण पत्र देते हुए होटल परिसर में मिनी एसटीपी निर्माण के निर्देश दिए गए हैं।

जनशिकायत पर एक्शन, कचरा मुक्त हुआ क्षेत्र

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम प्रशासन शहर की स्वच्छता को लेकर सक्रिय मोड में नजर आ रहा है। राज टाकीज और भगत स्वीट्स के पास नाली में कचरा जमा होने और गंदगी की जनशिकायत मिलने पर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल एक्शन लिया। नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित जोन स्वास्थ्य अधिकारी को मौके पर सफाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए थे। निर्देश मिलते ही जोन की स्वास्थ्य टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में नाली की विस्तृत सफाई की। नाली में महीनों से जमा कचरे को पूरी तरह बाहर निकाला गया और कचरे का समुचित उठाव कर पूरे इलाके को स्वच्छ बनाया गया। कार्रवाई के बाद क्षेत्र की स्थिति अब सामान्य और साफ-सुथरी है। निगम अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग और सतत सफाई अभियान जारी रखा जाएगा।

फैले कचरे का उठाव, निगम ने दिखाई तत्परता

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के व्यस्ततम इलाकों में शुमार बैरन बाजार क्षेत्र में फैली गंदगी की शिकायत पर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित प्रतिक्रिया दी है। स्थानीय निवासियों द्वारा सड़क पर कचरा बिखरे होने की शिकायत मिलने के बाद, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने संबंधित जोन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए। निगम की सफाई टीम ने युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए सड़क पर फैले घरेलू और व्यापारिक कचरे को हटाया और क्षेत्र को डस्ट-फ्री बनाया। सफाई अभियान के बाद अधिकारियों ने स्थल का मुआयना किया, जहां वर्तमान स्थिति स्वच्छ पाई गई है। निगम प्रशासन ने जोन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बैरन बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखी जाए ताकि सड़क पर कचरा न फैले। शहरवासियों से भी अपील की गई है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही कचरा डालें।

मच्छरों से मिलेगी राहत, एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव

रायपुर/नवप्रदेश। मौसमी बीमारियों और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए रायपुर नगर निगम ने रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। स्वास्थ्य विभाग को क्षेत्र में गंदगी और मच्छरों की बढ़ती तादाद की शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने जोन स्वास्थ्य टीम को फील्ड पर उतारा। कार्रवाई के दौरान वार्ड में फैले घरेलू कचरे, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सामग्रियों का व्यापक स्तर पर उठाव किया गया। सफाई के तुरंत बाद मच्छरों के कारगर नियंत्रण के लिए पूरी बस्ती और जलभराव वाले स्थानों पर एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव कराया गया। डॉ. पाणीग्रही ने जोन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वार्ड में नियमित साफ-सफाई और मच्छर नियंत्रण के कार्य निरंतर जारी रहें, ताकि जनता को बीमारियों के खतरे से बचाया जा सके।

नवा रायपुर में बनेगा 9 प्लेटफार्म का टर्मिनल, 60 एकड़ में बनेगी वाशिंग लाइन

- 1500 करोड़ की लागत से होगा निर्माण
- हो जाएगा रायपुर का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन

रायपुर/नवप्रदेश। नवा रायपुर स्थित केंद्री स्टेशन के निर्माण को लेकर रायपुर रेल मंडल के प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड की ओर से मंजूरी मिल गई है। नवा रायपुर के केंद्री स्टेशन को अब राजधानी रायपुर की तर्ज पर डेवलप किया जाएगा। इस स्टेशन पर 9 प्लेटफार्म बनाए जाएंगे। साथ ही ट्रेनों के रखरखाव और मरम्मत के लिए 1500 करोड़ की लागत से 60 एकड़ में नई वाशिंग और पिट लाइन बनेगी। जिससे ये रायपुर का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन होगा।

दरअसल, रायपुर स्टेशन पर ट्रेनों के बढ़ते दबाव के मद्देनजर रायपुर मंडल ने रेलवे बोर्ड को केंद्री स्टेशन का प्रस्ताव बनाकर भेजा था। जिसे हरी झंडी मिल गई है। बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद अब रेलवे एनआरडीए से केंद्री स्टेशन के पास 60 एकड़ जमीन खरीदेगा। इसके बाद स्टेशन को डेवलप करने का काम शुरू होगा।

कैसा होगा नया रेलवे स्टेडशन?

केंद्री स्टेशन पर 9 प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे। इसमें 1 होम प्लेटफार्म और 4 आइलैंड प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे। इसके साथ ही 5 पिट लाइन, 5 स्टेबलिंग लाइन, 4 इंटरमीडिएट ओवरहालिंग लाइन, 4 मैकेनिकल लाइन और 3 शंटिंग नेक बनाई जाएगी। इसके साथ ही यहां वाशिंग लाइन भी बनाई जाएगी।

नई ट्रेनें होंगी शुरू

केंद्री स्टेशन के विकास होने के बाद इस रूट को सीधे मुंबई, कोलकाता और विशाखापट्टनम से जोड़ा जाएगा। जिसके बाद यहां से नई ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। वर्तमान में रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत लंबी दूरी तय करने वाली करीब 12 ट्रेनें संचालित हो रही हैं। वाशिंग लाइन छोटी होने की वजह से कई मार्ग पर नई ट्रेनों का संचालन नहीं हो पा रहा है।

ट्रेनों की प्राइमरी जांच होगी आसान

ट्रेनों का परीक्षण दुर्ग में ही होता है। केंद्री स्टेशन के विकास के बाद रायपुर-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस, दुर्ग-जम्मू तवी, दुर्ग-निजामुद्दीन, दुर्ग-गोरखपुर, दुर्ग-कानपुर, दुर्ग-भोपाल, दुर्ग-जयपुर, दुर्ग-अजमेर, दुर्ग-दल्ली राजहरा एक्सप्रेस का परीक्षण रायपुर में ही हो सकेगा। वहीं अभी इन ट्रेनों की जांच में 6 घंटे लगते हैं, इसके बाद समय की भी बचत होगी।

एक साथ 30 ट्रेनों की होगी धुलाई और मरम्मत

नवा रायपुर स्थित केंद्री स्टेशन में वाशिंग लाइन बनाने की भी योजना है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद यहां वाशिंग लाइन का निर्माण भी किया जाएगा। जिससे एक ही समय पर एक साथ करीब 30 से अधिक ट्रेनों की धुलाई और मरम्मत हो सकेगी। वहीं दुर्ग की वाशिंग लाइन पर लोड कम हो जाएगा और ट्रेनों की बोगियों की मरम्मत भी जल्द होगी।

पं. धीरेंद्र शास्त्री को लेकर छत्तीसगढ़ में गरमाई राजनीति

डिप्टी सीएम शर्मा बोले- 'कंधों पर बैठाकर पं. धीरेंद्र शास्त्री को छत्तीसगढ़ लाएंगे...'

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के भिलाई में चल रही दिव्य हनुमंत कथा के चौथे दिन कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमान चालीसा की चौपाइयों को विस्तार से समझाते हुए उनका अर्थ बताया. इस दौरान कार्यक्रम में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए. जहां उन्होंने बाबा बागेश्वर के सरकारी विमान से आने वाले विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया.

अपने कंधों पर बैठाकर पं. धीरेंद्र शास्त्री को लाएंगेः विजय शर्मा

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री जी केवल कथा वाचक ही नहीं, बल्कि करोड़ों सनातनियों के लिए प्रेरणापुंज हैं. उन्होंने कहा कि कुछ लोग धर्म गुरुओं और संत-महात्माओं पर भी प्रश्न खड़े करते हैं. ऐसे कुछ विधर्मी हमारे प्रदेश में भी हैं. इस तरह की अशिष्ट भाषा का उपयोग करने वालों को समय आने पर जनता स्वयं जवाब देगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी समाज को दिशा देने वाली धर्म कथा होगी, वहां धर्मशास्त्र बताने वाले संत-महात्माओं के साथ प्रदेश की सरकार हमेशा खड़ी रहेगी। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सरकारी विमान से आने को लेकर उठे विवाद पर उन्होंने कहा कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जब-जब छत्तीसगढ़ आएंगे, तब-तब प्रदेश के लोग और वे स्वयं उन्हें कंधों और पलकों पर बैठाकर लाएंगे।

'विजय शर्मा चाहें बाबा बागेश्वर को पलकों बिठाएं या कुछ भी करें, कांग्रेस का स्टैंड क्लियर है', भूपेश बोले- धीरेंद्र शास्त्री ढोंगी हैं

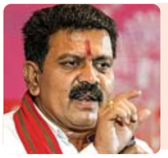

बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों छत्तीसगढ़ की 5 दिवसीय यात्रा पर हैं. वे भिलाई में दिव्य हनुमंत कथा करवा रहे हैं. पंडित धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा के साथ ही छत्तीसगढ़ में सियासी बयानबाजी ने माहौल गरमा दिया है.

छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा के पंडित धीरेंद्र शास्त्री को पलकों पर बिठाकर लाने वाले बयान पर भूपेश बघेल ने तंज कसा है. छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, 'विजय शर्मा चाहें बाबा बागेश्वर को पलकों पर बिठाकर लाएं, कंधों पर बिठाकर लाएं या फिर झूला झुलाकर लाएं. लेकिन सरकारी विमान में क्यों लाया गया. सरकारी पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है. कांग्रेस का स्टैंड एकदम क्लियर है. पंडित धीरेंद्र शास्त्री ढोंगी हैं. मैं कहता हूं कि धीरेंद्र शास्त्री को जितनी कथा करनी है करें. लेकिन वो चंदा लेना बंद करें.'

'बाबा बागेश्वर को कंधों और पलकों पर बिठाकर लाएंगे'

दरअसल गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री जी केवल कथा वाचक ही नहीं, बल्कि करोड़ों सनातनियों के लिए प्रेरणापुंज हैं. कुछ लोग धर्म गुरुओं और संत-महात्माओं पर भी प्रश्न खड़े करते हैं. ऐसे कुछ विधर्मी हमारे प्रदेश में भी हैं. पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सरकारी विमान से आने को लेकर उठे विवाद पर उन्होंने कहा कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जब-जब छत्तीसगढ़ आएंगे, तब-तब प्रदेश के लोग और वे स्वयं उन्हें कंधों और पलकों पर बैठाकर लाएंगे।

एम्स-आईसीएमआर अध्ययन

18-45 वर्ष के स्वस्थ दिखने वाले युवाओं में हार्ट अटैक साइलेंट किलर

रायपुर/नवप्रदेश। अचानक होने वाली मौतें अब केवल वृद्धावस्था तक सीमित नहीं रहीं। एम्स नई दिल्ली के एक ताजा अध्ययन ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है कि अचानक मौत के आधे से अधिक मामले 45 वर्ष से कम उम्र के लोगों में हुए हैं। इनमें कई लोग पूरी तरह स्वस्थ दिख रहे थे और घर या यात्रा के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। आईसीएमआर की परियोजना के तहत इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित इस अध्ययन में मई 2023 से अप्रैल 2024 के बीच एम्स नई दिल्ली में हुए 2,214 पोस्टमार्टम का विश्लेषण किया गया। इनमें 180 मामले अचानक मृत्यु के पाए गए। इनमें से 103 मौतें 18 से 45 वर्ष के युवाओं की थीं।

एक्सपर्ट व्यू

ठंड के दिनों में बुजुगों और पहले से हृदय रोग से पीड़ित मरीजों में हार्ट अटैक का खतरा अधिक रहता है। छाती में भारीपन, सांस फूलना, अत्यधिक पसीना आना या बेचैनी जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल पहुंचना जरूरी है। ठंड के मौसम में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सुबह-शाम की ठंड से बचना, नियमित चेकअप कराना जरूरी है।

-डॉ. स्मित श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, एसीआई

अंबेडकर में 15 दिन में 135 हृदय प्रक्रियाएं

कार्डियक इंस्टीट्यूट में 1 से 15 दिसंबर के बीच विभाग में कुल 135 हृदय संबंधी प्रक्रियाएं की गई। पहले के 10 दिनों में 52 एंजियोग्राफी, 24 एंजियोप्लास्टी, 3 आपात रायपुर के अंबेडकर अस्पताल के एडवांस एंजियोप्लास्टी, 4 पेसमेकर प्रत्यारोपण और 1 ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इंप्लटिशन किए गए। हार्ट अटैक की गंभीर स्थिति में पहुंचे तीन मरीजों की तुरंत एंजियोप्लास्टी कर जान बचाई गई।

पुलिस का एक्शन मोड, साल भर में 1500 से ज्यादा नशेड़ी वाहन चालकों पर गिरी गाज

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी की सड़कों को सुरक्षित बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रायपुर यातायात पुलिस द्वारा चलाया जा रहा विशेष अभियान रंग ला रहा है। 'ड्रंक एंड ड्राइव' के खिलाफ की गई कार्रवाई के आंकड़ों को जारी करते हुए पुलिस ने बताया कि वर्ष 2025 में अब तक कुल 1523 नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है।

देर रात चल रही विशेष चेकिंग

यातायात पुलिस द्वारा प्रतिदिन रात्रि 11:00 बजे से 02:00 बजे तक शहर के अलग-अलग प्रमुख मार्गों और चौराहों पर चेकिंग पॉइंट लगाए जा रहे हैं। ब्रीथ एनालाइजर मशीन के जरिए संदिग्ध चालकों की जांच की जा रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे की हालत में वाहन चलाकर स्वयं और दूसरों की जान जोखिम में डालने वालों पर लगाम कसना है।

सख्त संदेशः सुरक्षा से समझौता नहीं

यातायात पुलिस रायपुर ने स्पष्ट किया है कि नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे शराब पीकर वाहन न चलाएं और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर जिम्मेदार नागरिक का परिचय दें।

680 चालकों के लाइसेंस हुए निलंबित

पुलिस की यह कार्रवाई केवल जुर्माने तक सीमित नहीं है। वर्ष 2025 में अब तक 680 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की प्रक्रिया की गई है। नियम उल्लंघन करने वालों के वाहन मौके पर ही जप्त कर यातायात मुख्यालय में सुरक्षित रखे जा रहे हैं, जिन्हें माननीय न्यायालय के आदेश और अर्थदंड भुगतान के बाद ही छोड़ा जा रहा है।

एसएसपी ने संचालकों को दी चेतावनी 'नियम टूटे तो होगा सीधा एक्शन'

न्यू ईयर सेलिब्रेशन पर पुलिस की 'कड़ी नजर'

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी में नववर्ष के जश्न के दौरान हुड़दंगियों और नियमों की अनदेखी करने वालों की खैर नहीं होगी। आगामी 31 दिसंबर के मद्देनजर रायपुर पुलिस ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। सोमवार को सिविल लाइन स्थित सी-04 भवन में पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने शहर के होटल, रेस्टोरेंट, बार और फार्म हाउस संचालकों की अहम बैठक ली।

बैठक में एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जश्न के नाम पर किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान एडिशनल एसपी कीर्तन राठौर, डी.आर. पोर्ते, विवेक शुक्ला समेत जिले के सभी सीएसपी और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

ब्रेथएनालाइजर के साथ सड़कों पर होगी चेकिंग

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि 31 दिसंबर की रात वीआईपी रोड सहित शहर के सभी प्रमुख मार्गों पर पुलिस के चेकिंग पॉइंट होंगे। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच ब्रेथएनालाइजर से की जाएगी। ड्रंक एंड ड्राइव के केस में वाहन जब्त करने के साथ ही कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

> क्षमता से अधिक पास जारी न करें। यदि कार्यक्रम में हुड़दंग या अव्यवस्था हुई, तो इसके लिए सीधे तौर पर संचालक जिम्मेदार होंगे।
>
> **डॉ. लाल उमेद सिंह,** एसएसपी रायपुर

पुलिस का 'ऑपरेशन निश्चय', गांजा तस्करी करते हिस्ट्रीशीटर शिवा गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और थाना डी.डी. नगर की संयुक्त टीम ने रायपुरा क्षेत्र से भारी मात्रा में गांजा के साथ थाना डी.डी. नगर के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर शिवा नेताम उर्फ बब्बन को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदीः जानकारी के अनुसार, सोमवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि रायपुरा स्थित विसर्जन कुण्ड के पास एक व्यक्ति एक्टिवा पर गांजा लेकर उसे खपाने की फिराक में है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर गठित टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे मुस्तैदी से दबोच लिया।

बरामदगी और कार्रवाईः तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे थैले से 1 किलो 977 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा और तस्करी में इस्तेमाल की गई एक्टिवा (CG 04 NJ 4677) को जप्त कर लिया है। जप्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 1,50,000 रुपये आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ थाना डी.डी. नगर में अपराध क्रमांक 618/25, धारा 20बी नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीएम के मीडिया सलाहकार पकंज झा ने नेहरू के बहाने कांग्रेस पर साधा निशाना

'क्या प्रेमिका को पत्र भेजने के लिए है विमान?...'

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के भिलाई में हनुमंत कथा का आयोजन किया गया है। कथा के लिए पंडित धीरेंद्र शास्त्री छत्तीसगढ़ शासन के विमान से आए थे, जिसके बाद प्रदेश में सियासत शुरू हो गई। कांग्रेस नें सरकार पर आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। वहीं अब सीएम के मीडिया सलाहकार पकंज झा ने नेहरू के बहाने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है।

क्या प्रेमिका को पत्र भेजने के लिए है विमान - पकंज झा

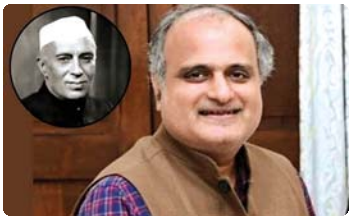

सीएम के मीडिया सलाहकार पकंज झा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'सत्ता आपकी खानदानी जायदाद जो रही है। आज भी सामंती मानसिकता गयी नहीं है। राजकीय अतिथि और करोड़ों लोगों के श्रद्धा के केंद्र संत के लिए राजकीय विमान नहीं है। सिगरेट लाने के लिए है, प्रेमिका को विदेश पत्र भेजने के लिए है। हद है। '

प्रोटोकॉल पर कांग्रेस ने खड़े किए सवाल

बता दें कि कथा के लिए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री छत्तीसगढ़ शासन के सरकारी विमान से भिलाई पहुंचे थे। अब प्रोटोकॉल को लेकर कांग्रेस प्रदेश सरकार पर हमलावर है। इसके बाद धर्म और राजनीति को लेकर एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने पहले बाबा बागेश्वर को भाजपा का एजेंट बताते हुए खुली चुनौती दी। इसके जवाब में धीरेंद्र शास्त्री ने राष्ट्र और हनुमान भक्ति को लेकर तीखा पलटवार भी किया है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हर चीज का इलाज चर्च नहीं है। बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने सनातन विरोधियों को देश छोड़ने की नसीहत दे डाली।

सुविचार

उस रिश्ते का खराब हो जाना ही बेहतर है जिसे निभाने के चक्कर में जिंदगी खराब होने की आशंका हो। - अज्ञात

एसआईआर से घुसपैठियों में हड़कंप

बिहार के बाद उत्तर प्रदेश और बंगाल सहित देश के बारह राज्यों में एसआईआर का पहला चरण पूरा हो गया है। जहां लाखों लोगों के नाम काटे गए हैं। सर्वाधिक 56 लाख नाम बंगाल से कटे हैं लेकिन किसी ने भी इसकी शिकायत नहीं की है। इसी से स्पष्ट है कि ये सभी घुसपैठिये हैं। अभी भी बंगाल में एक करोड़ से ज्यादा लोगों की पड़ताल की जा रही है। जिससे घुसपैठियों मे हड़कंप मच गई है। बंगाल से वापस बांग्लादेश जाने के लिए सीमा पर इन घुसपैठियों का जमावड़ा लगा हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक बंगाल के 18 प्रतिशत मतदाता अवैध प्रवासी हैं। जो रोहिंग्या या बांग्लादेशी हैं। करोड़ों घुसपैठिये जो देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे हैं वे सभी बांग्लादेश से आकर पहले बंगाल में ही डेरा डालते हैं और फर्जी दस्तावेज बनवाते हैं देश के विभिन्न हिस्सों में बिखर जाते हैं और खुद को बंगाल का बाशिंदा बताते हैं। नई दिल्ली और गुजरात सहित अन्य राज्यों से जितने भी घुसपैठिये पकड़ में आए हैं सभी खुद को बंगाल का नागरिक बताते रहे हैं। अब बंगाल में एसआईआर से ये बेनकाब हो रहे हैं और अपना घरबार छोड़कर भाग रहे हैं। इनमें से कुछ बांग्लादेश वापस जाने की जगह तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल जैसे गैर भाजपा शासित राज्यों की ओर कूच कर रहे हैं जहां उन्हें बंगाल की तरह ही संरक्षण मिलने की उम्मीद है। इन राज्यों की ओर जाने वाली ट्रेनों में बड़ी संख्या में सफर करते आसानी से देखा जा सकता है। बंगाल में ममता बनर्जी के लिए ये घुसपैठिये सुरक्षित वोट बैंक रहे हैं। इनके दम पर ही वे बंगाल में अजेय योद्धा बनी हुई थी किंतु एसआईआर ने उनका वोट बैंक दरका दिया है। यही वजह बौखलाई हुई ममता बनर्जी अपना आपा खोती जा रही हैं और चुनाव आयोग व केन्द्र सरकार को जमकर गरिया रही हैं। किंतु सरकार ने तय कर लिया है कि एक-एक घुसपैठिये को ढूंढ कर उसे खदेड़ा जाएगा।

गुजरेगी स्याह रात

अम्मा के माथे चमकती थी बिंदी। देश के माथे दमकती थी हिन्दी।।
बापूजी में गुजरने (जाने) के बाद। अम्मा ने पोंछ डाली बिंदी।।
अंग्रेजों के जाने के बाद। कान्वेंट परस्तों ने छोड़ डाली हिन्दी।।
सिसकती है अम्मा दरकती है हिन्दी।।
बेवा अम्मा से छीनी घर की सत्ता। आजाद देश में अंग्रेजी ने छीनी सत्ता ।।
राष्ट्रभाषा के मुगालते पर सीना चौडा। उधर देखो अंग्रेजी घोडा दौडता ।।
दूसरी भाषा में शिक्षा, बापू ने आत्महत्या बताया।
अंग्रेजी के अभाव ने हमें बेकार गंवार ठहराया।।
बापू ने इसे पर्ने दर्जे का राष्ट्रीय संकट करारा।
पर अंग्रेजों के रहनुमाओं को समझ में नहीं आया इशारा ।।
परदेशी तो पराया था चला गया। अपना आया पर देश छला गया।।
देखों छाती छलनी है हिन्दी की। मेरी आत्मा धिक्कारती जिम्में की।।
हिन्दी भी अच्छी-अंग्रेजी भी अच्छी । बुरे हैं तो मेरे जज्बात।।
जो नहीं करते हिन्दी का ख्यालात।।।
छोटी लगती है उनको यह बात। पर एक दिन गुजरेगी स्याह रात ।।
मेरा दिल कहता यह बात। तुम्हारे क्या है ख्यालात ।।
विजूदा बयां करता इतिहास । तुम्हें भी होगा अहसास ।।
हिन्दी रोती-बिखलती आस-पास । तुम्हें भी होगा अभास ।।
अम्मा के माथे फबती थी बिंदी ।देश के माथे दमकती थी हिन्दी ।।

– पल्लवी त्रिपाठी

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू श्री ऋतेश्वर

◆ लोग कहते है मैं गलत दुकान पर आ गया हूं। सतगुरु का द्वार कभी गलत नहीं हो सकता, तुम्हारी चाहत गलत हो सकती है। तुम गलत समान खरीदने आ गए हो जो यहां मिलता ही नहीं, जिसके डिमांड करोगे, पूरी नहीं हुई तो दुकान गलत नहीं हो सकता; तुम्हारी सोच गलत हो सकती है।

◆ अब पुरानी चीजें तो वापस नहीं आ सकती लेकिन अब जो जानना है, जो जिंदगी और नर्क होनी है वह बच जाएगी और अंत भला तो सब भला।

◆ तुम मौज में रहो बस, तुम्हें जहाँ मौज मिलता है, जैसे मिलता है वही करो।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1893 रूस और फ्रांस ने सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किये।1906 अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना ढाका में हुई। 1922 रूस की राजधानी मास्को के बोलशोई थियेटर से सोवियत संघ के निर्माण की औपचारिक रूप से घोषणा की गयी। 1935 इटली के लड़ाकू विमानों के हमले में अफ्रीकी देश इथोपिया स्थित स्वीडन की रेडक्रॉस इकाई ध्वस्त। 1943 स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में भारत की आजादी का झंडा लहराया। 1949 भारत ने चीन को मान्यता दी। 1975 अफ्रीकी देश मेडागास्कर में संविधान प्रभावी हुआ। 1979 पश्चिमी अफ्रीकी देश टोगो ने संविधान अंगीकार किया। 1996 ग्वाटेमाला में गत 36 वर्षों से चला आ रहा गृहयुद्ध समाप्त। 2000 जनरल उमर-इल बशील दोबारा सूडान के राष्ट्रपति चुने गये, कोलंबिया विश्व का सबसे हिंसक एवं ख़तरनाक देश घोषित।

योगेश कुमार गोयल

डिजिटल भुगतान में निरंतर वृद्धि, उच्च-मूल्य लेनदेन की सुविधा और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल प्रणालियों की स्वीकार्यता, भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी भूमिका की झलक देती है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 2025 का सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि स्वास्थ्य सेवा को अधिकार के रूप में सुलभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति हुई। लाखों नागरिकों तक स्वास्थ्य बीमा और उपचार की पहुंच, निजी स्वास्थ्य खर्च में उल्लेखनीय कमी और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों तक विस्तार, ये सभी संकेत देते हैं कि सामाजिक कल्याण अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं बल्कि वास्तविक जीवन में प्रभाव डाल रहा है। स्वास्थ्य अवसंरचना में किया गया निवेश दीर्घकालिक सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमता को मजबूत कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने यह स्पष्ट किया कि ज्ञान और अनुसंधान को राष्ट्रीय विकास का केंद्र बनाने की रणनीति पर गंभीरता से काम हो रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार, नई सीटों का सृजन, अनुसंधान पार्कों की स्थापना और संकाय क्षमता में वृद्धि, ये सभी कदम आने वाले वर्षों में भारत की मानव पूंजी को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेंगे।

अर्थव्यवस्था से अंतरिक्ष तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

भारत के लिए वर्ष 2025 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसे संक्रमणकाल का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने देश की विकास यात्रा को नई दिशा, नई भाषा और नया आत्मविश्वास दिया। यह वह वर्ष रहा, जब भारत ने न केवल अपनी आंतरिक क्षमताओं को सुदृढ़ किया बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक परिपक्व, स्थिर और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को और गहराया। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल, लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब केवल संभावनाओं का राष्ट्र नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। वैश्विक परिदृश्य 2025 में किसी भी दृष्टि से आसान नहीं था। दुनिया आर्थिक मंदी की आशंकाओं, ऊर्जा संक्रमण के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और तीव्र होती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही थी। ऐसे समय में भारत का स्थिर, संतुलित और आत्मविश्वासी प्रदर्शन इस बात का संकेत बना कि देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी।

आर्थिक मोर्चे पर 2025 भारत के लिए मजबूती का वर्ष रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचना केवल एक आंकड़ा नहीं था बल्कि यह घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधारों की संयुक्त शक्ति का प्रमाण था। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि ने यह संकेत दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अपनी आंतरिक गतिशीलता बनाए रखने में सक्षम है। केंद्रीय बैंक द्वारा वृद्धि अनुमान को 7.3 प्रतिशत तक संशोधित किया जाना आर्थिक लचीलेपन और नीति-विश्वसनीयता को दर्शाता है। लगभग 4.19 ट्रिलियन डॉलर के आकार के साथ भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना केवल रैंकिंग का विषय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति-संतुलन में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है।

विनिर्माण क्षेत्र में 2025 ने एक प्रकार से पुनर्जागरण का संकेत दिया। वर्षों से सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता के बाद अब विनिर्माण को विकास का मजबूत स्तंभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विनिर्माण उत्पादन की 4.26 प्रतिशत वृद्धि और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में निरंतर सुधार यह दर्शाता है कि उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की रणनीति धरातल पर उतर रही है। इलैक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का 115 अरब डॉलर तक पहुंचना और निकट भविष्य में इसके तीव्र विस्तार की संभावना भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की भूमिका निभा रही है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2025 ने भारत को एक नई वैश्विक पहचान दी। यह वर्ष केवल प्रक्षेपणों की संख्या या तकनीकी प्रयोगों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की भूमिका के गुणात्मक परिवर्तन का वर्ष बना। बड़े और जटिल संचार उपग्रहों की सफल तैनाती ने यह स्थापित किया कि भारत अब केवल किफायती लॉन्च सेवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि उच्च-मूल्य और तकनीकी रूप से जटिल वाणिज्यिक मिशनों का भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इन-ऑर्बिट सैटेलाइट डॉकिंग जैसी उन्नत क्षमता का सफल प्रदर्शन भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों, उपग्रह सेवा विस्तार और गहरे अंतरिक्ष अभियानों की आधारशिला है। मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में किए गए परीक्षण, स्वदेशी अंतरिक्ष-ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर का विकास और छोटे उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का निजी क्षेत्र को हस्तांतरण, ये सभी संकेत देते हैं कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब नवाचार, आत्मनिर्भरता और निजी भागीदारी के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

रक्षा क्षेत्र में 2025 को सुधार और आत्मनिर्भरता के निर्णायक वर्ष के रूप में देखा जा सकता है। सैन्य ढ़ांचे के आधुनिकीकरण के साथ-साथ संयुक्त युद्ध क्षमता को मजबूत करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए गए। थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय के लिए एकीकृत कमांड संरचना की ओर बढ़ना भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप एक रणनीतिक कदम है। नौसेना में नई पनडुब्बियों की तैनाती, स्वदेशी लड़ाकू विमानों की श्रृंखलाबद्ध आपूर्ति और रक्षा बजट में दीर्घकालिक निवेश यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में आयात-निर्भरता से बाहर निकलकर घरेलू क्षमता निर्माण पर जोर दे रहा है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रश्न नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता का आधार भी है।

बुनियादी ढ़ांचे के विकास ने 2025 में भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की दिशा में भी भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, सीमावर्ती सड़कों का निर्माण और तटीय विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारत को घरेलू रूप से अधिक एकीकृत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक सक्षम बना रहा है। यह निवेश केवल निर्माण गतिविधि तक सीमित नहीं बल्कि रोजगार सृजन, लागत में कमी और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने का माध्यम भी है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत ने 2025 में वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत किया। डिजिटल भुगतान प्रणालियों का अभूतपूर्व विस्तार, लेनदेन की बढ़ती संख्या और मूल्य तथा तकनीकी नवाचार ने यह सिद्ध किया कि भारत केवल डिजिटल उपभोक्ता नहीं बल्कि डिजिटल समाधान प्रदाता भी है।

प्रेम शर्मा

जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) नए साल लागू होने वाले हैं। जो भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बेहतर बाजार पहुंच देंगे। अमेरिका ने 2025 में भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लागू किए. इसके कारण सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका के लिए निर्यात प्रभावित हुआ। लेकिन नवंबर 2025 में अमेरिका के लिए निर्यात 22.61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो निर्यातकों के अनुकूल संकेत है। हालांकि, निर्यातक अभी भी वैश्विक अनिश्चितताओं को लेकर सतर्क हैं। वे अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की आशा कर रहे हैं ताकि निर्यात को और मजबूती मिले।

भारत के लिए बेअसर रहा ट्रंप का टैरिफ

हाँ, अमेरिका ने 27 अगस्त 2025 से भारत के कई निर्यात उत्पादों पर कुल 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाया था, जिसका मुख्य कारण भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना था, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने बाज़ार विविधीकरण और उत्पादों में विविधता लाकर इस झटके का सामना किया और निर्यात को बनाए रखा, जिससे 2026 में भी निर्यात में तेज़ी जारी रहने की उम्मीद है। वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर लगभग 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया. उसके बाद भी भारत के एक्सपोर्ट ने ट्रंप टैरिफ को पानी पानी पिला दिया और भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को डायवर्सिफाई करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा. जानकारों का कहना है कि ट्रंप के टैरिफसे भारत को जितने नुकसान होने की संभावना थी वो नहीं हुआ है. इसके विपरीत तेजी देखने को मिली है. जिसका प्रमुख कारण भारत की लंबे समय से की जा रही तैयारी और दुनिया के दूसरे बाजारों में भारत की एक्सेप्टेंस है। इसी से इस बॉत का अनुमान है कि भारत के निर्यात में 2026 में मजबूत वृद्धि होने की पूरी संभावना है। ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ नए व्यापार समझौतों से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2025 लगभग बीत रहा है ऐसे में अमेरिकी टैरिफके बावजूद, 2025 में अमेरिका को निर्यात में भारी वृद्धि हुई। जो भारत की कूटनीति और व्यापार नीति का प्रमाण कही जा सकती है। खास तौर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर्स में यह वृद्धि सबसे अधिक रही। यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है. व्यापार मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के शब्दों में, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है. इसी सिद्धांत के साथ भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है।

ज्ञात हो कि 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इस

तारीख के बाद बहुत से देशों के अमेरिका से संबंध खराब होना शुरू हो गए थे। उनमें से एक भारत भी था। सत्ता में आते ही ट्रंप के तेवर पहले ही दिन से पूरी दुनिया को समझ में आ गए थे। टैरिफकी रट लगाने वाले ट्रंप आज इस मुद्दे पर बहुत कम ही बोलते हैं। वह चौतरफा घिर चुके हैं। भारत ने उनके टैरिफका मुंहतोड़ जवाब दिया।अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट के नुकसान की भरपाई करने और साथ ही भारत के विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए, भारत ज्यादा से ज्यादा ट्रेडिंग पार्टनर्स की तलाश कर रहा है। 2025 में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किए।भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संगठन और आर्थिक साझेदारी समझौता मार्च 2024 में साइन किया गया था। यह आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर 2025 को चार सदस्य देशोंरू आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ लागू हुआ। यही नही भारत रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक पार्टनरशिप और चीन के साथ हाल ही में बेहतर हुए संबंधों का भी फायदा उठा रहा है ताकि एक्सपोर्ट के मौके तलाशे जा सकें और इन्वेस्टमेंट आकर्षित किया जा सके। अमेरिकी टैरिफके नेगेटिव असर का मुकाबला करने के लिए भारत की रणनीति ने महत्वपूर्ण गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स सुधारों के जरिए अपनी मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में भारतीय रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले काफी और लंबे समय तक गिरावट देखी गई। रुपया लगातार नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचता रहा। यह करेंसी, जो साल की शुरुआत में लगभग 85.64 प्रति डॉलर पर थी, दिसंबर की शुरुआत में मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण 90 के निशान को पार कर गई और दिसंबर के मध्य तक छ91 के निशान को भी पार कर गई। सरकार ने इसे जानबूझकर नहीं रोका। लेकिन जब लगा रोकना जरूर तो भारतीय रिजर्व बैंक ने इसमें दखल दिया। विशेषज्ञों की माने तो कमजोर रुपया चुपचाप भारत की एक्सपोर्ट कमाई को बढ़ाता है। यह बात अब और भी मायने रखती है, क्योंकि ज्यादा टैरिफऔर राजनीतिक तनाव के कारण ग्लोबल ट्रेड मुश्किल होता जा रहा है। अमेरिका ने कई भारतीय प्रोडक्ट्स पर टैरिफ बढ़ा दिए हैं, लेकिन कमजोर रुपये ने इसके असर को कम कर दिया है।

ज्ञात हो कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276.5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था. 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी-नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मत पूछिए मुहब्बत

मत पूछिए मुहब्बत चीज क्या है कभी हम जैसा तो होकर देखिए मुहब्बत में कोई रंग ना खोजिए कभी हम जैसा बेरंग होकर देखिए रोए भी तो क्या रोए कोई जुदाई में कभी खुद से ही जुदा होकर देखिए इश्क बड़ी खुबसूरत चीज है दोस्तों यार में हो बद शक्ली तो ना देखिए टक टकी लगा कर यूं क्या देखते हो इक बार जरा नजर झुकाकर देखिए वो फूलों की खुशबू वो रंगत उनकी कभी लजाई झुकी नज़रों को देखिए पूरी कायनात का असर हो कि ना हो सफेद पर इश्क का असर लाल देखिए आइए हम दिखाएं रंग ऐ जन्नत आपको कभी जुदाई में होंठ फीके गुलाब देखिए बादलों का रंग अब काला क्या कहिए आसमां को भी तो रोते समय देखिए मत पूछिए हमसे मुहब्बत चीज क्या है कभी तो हम जैसा होकर भी देखिए । - **प्रीति श्रीवास्तव**

हर प्यार की एक

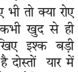

हर प्यार की एक सी ही निशानी है आखरि टूटना ही इसकी कहानी है मेरी आँख में काज़ल टिकता ही नहीं किसी की हुई क्या खूब मेहरबानी है।

– **पूजा 'बहार'**

वो हँसती है तो जलतरंग बज उठता है वो

वो हँसती है तो जलतरंग बज उठता है वो बोलती है तो स्नेह छलक उठता है वो लिखती है तो शब्द बोल उठते हैं वो नेहा है, उसकी आँखों से नेह टपकता है। उसकी रूह में रब बसता है उसकी वाणी में प्यार छलकता है सर से पांव तक जहाँ नेह बरसता है वो नेहा है, हमारी इमोजी क्वीन है उसके हर जवाब में इमोजी दिखता है। – **नीरजा मेहता**

राजनीति करने व राजनीतिक

राजनीति करने व राजनीतिक टिका टिप्पणी करने के पूर्व लोगों को वर्तमान समय के भू राजनीतिक परिदृश्य व विश्व के इतिहास का ज्ञान होना चाहिए। नहीं तो का बा ? का बा? आखिर यह रास्ता जाता कहां है? व डर का माहौल है। करने वाले लोग बहुत हैं। अनंत आकाश का अवलोकन करो कुएं के मेंढक बन टर्राने का कोई लाभ नहीं। – **नवीन शंकर शर्मा**

अश्र, हैं कुछ ऐसे भी आँसू जो- आँखों में

अश्र, हैं कुछ ऐसे भी आँसू जो- आँखों में आकर भी नही आते हैं,

बस यही है दिल के जज्बात- चाहकर भी बताये नहीं जाते हैं, मुझसे कहते हैं वो कि तुम,उगल देते हो अपने जज्बात- एक हम हैं कि अपने दिल में- जज्बात के सागर उफनते पाते हैं, ये अश्र-आँसू इनको क्या कहूं- ये बिन बाँध के जो बहते हैं- निरंतर अनवरत अविराम बस- भावनाओं के बाढ़ में बह जाते हैं,, – **ललित उपाध्याय**

खुद के साथ चलने में एक

खुद के साथ चलने में एक रवानी दिखी जहाँ दिल ठहरना चाहें वही कुछ परेशानी दिखी... फिर एक दिन यूँ हुआ दिल ने खुद को करीब से आईने में देखा ज़िंदगी की हज़ार कहानी मेरी रुह की जुबानी दिखी... कि चाहत ये नही की कोई उम्र भर साथ चले, लेकिन मन का विश्वास जींवन भर साथ रहे..!! – **नंदिता तनूजा**

विकल हैं प्रीत के.ज्बादल

विकल हैं प्रीत के.बादल हवाओं में मगर क्या ढूंढते हो ... इन खलाओं में चले आओ,..चले आओ,..चले आओ हजारों रंग बिखरे हैं....जफ़्ज़ाओं में – **रामकिशोर उपाध्याय**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन अधिकांश समय आपमें चंचलता अधिक रहेगी। महत्त्वपूर्ण कार्यो में भी लापरवाही दिखाएंगे अथवा इच्छा शक्ति की कमी रहने से कार्य हानि हो सकती है।

वृष: आज का दिन आपको आशा से अधिक एवं एक दम विपरीत फल देगा। विशेष कर आज अपनी सोच में निराशा को जगह ना दें। हित शत्रु हानि पहुँचा सकते है सतर्क रहें।

मिथुन: आपका आज का दिन लाभदायक रहेगा। प्रतिस्पर्धियों पर आसानी से विजय पा लेंगे। कार्य व्यवसाय भी पहले से बेहतर चलेंगे। सुख के साधनों की वृद्धि करने पर अधिक ध्यान रहेगा इसपर खर्च भी करेंगे। गृहस्थ सुख सामान्य रहेगा।

कर्क: आज भी दिन आपके अनुकूल रहेगा। सरकार की तरफ से लाभ होने के संकेत है अथवा थोड़े प्रयास के बाद लटके सरकारी कार्यो में सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह: आपका आज का दिन भाग्योदय कारक रहेगा। घर एवं बाहर आशा से अधिक सहयोगी वातावरण मिलने से लगभग सभी कार्य निर्विघ्न पूर्ण होंगे परन्तु उधार सम्बंधित व्यवहारों के कारण थोड़ी चिंता भी रहेगी।

कन्या: आज के दिन सभी कार्यो को आप जी जान से करेंगे परन्तु फिर भी सफलता मिलने में संदेह रहेगा। सरकारी कार्य भी नियमो की पूर्ति ना होने के कारण अधूरे रहेंगे।

तुला: आज दिन के पहले भाग में सभी कार्य निर्विघ्न पूर्ण होंगे। स्वास्थ्य उत्तम् रहेगा।सामाजिक क्षेत्र से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक: आज दिन के पूर्वार्ध में परिस्तिथियां प्रतिकूल रहेंगी। पूर्व निर्धारित कार्य में विलम्ब होने से भाग-दौड़ करनी पड़ेगी। परिजनों से भी बेकार की बहस हो सकती है।

धनु: जान से करेंगे परन्तु फिर भी सफलता मिलने में संदेह रहेगा। सरकारी कार्य भी नियमो की पूर्ति ना होने के कारण अधूरे रहेंगे। आर्थिक लेन-देन सोच समझ कर करें। आहार संतुलित लें।

मकर: आपको आज के दिन थोड़ा सावधानी बरतने की सलाह है चंद्र आपकी राशि से चौथे होने पर किसी गलती के कारण मन में संताप रहेगा। हानि के चलते कार्यो से मजबूरन जी चुरायेंगे।

कुंभ: आपका आज का दिन सामान्य से अधिक शुभ फल देने वाला रहेगा। सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुअवसर मिलेगा फिर भी इससे आर्थिक लाभ की आशा ना रखे सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे।

मीन: आपका आज का दिन मिला-जुला रहेगा। भावुकता अधिक रहने के कारण छोटी-छोटी बातों को दिल पर लेंगे।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) आईसीसी के नए नियम अनुसार अब से कितने सेकंड में अगला ओवर शुरू करना होगा?

2) जेवियर माइली हाल ही में किस देश के राष्ट्रपति बनें है?

3) रूस की सहायता से प्राप्त भारत की पहली परमाणु पनडुब्बी का नाम क्या है?

4) भारतीय रेलवे की वन स्टेशन वन प्रोडक्ट पहल अब कितने स्टेशनों पर चालू है?

5) इंटरनेशनल एमी अवार्ड जीतने वाले पहले भारतीय कौन बने हैं?

उत्तरमाला- (1) अब से नया ओवर 60 सेकंड के अंदर शुरू करना होगा, नहीं तो 5 रन की पेनल्टी लगेगी (2) अर्जेंटीना (3) आई.एन.एस.अरिहंत (4) 1037 (5) वीर दास

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -273

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री आवास योजना के 21 हितग्राहियों को मिला लाभ

भिलाईनगर। केन्द्र सरकार की पीएम आवास योजना के तहत भिलाई नगर निगम के सभागार में आज खुली लाटरी के माध्यम से आवास आबंटन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। लाटरी कार्यक्रम में निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय व सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह उपस्थित रहे। निगम क्षेत्र के निवासरत नागरिकों से नियमानुसार दस्तावेज के साथ आवेदन जमा कराया गया था। सक्षम स्वीकृति के बाद हितग्राहियों से आवास का 10 प्रतिशत अंशदान राशि जमा कराया गया है। कुल 21 हितग्राहियों को खुली लाटरी के माध्यम से आवास आबंटित किया गया। लाटरी प्रक्रिया के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन, किरण चतुर्वेदी, उत्पल शर्मा, आदित्य सिंह, युक्ति देवांगन, जी मोहन राव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा के प्रति जागरूकता हेतु सीएनजी मॉक ड्रिल संपन्न

दुर्ग। परूशी एनर्जी, सेक्टर 7 भिलाई में अडानी टोटल गैस लिमिटेड द्वारा सीएनजी मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य गैस आपूर्ति के दौरान उत्पन्न होने वाली आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी का आकलन करना और कर्मचारियों को सुरक्षा व सतर्कता के प्रति जागरूक करना था। मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन, जिला फायर टीम व अडानी टोटल गैस लिमिटेड के अधिकारियों ने भाग लिया। अभ्यास के दौरान वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप आपात स्थिति का प्रदर्शन किया गया, जिसमें संबंधित टीमों द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। अडानी टोटल गैस लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि मॉक ड्रिल्स समय-समय पर आयोजित की जाती हैं, जिससे किसी भी आकस्मिक स्थिति में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। शीघ्र ही जिले में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वर्तमान में जिले के प्रमुख नगर क्षेत्रों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है और आगामी चरण में यह सुविधा पाइपलाइन के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाई जाएगी।

बकाया एरियर, ग्रेच्युटी, बोनस, एनजेसीएस को लेकर सड़क पर उतरे बीएसपी कर्मी

भिलाई/नवप्रदेश। स्टील वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर सीटू भिलाई सहित देश के सभी इस्पात उद्योगों में सीटू से सम्बंधित यूनियनों ने प्रदर्शन किया। प्रबंधन को मांग पत्र सौंपकर जल्द से जल्द एनजेसीएस की बैठक बुलाकर वेतन समझौता की मांग पूरा करने कहा गया। सेंट्रल लेबर कमिश्नर के निर्देश पर प्रबंधन ने खानापूर्ति करने एनजेसीएस की सब कमेटी की बैठक बुलाई है। अफोर्डेबिलिटी क्लाज के कारण एरियर्स नहीं दे सकते हैं। प्रबंधन के अनुसार अब कोई भी मांग लंबित नहीं है। सीटू ने दो टूक कहा है कि सभी विषयों पर बात करने के लिए एनजेसीएस की बैठक बुलाने की मांग की है। इन विषयों पर सब कमेटी में चर्चा कर निर्धारण करना संभव नहीं है।

सीटू महासचिव जगन्नाथ प्रसाद त्रिवेदी ने बताया कि बैठक के दौरान प्रबंधन ने कहा था कि एरियर्स के मुद्दे पर कोर्ट में किसी यूनियन ने केस किया है, इसीलिए एरियर्स पर बात नहीं हो सकती है। यूनियन ने तर्क रखते हुए जवाब दिया तो कहने लगे कि एमओयू में एरियर्स के बारे में कुछ भी नहीं लिखा गया है। ये भी कहा गया कि मंत्रालय एरियर्स के लिए मंजूरी नहीं दे रहा है। सीटू ने मंत्रालय से मंजूरी के लिए भेजे गए

नोट की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की।

प्रबंधन ने उस नोट की कॉपी देने से इनकार कर दिया। सीटू का स्पष्ट कहना है कि एमओयू पर हस्ताक्षर उन्होंने नहीं किए हैं। एक बार एरियर्स छोड़ने पर प्रबंधन आने वाले समझौते में भी एरियर्स देने से इंकार कर देगा। यह ठीक नहीं है। इन मुद्दों को लेकर भिलाई के बोरिया गेट में सुबह 8 से 9 बजे तक प्रदर्शन किया गया और निदेशक प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में एनजेसीएस की बैठक बुलाकर वेतन समझौता को पूरा करने की मांग की गई है। मजदूरों पर थोपे जा रहे नई श्रम शक्ति नीति 2025 को वापस लेने के लिए उचित कदम उठाने की मांग भी की गई है।

सीटू ने मांग पत्र में कहा है कि 1 जनवरी 2017 से प्रभावी वेतन समझौते के सभी लंबित मुद्दों का तत्काल निराकरण किया जाए। बोनस फार्मूला को रद्द करते हुए द्विपक्षीय वार्ता बुला कर एसएपीएलआईएस/बोनस फार्मूला का पुनर्निर्धारण किया जाए। ग्रेच्युटी सीमित करने संबंधित एकतरफा आदेश को निरस्त कर ग्रेच्युटी पर थोपे गए सीमा (सीलिंग) को हटाया जाए। इंसेंटिव स्कीम पुनर्निर्धारण किया जाए। स्थायी कर्मचारियों के साथ ठेका कर्मचारियों का वेतन समझौता भी किया जाए और एस-1 ग्रेड का वेतनमान दिया जाए। ठेका कर्मियों के ईएसआई की सीमा 21,000 से बढ़ाकर 30,000 किया जाए। ठेका कर्मियों को 20 प्रतिशत बोनस देना सुनिश्चित किया जाए। आरआईएनएल के कर्मियों के लिए भी वेतन पुनर्निर्धारण बिना किसी शर्त के लागू किया जाए और उन्हें तत्काल एरियर्स दिया जाए। ज्ञापन में सभी कर्मियों को 2022 से एक अतिरिक्त इंक्रीमेंट देने, नई श्रम शक्ति नीति 2025 वापस लेने की मांग शामिल है।

क्लास में पढ़ाना छोड़कर स्टाफ रूम में बैठे मिले प्रधानपाठक और शिक्षक

बिना सूचना स्कूल से अनुपस्थित होने की शिकायतें भी मिली

डीईओ ने कई स्कूलों में शिक्षकों की सराहना भी की

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा ने आज शासकीय प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक विद्यालय नेवई, उतई, आदर्श नगर उतई, बोरीगारका, बोरीडीह, मातरोडीह, कातरो, रिसामा, अंडा और शासकीय हाई/हायर सेकंडरी विद्यालय उतई, कातरो, अंडा, मेडेसरा, ननकट्ठी का आकस्मिक निरीक्षण किया। प्राथमिक शाला उतई में प्रधानपाठक और सभी शिक्षक प्रार्थना स्थल पर सभी विद्यार्थियों को 22 तक पहाड़ा का अभ्यास कराते मिले।

पहाड़ा का अभ्यास कराते देखकर डीईओ ने प्रधानपाठक दीप्ति रानी खोबरागड़े सहित सभी शिक्षकों और कक्षा चौथी की हंसिका, मानवी और आर्यन को शाबाशी देते हुए उनकी प्रशंसा की। आदर्शनगर उतई के

प्राथमिक शाला उतई में कक्षा खाली देखकर स्टाफ रूम में बैठे प्रधान पाठक सहित सभी शिक्षकों के प्रति नाराजगी जताते हुए कक्षा खाली न छोड़ने सख्त हिदायत दी।

शासकीय प्राथमिक शाला बोरीगारका में शिक्षक प्रहलाद सिन्हा बच्चों के साथ मेट पर बैठकर अभ्यास करा रहे थे। डीईओ ने उनके प्रयासों की प्रशंसा की। प्राथमिक शाला मातरोडीह में दो कार्यरत शिक्षकों में से एक शिक्षक की ड्यूटी निर्वाचन में लगी है। वहां प्रधान पाठक रेखराम कोठारी कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों को पढ़ाते मिले। कक्षा तीसरी के सभी बच्चो को धारा प्रवाह हिंदी वाचन, 15 तक पहाड़ा और बारह खड़ी में अभ्यस्त होते देखकर डीईओ ने शिक्षक की पीठ थपथपाई और सभी बच्चों से ताली बजा उनका स्वागत किया।

डीईओ ने बताया कि एक शिक्षक होने के बावजूद रेखराम कोठारी का प्रयास सभी शिक्षकों के लिए भी प्रेरणास्पद है जो शिक्षक की कमी का बहाना बनाते हैं। कातरो में बच्चों का स्तर कक्षा स्तरीय नहीं था। प्राथमिक शाला रिसामा में प्रधान पाठक नरेश ठाकुर बिना सूचना अनुपस्थिति पर डीईओ ने तत्काल कार्यवाही प्रस्तावित करने निर्देशित किया।

शासकीय हाई/हायर सेकेण्डरी विद्यालय उतई, कातरो, मेडेसरा, ननकट्ठी में बोर्ड परीक्षाओं के लिये डीईओ कार्यालय से भेजे गए प्रश्न बैंक, 5 वर्षो के बोर्ड के प्रश्न पत्रों को हल कराने, उन प्रश्नों के आधार पर टेस्ट परीक्षा आयोजित करने, मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को विद्यार्थियों को देकर हुई त्रुटियों को सुधरवाने सहित प्रायोगिक परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए। डीईओ ने चिन्हांकित कमजोर बच्चों को सीमित पाठ्यक्रम से बोर्ड की तैयारी कराए जाने के निर्देश भी दिए।

अब तक 268901.52 मे. टन धान की हुई खरीदी

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में धान खरीदी में तेजी आ गई है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार के निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। जिसके तहत अब दिन-रात मोबाईल एप तुंहर टोकन के माध्यम से किसानों को धान बेचने के लिए टोकन मिलने लगा है। किसानों के लिए यह बड़ी सुविधा है कि उनके लिए तुंहर टोकन एप अब 24 घंटे उपलब्ध है। अब मोबाईल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नही है। सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 63,749.45 लाख रुपए की लागत से 2,68,901.52 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 50718 किसान लाभान्वित हुए हैं। उपार्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगा है।

इससे अब दूसरे किसानों को धान बेचने का अवसर मिला है। उठाव हेतु 88,936.60 मे. टन धान का डीओ/टीओ जारी हुआ है। अब तक उपार्जन केन्द्रों से 65,765.60 मे. टन धान का उठाव किया जा चुका है। सरकार की इस पारदर्शी व्यवस्था में किसान भी सहभागी बनते हुए धान बेचने के बाद रकबा समर्पण करने आगे आ रहे हैं। जिससे बिचौलियों को अपनी धान खपाने का अवसर नहीं मिला है।

गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी ने ब्लड डोनेट कर दिया रक्तदान महादान का संदेश

4 जनवरी को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

दुर्ग/नवप्रदेश। आगामी 4 जनवरी को चार साहिबज़ादों की शहादत को समर्पित दुर्ग गुरुद्वारा परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। श्री गुरु सिंघ सभा दुर्ग, हम चाकर गोबिंद के, स्त्री सत्संग सभा द्वारा शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में लोगों को रक्तदान करने प्रेरित करते हुए गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा दुर्ग के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी कुलदीप सिंघ गर्ज़, आदित्य प्रताप सिंघ (रागी सिंग), कुलदीप सिंघ रागी सिंग), जसप्रीत सिंघ, मोनिंदर सिंघ ने दुर्ग जिला हॉस्पिटल ब्लड बैंक में ब्लड डोनेट कर शिविर का

पहला डोनेशन किया। उन्होंने सन्देश दिया कि अधिक से अधिक लोग शिविर में रक्तदान करें। सिक्ख समाज की ओर से मोहिंदर पाल सिंह भाटिया, गुरुदर्शन सिंह लाम्बा, अरविंदर सिंह खुराना, अमरजीत सिंह, सतबीर सिंह भाटिया, सिकंदर सिंह सेखों ने अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान कर शिविर को सफल करने की अपील की। श्री गुरु सिंघ सभा दुर्ग के प्रधान मोहिंदर पाल सिंह भाटिया ने कहा चार साहिबज़ादों की शहादत को समर्पित रक्तदान शिविर में नवदृष्टि फ़ाउंडेशन के सदस्य सहयोग कर रहे हैं।

शिविर में सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में रक्तदान करेंगे। सिख समाज के आलावा अन्य समाज के लोग भी रक्तदान हेतु रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। स्त्री सत्संग सभा की प्रधान सतनाम कौर ने कहा शिविर में हम महिलाओं को रक्तदान हेतु प्रेरित कर रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान करने की अपील कर रहे हैं।

गुरदीप सिंह, सिंगारा सिंह सोढ़ी, रेशम सिंह, मनमीत सिंह ने कहा दुर्ग ट्रक मालिक संघ के सदस्य शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। नवदृष्टि फ़ाउंडेशन के सदस्य हरमनमीत सिंग टुलई, मोनिंदर सिंघ और कुलवंत भाटिया ने कहा कि रक्तदान शिविर के लिए रक्तदानियों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है रक्तदान हेतु इच्छुक लोग गुरुद्वारा ऑफिस या नव दृष्टि फ़ाउंडेशन के सदस्यों से मार्गदर्शन ले सकते हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए 31 तक दावा आपत्ति

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग ग्रामीण जिला दुर्ग के तहत 3 आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था, जिसके लिए 31 दिसम्बर 2025 तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। दावा आपत्ति हेतु प्राप्त आवेदनों की अनन्तिम सूची परियोजना कार्यालय एवं जनपद पंचायत दुर्ग जिला दुर्ग के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु चस्पा की गई है। कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग ग्रामीण में कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत दावा आपत्ति ही मान्य किया जाएगा।

पद्मविभूषण येसुदास को समर्पित संगीतमय संध्या में गूंजी कालजयी गीत

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा प्रसिद्ध गायक पद्मविभूषण केजे येसुदास को समर्पित येसुदास नाईट संगीत संध्या का आयोजन 27 दिसंबर को महात्मा गांधी कला मंदिर में किया गया। कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के विख्यात गायक पीटी उल्लास कुमार ने भावपूर्ण आवाज़ में येसुदास के अमर गीतों को प्रस्तुत किया। विशेष संगीतमय संध्या में शास्त्रीय गायकी, भाव और संगीत साधना का अनुपम संगम देखने को मिला। पीटी उल्लास कुमार की प्रस्तुतियों को उपस्थित संगीत प्रेमियों ने खूब सराहा। इस संगीतमय संध्या में संगतकर्ता कलाकारों के रूप में

केएल बालासुब्रमण्यम, साई चक्रवर्ती, रविंद्र कर्मकार, राजेश समुंदरे, आशुतोष लांजेवार, सतेंद्र सोनवानी और देबब्रत मजूमदार ने प्रभावशाली वादन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अंजली शुक्ला तिवारी व गौतमी चक्रवर्ती ने भी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन संदीप माथुर महाप्रबंधक एबी श्रीनिवास अध्यक्ष ऑफिसर्स एसोसिएशन नरेंद्र कुमार बंछोर व परविंदर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। उप महाप्रबंधक क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ राजेन्द्र प्रसाद सहित प्रभंजय चतुर्वेदी, दीपांकर दास व विभागीय अधिकारी-कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कुम्हारी में धूमधाम से मनाई बाबा गुरु घासीदास जयंती

कुम्हारी/नवप्रदेश। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर कुम्हारी में बाबा गुरु घासीदास की 269 वीं जयंती और महान गणितज्ञ रामानुजन की 138 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कुम्हारी की अध्यक्ष मीना वर्मा थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मोहन आनंद ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व बाबा घासीदास के पूजन व आरती के साथ हुआ। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कक्षा 11 वीं की छात्राओं ने गणेश वंदना पर उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुत किया। माँ सरस्वती की वंदना की गई। कक्षा छठवीं की छात्राओं ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

बाबा घासीदास के सम्मान में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत 'पंथी नृत्य' कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुगंधा अभिजीत जोग (आचार्या) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अश्वनी कुर्रे ने बाबा गुरु घासीदास के जीवन और उनके 'सत्य' के मार्ग पर चलने के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। पार्षद एवं जल प्रभारी अश्वनी देशलहरे ने बाबा के समानता और सत्यता के सिद्धांतों के बारे में विस्तार से बताया।

विद्युत लाइन के टॉवर निर्माण से प्रभावित किसानों ने विधायक ललित को बताई समस्या

विधायक ने किसानों को उचित मुआवजा व सूचना देकर कार्य प्रारंभ करने कहा

भिलाई/नवप्रदेश। बोरी-लिटिया क्षेत्र के किसानों ने 132/33 केवी लाइन टॉवर बेस निर्माण से प्रभावित किसानों ने आज दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर से मुलाकात की और समस्याओं की जानकारी दी। किसानों ने बताया कि उपकेंद्र रसमड़ा से उपकेंद्र सेमरिया (लिटिया) तक 132/33 केवी विद्युत पारेषण लाइन का निर्माण कार्य किया जा

रहा है, जिसमें उनकी निजी भूमि में बिना सूचना, बिना सहमति, मुआवजा निर्धारण किये बिना कार्य किया जा रहा है। निजी भूमि में बिना किसी पूर्व सूचना, लिखित नोटिस सहमति और बिना राजस्व विभाग द्वारा मुआवजा निर्धारण किए ही टावर बेस का निर्माण प्रारंभ किया जाना उनके लिये चिंताजनक है। विधायक ललित चंद्राकर ने किसानों की समस्या सुनने के बाद कलेक्टर अभिजीत सिंह, धमधा एसडीएम सोनाल डेविड, दुर्ग एसडीएम हरवंश मिरी से फोन पर चर्चा की। किसानों की समस्याओं से अवगत कराते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को जानकारी देकर निर्माण कार्य करें। प्रभावित किसानों को तत्काल उचित मुआवजा देने कहा। चंद्राकर ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करने में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की समस्याओं का समाधान तत्काल किया जाए। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा।

विधायक निवास में चर्चा के दौरान प्रभावित किसान उत्तम चंद्राकर, नंदकुमार यादव, परमानंद, केशव देशमुख, देवेंद्र साहू, इंद्रजीत साहू, भुवन लाल साहू, विमल साहू, गोवर्धन देशमुख, तोरण लाल साहू, गौकरण, छगन लाल यादव, बलराम साहू, प्रदीप साहू, डेलू राम साहू, कुलेश्वर देशमुख, भैयालाल साहू, मनहरण सिंह, दुलरवा राम धनकर उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस में विभागीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

भिलाई/नवप्रदेश। सेल बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस में कार्यस्थल सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभागीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी सुरक्षा एसके अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी ब्लास्ट फर्नेस गुज्जू श्रीनिवास, महाप्रबंधक शान्तनु मित्रा, महाप्रबंधक एन मधु, महाप्रबंधक एके पासवान और महाप्रबंधक आर प्रवीण सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह का संचालन विभागीय सुरक्षा अधिकारी अभिषेक सिंह ने किया।

सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी लौह तापस दासगुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। तापस दासगुप्ता ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र में उत्पादकता के साथ-साथ सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कार्यस्थल पर संभावित खतरों और जोखिमों के आकलन और उनसे बचाव के लिए ऑडियो-विजुअल माध्यमों को प्रभावी साधन बताते हुए कहा कि इनके माध्यम से प्रथम पंक्ति के कर्मियों तक भी सुरक्षा संदेश सरलता से पहुँचाया जा सकता है। उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षा साधनों व उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने का आह्वान किया।

सुरक्षा सप्ताह के प्रथम दिन सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व महिला कर्मचारियों हेतु विशेष सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। महिला सुरक्षा सत्र की अध्यक्षता चिकित्सक चिकित्सा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र एनओएचएसी डॉ उषा ने की। इस अवसर पर सुरक्षा अधिकारी आईडी फ्लिमिना इक्का एनओएचएससी से वासला और इंद्रजीत और उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के संचालन में लक्ष्मी देवांगन और विभाग की महिला टीम का विशेष योगदान रहा। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को कार्यस्थल सुरक्षा, स्वास्थ्य संरक्षण व आपदा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं।

सुरक्षा सप्ताह के दूसरे दिन तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता महाप्रबंधक यांत्रिकी ब्लास्ट फर्नेस एसके दुकानिया ने की। निर्णायक के रूप में विभागीय सुरक्षा अधिकारी रेल मिल सुनील शुक्ला उपस्थित रहे। टूल बॉक्स टॉक प्रतियोगिता में कुल 15 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता सहायक महाप्रबंधक यांत्रिकी ब्लास्ट फर्नेस समीर डोंगरे ने की और निर्णायक की भूमिका विभागीय सुरक्षा अधिकारी वॉटर मैनेजमेंट विभाग निमेष गुप्ता ने निभाई।

सुरक्षा सप्ताह के तीसरे दिन सुरक्षा पोस्टर प्रतियोगिता में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक की भूमिका महाप्रबंधक व विभागीय सुरक्षा अधिकारी एसएमएस-3 पुष्पा एक्का और सुरक्षा अधिकारी सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग अनुराग पाठक ने निभाई।

निगम आयुक्त ने नेहरू नगर जोन के विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

भिलाई नगर/नवप्रदेश। नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय ने आज जोन-1 नेहरू नगर के विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सड़क सीमेंटीकरण, सड़क डामरीकरण, तालाब, उद्यान और खेल मैदानों का जायजा लिया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वार्ड क्रमांक 6, संजय नगर में स्थानीय नागरिकों द्वारा सड़क डामरीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। संजय नगर तालाब का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने तालाब के चारों ओर लगे पेवर ब्लॉक के उखड़ने के कारण इसे व्यवस्थित कराने और क्षतिग्रस्त

हिस्सों की मरम्मत के निर्देश दिए। तालाब के बीच बने चबूतरे का संधारण कर बेहतर स्वरूप देने कहा।

आयुक्त ने गुलमोहर उद्यान का निरीक्षण करते हुए उद्यान परिसर में निर्मित भवन के पास शेड निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने और उद्यान के भीतर नियमित साफसफाई कराने के निर्देश दिये। बैडमिंटन कोर्ट के निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से चैन लिंक फैंसिंग को व्यवस्थित और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त के साथ जोन आयुक्त अजय राजपूत, फ्त्तेलाल साहू सहायक अभियंता, बसंत साहू व रीमा जामुलकर उप अभियंता, सुनील जोशी सहायक राजस्व अधिकारी व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्व. अटल जी का जीवन हमें सिखाता है कि राजनीति सत्ता का नहीं, साधना का मार्ग है : भावना

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल जी का व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए पथ-प्रदर्शक है : बोहरा

कवर्धा/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती के अवसर पर अटल स्मृति सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज पंडरिया विधानसभा अंतर्गत यज्ञ स्थल, कुण्डा में विधानसभा स्तरीय अटल समिति सम्मलेन का आयोजन किया गया। आयोजन में राजनांदगांव सांसद श्री संतोष पाण्डेय, विधायक भावना बोहरा, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी जी, कबीरधाम जिला संगठन प्रभारी श्री महेश वर्मा जी ने स्व.अटल जी के छायाचित्र में पुष्पांजलि अर्पित कर सम्मलेन का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय जी ने संबोधित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने न केवल भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, बल्कि विदेश मंत्री और संसद की विभिन्न महत्वपूर्ण स्थायी समितियों के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विपक्ष के एक सक्रिय नेता भी रहे। छत्तीसगढ़वासियों की आकाँक्षाओं को उन्होंने पूरा करते हुए इसे अलग राज्य बनाया और आज हमारा प्रदेश निरंतर विकास पथ पर अग्रसर हो रहा है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वे केवल एक सफल राजनेता ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील कवि, प्रखर वक्ता, दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्र को दिशा देने वाले महान चिंतक थे। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी तीन बार भारत के प्रधानमंत्री रहे। उनका नेतृत्व संयम, संवाद और समन्वय का प्रतीक था। चाहे 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण का साहसिक निर्णय हो या लाहौर बस यात्रा के माध्यम से शांति का संदेश उन्होंने हर अवसर पर भारत की प्रतिष्ठा को विश्व मंच पर सशक्त किया। उनके शासनकाल में स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी अनेक ऐतिहासिक पहलें शुरू हुईं, जिन्होंने देश के बुनियादी ढांचे को नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि अटल जी की जन्म-जयंती हम सभी के लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का विशेष अवसर है। उनका आचरण, शालीनता, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने जीवन से सिद्ध किया कि श्रेष्ठता पद से नहीं, आचरण से स्थापित होती है और वही समाज को दिशा देती है। आज माननीय प्रधामंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश उन्हीं अटल संकल्पों को लेकर आगे बढ़ रहा है। आज कश्मीर में भारत का तिरंगा शान से फहराया जा रहा है, करोड़ों रामभक्तों की आस्था श्रीराम जन्मभूमि में मंदिर का भव्य निर्माण उन्हीं अटल संकल्पों का प्रतीक है। वैश्विक महाशक्ति की ओर आगे बढ़ता नया भारत अटल जी की दूरदर्शिता का परिणाम है। आज प्रधानमंत्री जी अटल जी के सपनों के भारत का निर्माण करने के लिए दिन-रात परिश्रम कर रहें हैं।

हमने बनाया, हम ही संवारेंगे नारा नहीं संकल्प

भावना बोहरा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ का निर्माण केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं था, यह आस्था, पहचान और अधिकार का सम्मान था। अटल जी ने समझा कि यह भूमि अपनी संस्कृति, अपने संसाधन और अपने विकास की दिशा स्वयं तय करना चाहती है। हमने बनाया है हम ही संवारेंगे, यह एक नार नहीं बल्कि एक संकल्प हैं जिस छत्तीसगढ़ को अटल जी ने बनाया उसे संवारने का। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह जी के नेतृत्व में हमारे छत्तीसगढ़ ने 15वर्षों में विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किये। बीमारू राज्य कहलाने वाले छत्तीसगढ़ को डॉ.रमन सिंह जी ने अपनी कुशल नीतियों से विकासशील और सशक्त राज्य के रूप में स्थापित किया, और वर्तमान में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में हमारा छत्तीसगढ़ नई उम्मीदों, आत्मविश्वास और उर्जा के साथ विकास पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। महिला, किसान, युवा हर समाज को आज आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है।छत्तीसगढ़ की यह विकास यात्रा अटल जी के सपनों को साकार करने की हमारी प्रतिबद्धता है।

डिप्टी सीएम शर्मा ने 5.74 करोड़ रुपये के सड़क निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

कवर्धा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात

कवर्धा/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के वनांचल और ग्रामीण क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए 5 करोड़ 74 लाख 87 हजार रुपये की लागत से तीन महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इन सड़क निर्माण कार्यों से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ विकास को भी नई गति मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सर्वप्रथम मेन रोड से ग्राम कटगो तक 6.81 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क का निर्माण 3 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।

सड़क के निर्माण से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से निजात मिलेगी और ग्रामीणों का मुख्य मार्ग से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मेन रोड से खिरसाली तक 4 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया, जिसकी लागत 1 करोड़ 36 लाख 50 हजार रुपये है। वहीं मेन रोड से लाटा तक 2.80 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन किया गया जिसकी लागत 1 करोड़ 02 लाख 90 हजार है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम कटगो के ग्रामवासियों को इस बड़ी सौगात के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ग्रामीण विकास को लेकर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि ग्राम कटगो में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कुल 263 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनका निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि गांवों में अधोसंरचनात्मक विकास को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों को यह भी जानकारी दी कि आगामी नववर्ष के अवसर पर 01 जनवरी को भोरमदेव कॉरिडोर का भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और कवर्धा जिले को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी ग्रामवासियों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य श्री लोकचंद साहू, श्री राम किंकर वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

धान समिति में टोकन नहीं कटने से किसान परेशान कलेक्टर से की शिकायत आंदोलन की चेतावनी !

कोरिया /नवप्रदेश । कोरिया जिला प्रशासन एक और बेहतर खरीदी व किसानों को समस्या नही होने का दावा कर रहा किन्तु हकीकत कुछ और ही हैं कई किसानों ने अब तक एक बार भी धान नही बेच पाए वही अब किसान कलेक्टर कार्यालय पहुँच समस्या का समाधान नही होने पर आंदोलन की बात भी कह रहे जिससे बेहतर खरीदी व किसानों को समस्या नही होने के दावे को लेकर सवाल उठना लाजमी हैं ।

मिली जानकारी अनुसार कोरिया जिले के अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सलबा से जुड़े पंजीकृत किसान इन दिनों गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि धान विक्रय के लिए विधिवत पंजीयन होने के बावजूद समिति द्वारा धान बिक्री का टोकन जारी नहीं किया जा रहा है। टोकन नहीं मिलने के कारण किसान समर्थन मूल्य पर अपना उपज धान बेचने से वंचित हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।वही कई किसानों को दुबारा टोकन मिल जा रहा किसी को एक बार भी नही जिससे किसानों की चिंता और भी बढ़ गई हैं । कलेक्टर कार्यालय पहुँचे किसानों का कहना है कि धान खरीदी सीजन अपने अंतिम चरण में है, लेकिन अब तक उन्हें टोकन नहीं मिला। कई किसानों ने समिति के चक्कर लगाए, परंतु हर बार सिर्फ आश्वासन ही दिया गया। किसानों का आरोप है कि शासन स्तर से टोकन लिमिट न बढ़ने व समिति प्रबंधन की लापरवाही और उदासीन रवैये के चलते उनकी मेहनत की कमाई अटक गई है।स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब अधिकांश किसानों ने खेती के लिए केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) के तहत ऋण लिया हुआ है। धान बिक्री नहीं हो पाने के कारण वे समय पर ऋण की अदायगी नहीं कर पा रहे हैं। इससे न सिर्फ ब्याज का बोझ बढ़ रहा है, बल्कि किसानों को डिफॉल्टर घोषित किए जाने का भी डर सता रहा है।

किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही टोकन जारी नहीं किया गया तो वे मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर समिति को निर्देश दिए जाएं, ताकि सभी पंजीकृत किसानों का टोकन काटकर धान खरीदी सुनिश्चित की जा सके।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि सरकार एक ओर किसानों की आय बढ़ाने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की खामियां किसानों की कमर तोड़ रही हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन किसानों की इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और उन्हें कब राहत मिलती है।

भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर का 1 जनवरी को होने जा रहा भव्य भूमिपूजन

कवर्धा/नवप्रदेश। 01 जनवरी को छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास को नई दिशा देने वाले भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर का भूमिपूजन होने जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल से लगभग 146 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस परियोजना का भूमिपूजन केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के करकमलों से संपन्न होगा। आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भोरमदेव मंदिर परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मुख्य मंच व बैठक व्यवस्था, जनसमुदाय के बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, पार्किंग, पेयजल सहित आयोजन से संबंधित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, सभापति डॉ वीरेंद्र साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा, एएसपी पुष्पेंद्र सिंह बघेल, एडीएम विनय पोयाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

भोरमदेव मंदिर परिसर अपनी प्राचीन स्थापत्य कला और धार्मिक आस्था के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटन कॉरिडोर के निर्माण से यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति मिलेगी। भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत सड़क, पार्किंग, व्यू प्वाइंट, पर्यटक सुविधा केंद्र, सौंदर्यीकरण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाए। भोरमदेव कॉरिडोर इसी सोच का परिणाम है, जो आने वाले वर्षों में क्षेत्र की पहचान को और मजबूत करेगा। भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर का भूमिपूजन न केवल नए साल की शुरुआत को खास बनाएगा, बल्कि छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर एक नई उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा। यह परियोजना राज्य के ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

कृषक हितैषी नीतियों ने किसानों की चेहरे पर बिखेरी मुस्कान

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले में धान खरीदी केंद्रों पर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं से किसान अब बिना किसी परेशानी से अपना धान विक्रय कर पा रहे हैं। खरीदी केंद्रों में माइक्रो एटीएम, बारदाना, बैठने की व्यवस्था, पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसानों को भारी राहत मिल रही है और खरीदी प्रक्रिया सहज एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो रही है। इसी सुव्यवस्थित व्यवस्था का लाभ कबीरधाम जिले के ग्राम खड़ौदा खुर्द के निवासी राजकुमार साहू, को मिला है। श्री साहू के पास लगभग 20 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे धान एवं गन्ने की खेती करते हैं।

उन्होंने बताया कि पंजीयन धान खरीदी केंद्र जेडवन कला एवं रबेली में है। अब तक उन्होंने धान खरीदी केंद्र जेडवन सोनबरसा में 41.60 क्विंटल धान का बेक चुके है। जिसकी राशि शीघ्रता से सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो गई। श्री साहू ने बताया कि शासन द्वारा धान का 3100 रूपए प्रति क्विंटल कीमत पर की जा रही है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जब से धान खरीदी व्यवस्था को व्यवस्थित, पारदर्शी और किसान-हितैषी बनाया गया है, तब से किसानों को वास्तविक राहत मिली है। धान के बढ़े हुए मूल्य से अब न केवल आवश्यकताएँ पूरी हो रही हैं, बल्कि भविष्य की योजनाएँ भी साकार हो रही हैं। राजकुमार साहू ने बताया कि अब वे अपने बच्चों को प्राइवेट इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ा पा रहे हैं। साथ ही, घर के लिए कार खरीदने, तथा गांव में अपने मकान को पक्का एवं सर्वसुविधायुक्त बनाने की दिशा में भी सक्षम हो गए हैं। उन्होंने इस बेहतर व्यवस्था के लिए छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब धान की खेती वास्तव में लाभ का सौदा बन गई है।

खेल में मैदान के अंदर प्रतिद्वंदी रहे मैदान के बाहर मित्र, हर हार, जीत की प्रेरणा भी देती है: सौरभ

बालोद/नवप्रदेश। युवाओं को मनोरंजन हेतु एवं युवाओं के बीच खेल और आपसी मेलभाव को प्रमुख रखते हुए बालोद ब्लाक के ग्राम खपरी (लाटाबोड़) में स्वर्गीय वरुण चंदेल की स्मृति में पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया । इस आयोजन में आसपास के अंचलो से 16 टीमो ने भाग लिया। जिसमें मुजगहन के खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं द्वितीय स्थान पर ग्राम पेंड्री की टीम रही। तृतीय स्थान पर ग्राम धौराभाटा रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजयुमो नेता सौरभ जैन और विशेष अतिथि के रूप में सरपंच टकेशवर कुंजाम रहे। इस अवसर पर मुख्यतिथि सौरभ जैन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि खेल हमेशा हार जीत का होता है। एक टीम जीत जाती है दूसरी हार जाती है। पर हारी हुई टीम को इस हार से सर्वेष्ठ करने की प्रेरणा भी मिलती है। खेल के साथ साथ हमे एक बात और सीखने मिलती है कि हम टीम भावना और अनुशासन के साथ खेले और भाईचारा निभाये। हम मैदान के अंदर एक दूसरे के प्रतिद्वंदी रहे पर मैदान के बाहर मित्रवत व्यवहार रखे। सरपंच टकेश्वर कुंजाम ने सभी खिलाड़ियों और आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए आगामी सालो में और बेहतरीन प्रतियोगिता कराने हर सम्भव मदद की बात कही। समापन अवसर पर ग्राम खपरी के आशुतोष कौशिक उपसरपंच टोमन कुंजाम, उकचंद निर्मलकर, मोहित नेताम , आयोजक समिति के वरिष्ठ संजय जांगड़े, छन्नू मार्कण्डेय, तरुण टंडन और समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

प्रथम पेज का शेष

केंद्र ने 79,000 करोड़ ...

लड़ाकू विमानों की दुश्मन को लंबी दूरी से नष्ट करने की क्षमता बढ़ेगी।

SPICE-1000 गाइडेंस किटः यह किट भारतीय वायुसेना की लंबी दूरी की सटीक मारक क्षमता को और मजबूत करेगी।

पुल मिशन सिमुलेटरः एलसीए तेजस के लिए सिमुलेटर पायलटों के प्रशिक्षण को अधिक किफायती, सुरक्षित और प्रभावी बनाएंगे।

प्रदेश में ईडी की बड़ी...

अलग-अलग टीमों ने तड़के सुबह एक साथ छापेमार कार्रवाई को अंजाम दिया है. फिलाहाल ईडी अधिकारी मौके पर कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों और डिजिटल अपकरणों की जांच कर रहे हैं।

भारतमाला परियोजना के तहत विशाखापट्टनम रायपुर तक बन रही कॉरिडोर में एसडीएम निर्भय साहू और अन्य राजस्व विभाग के अधिकारियों ने भूमाफियों को कई गुना ज्यादा मुआवजा राशि दिलवाया है। इससे सरकार को 600 करोड़ की हानि हुई है। मामला संज्ञान में आने पर मार्च में तत्कालीन एसडीएम निर्भय कुमार साहू, दो तहसीलदार और तीन पटवारी को निलंबित कर दिया गया था।

पीएम मोदी अर्थशास्त्रियों ...

इस संवाद के माध्यम से विकास दर को गति देने, राजकोषीय समेकन और रोजगार सृजन के लिए विशेषज्ञों से व्यावहारिक सुझाव मांगेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती और निर्यात व विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई की भूमिका बढ़ाना रह सकता है। इसके अलावे ग्रामीण मांग में सुधार और कृषि मूल्य श्रृंखला के आधुनिकीकरण पर भी चर्चा हो सकती है। चर्चा के दौरान पूंजीगत व्यय के जरिए दीर्घकालिक विकास की नींव रखने पर भी बातचीत हो सकती है।

कर्नल सोफिया और विंग ...

के लिए ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की तो इसमें महिलाओं को अग्रणी भूमिका में रखा गया।

सैन्य कार्रवाई से इतर भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व किया। दोनों ने भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई को दुनिया के सामने पेश किया। कुरैशी पहली भारतीय महिला अधिकारी हैं, जिन्होंने बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में सेना का नेतृत्व किया है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भी सेवा की है। वहीं, व्योमिका सिंह उन चुनिंदा महिलाओं में शामिल हैं, जो सेना की तीनों टुकड़ियों से ली गई महिलाओं की उस टीम का हिस्सा थी, जिसने 21,650 फीट ऊंचे माउंट मणिरंग को फतह किया था।

6 साल के परिश्रम के...

2009 और 2010 में भी परीक्षा दिया लेकिन सफल नहीं हुए. अब उन्होंने ठान लिया था और 2011 में गैप करने के बाद 2012 की यूपीएससी परीक्षा में 243 रैंक हासिल की. उन्होंने ऑप्शनल सब्जेक्ट में जितेंद्र शुक्ला ने हिंदी साहित्य और भूगोल सब्जेक्ट लिया था. यूपी पीएससी में ट्रेजरी ऑफिसर के पद पर भी जितेंद्र शुक्ला सलेक्ट हुए.

ईडी की अंतिम चालान में ...

अफसरों के पास 5 करोड़ से अधिक की संपत्ति -मिली है।

अफसरों की बहाली अब कोर्ट के फैसले के बाद ही संभव

सस्पेंड किए गए अफसरों को 50त वेतन दिया जाता है. नियमानुसार 90 दिन में चार्जशीट दाखिल नहीं होती है, तो वेतन 75त कर दिया जाता है. लेकिन अब ईडी ने अपनी अंतिम कंप्लेन दाखिल कर दी है, ऐसे में इन अफसरों की बहाली का रास्ता भी बंद हो गया है.

अरावली खनन मामले में ..

हुए कहा कि इस मामले में आगे की सुनवाई 21 जनवरी को होगी।

24 दिसंबर के निर्देश क्या कहते हैं?

बता दें कि इस अत्यंत संवेदनशील मुद्दे पर विगत 24 दिसंबर को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नए निर्देश जारी किए थे।

पूर्व छात्र सम्मेलन में जुटे 70 पूर्व विद्यार्थी यादों और अनुभवों का हुआ साझा

नगरी/नवप्रदेश। पीएमश्री शासकीय श्रृंगी ऋषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नगरी में श्रृंगी ऋषि 'प्रयास' 1998 बैच द्वारा पूर्व छात्र-छात्राओं का भव्य मिलन समारोह एलुमनाई मीटङ्क2.0 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण स्मृतियों, आत्मीयता और उल्लास से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिहावा विधानसभा की विधायक श्रीमती अंबिका मरकाम तथा विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार प्रजापति ने की। वहीं विशेष अतिथि के रूप में वर्ष 1957-58 बैच के सेवानिवृत्त प्रधान पाठक परसादी राम चंद्रवंशी एवं नगर पंचायत नगरी की वरिष्ठ नागरिक प्रतिमा देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर बालाघाट, हैदराबाद, श्रीनगर, रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, दुर्ग एवं नगरी सहित विभिन्न स्थानों से आए लगभग 70 पूर्व छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान सभी ने अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियों को साझा किया तथा गीत-संगीत एवं खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विशाल हिन्दू सम्मेलन 2025 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन संपन्न

कार्यक्रम संयोजक सामर्थ सिंह ताम्रकार ने जताया आभार

धमधा/नवप्रदेश। धमधा खण्ड में सर्व हिन्दू समाज के तत्वावधान में विशाल हिन्दू सम्मेलन 2025 का आयोजन रविवार, 28 दिसंबर 2025 को श्री त्रिमूर्ति महामाया मंदिर प्रांगण में अत्यंत भव्य, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति का जागरण, हिन्दू समाज का संगठन तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई भव्य मोटरसाइकिल यात्रा से हुई। इसके पश्चात पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। दोपहर 3:30 बजे से संतों एवं मुख्य वक्ताओं के प्रेरणादायक उद्बोधन प्रारंभ हुए। कार्यक्रम का संचालन श्री घनश्याम शर्मा जी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता श्री दुष्यन्त साहू जी (जिला संगठन मंत्री, एबीवीपी) ने अपने उद्बोधन में कहा कि विशाल हिन्दू सम्मेलन समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में बाँधने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक जागरण एवं हिन्दू समाज के संगठन पर बल देते हुए बताया कि विश्व हिन्दू परिषद सहित विभिन्न संगठन राष्ट्र व समाजहित में निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने स्व-परिवर्तन, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे पाँच प्रमुख विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता श्रीमती मानसी गुलाटी जी (मातृ शक्ति, वक्ता ङ्क आरोग्य भारती, प्रांत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ङ्क विश्व हिन्दू परिषद) ने मातृशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे का प्रथम संस्कार माता से ही होता है। उन्होंने विद्या के साथ विनय, वसुधैव कुटुंबकम् की भावना तथा पर्यावरण संरक्षण को सनातन संस्कृति का अभिन्न अंग बताया और विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति पर शोध के लिए प्रेरित किया।

सिहावा वनांचल क्षेत्र पोड़ागांव मड़ई 1

नगरी/नवप्रदेश। सप्त ऋषियों की पावन धरा-धाम सिहावा वनांचल क्षेत्र ,बालका नदी के तट पर बसा ग्राम- पोड़ागांव में माता दंतेश्री देवी व सामपुरहीन शीतला देवी की फूल मड़ाई का आयोजन 1 जनवरी 2026 को समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया गया है , जिसमे क्षेत्र समस्त देवी -देवताओं तथा सगा पहुना व व्यावसायियो को आमंत्रित किया गया है , तथा तैयारियों को लेकर ग्रामवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है ,जिसमे प्रमुख रूप से ग्राम प्रमुख - नत्थे राम सूर्याकर, सखा राम नाग ,टिका राम रावटे, गोकुल नेताम प्रकाश सूर्यवंशी ,देवदत्त सोम राम यादव व ग्राम पटेल ओम प्रकाश नाग है व रात्रि कालीन कार्यक्रम ग्राम परसापानी (नगरी) के द्वारा नाचा गम्मत की प्रस्तुति होगी , जिसकी जानकारी हुलास सिंह सूर्याकर द्वारा दिया गया है ।

देशी प्लेन व व्हिस्की शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। कोतवाली पुलिस ने एक युवक के कब्जे से देशी प्लेन व व्हिस्की शराब जब्त किया है। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद तुमाडबरी रोड आत्मानंद स्कूल के पास आरोपी जेल पारा बेमचा निवासी यश सोनटके (19) से 70 पौवा देशी प्लेन शराब (कीमत 5600 रुपए) और 30 पौवा गोवा स्पेशल व्हिस्की (कीमत 3600 रुपए) बरामद की। आरोपी के कब्जे से एक्टिवा भी जब्त किया गया है। मामले में आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई।

वसीयत को लेकर पिटाई

महासमुंद/नवप्रदेश। वसीयत को लेकर हुए विवाद में पिता और जीजा ने मिलकर जमकर पिटाई कर दी। मामला ग्राम डुडुमचुवा सरायपाली का है। रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ सरायपाली थाने में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को ग्राम डुडुमचुंवा निवासी भुनेश्वर यादव ने बताया कि 26 दिसंबर की शाम करीब 7 बजे घर में सभी बैठे थे। मैंने घर-परिवार में बताया कि बड़ी मां ननकी बाई यादव ने वर्ष 2013 में अपनी जमीन और घर को प्रार्थी के नाम पर वसीयत किया है। तब पिता जगत राम यादव तथा जीजा सुशील कुमार यादव ने तू अकेले कैसे ले लेगा कहते हुए गाली गलौज कर एक राय होकर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट की। जिससे बेहोश हो गया था। होश आने पर डायल 112 के जरिए शासकीय अस्पताल सरायपाली में भर्ती किया गया। मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

महुआ और देशी प्लेन शराब के साथ दो पकड़ाया

महासमुंद/नवप्रदेश। कोमाखान पुलिस ने महुआ शराब की बिक्री कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को 27 दिसंबर को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सुवरमार पहाड़ के नीचे आम पेड़ के पास शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उक्त व्यक्ति को पकड़ा। जिसने पूछताछ में अपना नाम सुवरमार थाना कोमाखान निवासी तजेश्वर टंडन (19) बताया। आरोपी के कब्जे से 30 लीटर महुआ शराब (कीमत 6000 रुपए) व बिक्री रकम 500 रुपए जब्त किया। धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इसी तरह पटेवा पुलिस ने ग्राम बरेकेल में झलप-बागबाहरा सड़क किनारे खेत में बनी झोपड़ी में एक आरोपी के कब्जे से 9 लीटर देशी प्लेन शोले शराब (कीमत 4 हजार रुपए) बरामद किया। मामले में ग्राम नरतोरा निवासी डालेश्वर टंडन (29) के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

मोदी की गारंटी लागू करने काम बंद, कलम बंद आंदोलन शुरू, दफ्तरों में पसरा सन्नाटा

नागरिकों को करना पड़ा परेशानियों का सामना

महासमुंद/नवप्रदेश। कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने प्रांतीय आह्वान पर आज से जिलेभर में तीन दिवसीय काम बंद-कलम बंद आंदोलन शुरू कर दिया है। 'मोदी की गारंटी लागू करो' के नारे के साथ शुरू हुए इस आंदोलन में जिले के प्रथम श्रेणी से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। आंदोलन के पहले ही दिन कलेक्टर कार्यालय सहित अधिकांश शासकीय कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा, जिससे नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

फेडरेशन के जिला संयोजक टेकराम सेन ने बताया कि मोदी की गारंटी के तहत कर्मचारियों-अधिकारियों के लिए कई घोषणाएं की गई थीं, लेकिन आज हालात यह है कि अपने मूलभूत अधिकारों के लिए कर्मचारियों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जुलाई में आंदोलन के प्रथम चरण में जिला मुख्यालयों में ज्ञापन सौंपे गए थे। 22 अगस्त को दूसरे चरण में एक दिवसीय धरना दिया गया। अब तीसरे और निर्णायक चरण में तीन दिवसीय काम बंद-कलम बंद आंदोलन किया जा रहा है। यह आंदोलन जिला मुख्यालय के लोहिया चौक सहित सभी ब्लॉकों में आयोजित किया जा रहा है। इसमें आईपीएस, आईएएस और आईएफ्एस को छोड़कर सभी वर्गों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। जिले के 40 कर्मचारी संगठनों ने इस आंदोलन को समर्थन दिया है। टेकराम सेन ने कहा कि शासन लगातार वादाखिलाफी की जा रही है, जिसके खिलाफ यह आंदोलन एक निर्णायक संघर्ष है। यदि मांगें पूरी नहीं की गईं, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में प्रमोद तिवारी, उमेश भारती गोस्वामी, अशोक गिरि गोस्वामी, डॉ. रामकुमार चंद्राकर, कमलेश ध्रुव, एसपी ध्रुव, शिवकुमार साहू, अरुण कुमार प्रधान, मनीष ठाकुर, सिराज बक्श, राकेश थवाईत, दीपक तिवारी, ओमनारायण शर्मा, ईश्वर चंद्राकर, राजेश शर्मा, कमल यादव, उमेश साहू, मिलाप यादव, संदीप तिवारी, रामनारायण चंद्राकर, चिन्ताराम साहू, अविनाश लाल, हेमेन्द्र आचार्य, विष्णु यादव, दिनेश प्रधान सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी नेता मौजूद रहे।

सरकारी दफ्तरों में कुर्सियां खाली

आंदोलन के चलते जिले के लगभग सभी विभागों में कुर्सियां खाली नजर आईं। दूर-दराज से आए नागरिक अपने जरूरी कार्यों के लिए कार्यालयों तक तो पहुंचे, लेकिन कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। इससे शासन-प्रशासन के कामकाज पूरी तरह प्रभावित रही। इधर, शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार से स्कूल तो खुल गए, लेकिन शिक्षकों की भारी अनुपस्थिति के कारण शैक्षणिक कार्य प्रभावित हुआ। उल्लेखनीय है कि 2 से 9 जनवरी तक कक्षा पहली से आठवीं तक की छमाही परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। फेडरेशन की हड़ताल के चलते परीक्षा की तैयारियों पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

भव्य शिवमहापुराण कथा का आयोजन, छिपली में

नगरी/नवप्रदेश। भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से ग्राम छिपली (नगरी) स्थित श्री महाकालेश्वर धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 दिवसीय शिवमहापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस पावन आयोजन का शुभारंभ 31 दिसंबर 2025 को भव्य शोभायात्रा के साथ होगा, जबकि 01 जनवरी 2026 से 05 जनवरी 2026 तक प्रतिदिन श्रद्धालुओं को शिवमहापुराण कथा का रसपान कराया जाएगा।

कथा वाचन का सौभाग्य प्रख्यात कथावाचक पं. श्री नीलकमल शर्मा जी महाराज को प्राप्त होगा। वहीं, कथा के दौरान संगीतमय प्रस्तुतियाँ पं टीकमदास वैष्णव, सूरज कुमार सूर्यवंशी, विशाल मरकाम, वामन साहू एवं शिवानंद विश्वकर्मा द्वारा दी जाएंगी।

इस पावन आयोजन का आयोजन समस्त ग्रामवासी छिपली (नगरी) के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिवमहापुराण कथा का श्रवण कर अपने जीवन को धर्ममय व पुण्य लाभ से परिपूर्ण करने की अपील की है।

साथ ही, जो श्रद्धालु अपने ग्राम अथवा निवास पर श्रीमद्भागवत कथा या रामचरितमानस कथा का आयोजन कराना चाहते हैं, वे संपर्क कर सकते हैं संपर्क :पं. नीलकमल शर्मा जी महाराज ग्राम ङ्क छिपली (नगरी) है

प्रशासनिक अमले ने 1100 कट्टा धान किया जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार संयुक्त टीम द्वारा लगातार सघन निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत एसडीएम श्रीमती नमिता मारकोले के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा दो प्रकरणों में 1100 कट्टा धान जब्त किया गया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम टेमरी में अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए एक वाहन को पकड़ा गया। जांच के दौरान वाहन में कुल 300 कट्टा धान पाया गया, जिसके वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। मौके पर राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा धान को जब्त कर मंडी समिति को सुपुर्द किया गया तथा संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसी प्रकार एक अन्य कार्रवाई में सिद्ध ट्रेडर्स, कोमाखान के प्रोपराइटर आशीष जैन के ग्राम मौलीमुड़ा नवाडीह स्थित गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में 800 कट्टा अवैध धान का भंडारण पाया गया। संबंधित पक्ष द्वारा संतोषजनक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। जब्त धान को मंडी समिति के सुपुर्द करते हुए नियमानुसार प्रकरण दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि जिले में अवैध धान खरीदी, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परसापानी में मड़ई मेला का आयोजन आज

नगरी/नवप्रदेश। समस्त ग्रामवासियों एवं ग्राम पंचायत परसापानी के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम परसापानी में भव्य मड़ई मेला का आयोजन आगामी मंगलवार को किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध भूले-बिसरे नाचा पार्टी, मोगरापाली (महासमुंद) द्वारा पारंपरिक लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सिहावा क्षेत्र की विधायक अम्बिका मरकाम उपस्थित रहेंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य उमेश देव पुष्पा ध्रुव, क्षेत्र के समस्त सरपंचगण एवं जनप्रतिनिधि कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएंगे।

भारत माला घोटाले के आरोपी खनूजा के ससुराल, ईडी ने मारा छापा

■ **दस्तावेज और डिजिटल सबूत खंगाले गए**

महासमुंद/नवप्रदेश। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार सुबह जिला मुख्यालय में भारत माला प्रोजेक्ट घोटाले के आरोपी जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा के ससुर और एक करीबी सहयोगी के ठिकानों पर छापा मारा। ईडी की दो टीमों ने हरमीत सिंह चावला और जसबीर सिंह बग्गा के घरों पर दबिश दी, जहां डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।

सुबह करीब 8 बजे, सीआरपीएफ जवानों के साथ ईडी की 10 सदस्यीय टीम चार वाहनों से पहुंची। टीम ने खनूजा की तहसीलदार पत्नी रविंदर कौर (रूबी) के पिता व ट्रांसपोर्टर हरमीत सिंह चावला के पंजाबीपारा स्थित घर और आर्यन होंडा एजेंसी के संचालक जसबीर बग्गा के मेघ बसंत कॉलोनी स्थित निवास पर कार्रवाई की है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित भारत माला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक कॉरिडोर में भूमि अधिग्रहण में कथित घोटाले और आर्थिक अनियमितताओं से जुड़ी है। हरमीत सिंह खनूजा इस मामले में मुख्य आरोपी जमीन दलाल है।

जांच में सामने आया है कि आरोपी हरमीत खनूजा ने अपनी पहली पत्नी को तलाक देकर तहसीलदार रविंदर कौर से शादी की थी, जो हरमीत सिंह चावला की बेटी हैं। ईडी की छानबीन में आरोपी के ससुर हरमीत सिंह चावला के पास घोटाले से जुड़े पैसों के लेनदेन और महत्वपूर्ण जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। दोनों कारोबारियों के घरों से अब तक क्या मिला है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। ईडी की टीमें अभी भी डिजिटल साक्ष्य और अन्य दस्तावेजों की गहनता से जांच कर रही हैं। देर रात खबर लिखे जाने तक ईडी की जांच जारी रहीं।

ऑफिस से केबल की हुई चोरी

महासमुंद/नवप्रदेश। पिथौरा के टप्पा स्थित बीएसएनएल कार्यालय परिसर में लगे टॉवर के केबल वायर शनिवार रात अज्ञात ने पार कर दी। घटना रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है।केबल चोरी हो जाने से शहर का बीएसएनएल नेटवर्क पूरी तरह ठप्प हो गया है, जिससे मोबाइल और लैंडलाइन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। उपभोक्ताओं को कॉल ड्रॉप, नेटवर्क न मिलने और इंटरनेट सेवाओं में बाधा का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि दो दिन पूर्व झलप क्षेत्र में भी बीएसएनएल केबल चोरी हुई थी। लगातार हो रही तांबे के वायरों की चोरी से दूरसंचार सेवाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी और बीएसएनएल प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

अतिक्रमण रोकने पूर्व सरपंच ने किया पौधरोपण

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत बेलसोंडा की पूर्व सरपंच भामिनी पोखन चंद्राकर ने अपने कार्यकाल में गांव में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होने दिया तथा कई रसूखदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवा दिया, परिणामस्वरुप किसी ने भी उनके कार्यकाल तक बेजा कब्जा करने का प्रयास नहीं किया। श्रीमती चंद्राकर ने कहा कि उनके कार्यकाल के बाद गांव में रसूखदारों ने पुनः बेजा कब्जा करना शुरू कर दिया नांदगाव मार्ग में आइसक्रीम फैक्ट्री के सामने शासकीय जमीन में मिल मालिकों ने बड़ी बिल्डिंग भी बना दी है। इधर, बिलवागड्ढा तालाब के ऊपर मंगलभवन के लिए प्रस्तावित जमीन को गांव के रसूखदार में ऑनलाइन अपने नाम कर कब्जा कर लिया है। जिसे रोकने में वर्तमान पदाधिकारी असफ्ल रहे। जिससे मैंने अपने पूर्व महिला पंचों एवं विवेकानंद सेवा संस्थान के सदस्यों को साथ लेकर बची शासकीय जमीन पर पौधरोपण किया। ताकि, शासकीय जमीन सुरक्षित रहे। भामिनी ने बताया कि रविवार की छुट्टी का सदुपयोग करते हुए सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक लगातार पौधरोपण कर कुल 115 पौधे लगाए।

आंदोलन | धमधा के श्रेया हॉस्पिटल में महिला मृत्यु में कार्यवाही करने की उठी आवाज

सैकड़ों किसानों ने सौंपा ज्ञापन, भ्रष्टाचार के आरोप, आंदोलन की चेतावनी : टेक सिंह चंदेल

धमधा/नवप्रदेश। किसान बंधु संगठन के आह्वान पर सैकड़ों की संख्या में किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धमधा को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जिला स्तरीय आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन के पहले बिंदु में श्रेया हॉस्पिटल, धमधा के संचालक डॉ. अभिषेक पांडेय एवं मनीष राजपूत पर स्वर्गीय पद्मा वर्मा के इलाज में घोर लापरवाही एवं अमानवीय व्यवहार के आरोप लगाए गए। संगठन ने मामले में दोषियों पर और संरक्षण करने वालों पर अपराध दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन के दौरान एक किसान ने आरोप लगाया कि डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका बनवाने के लिए उसे वर्षों से दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। आरोप है कि हर बार बाबू बिसंभर को लगभग 200 रुपये दिए गए, बावजूद इसके आज तक ऋण पुस्तिका नहीं बन पाई। किसान ने बताया कि इस प्रक्रिया में वह कई हजार रुपये खर्च कर चुका है। वहीं ग्राम परसकोल के किसानों ने बताया कि करीब 40 वर्ष पूर्व नहर निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई कृषि भूमि का

मुआवजा आज तक नहीं मिला, जिससे किसानों में भारी रोष व्याप्त है। किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि साय सरकार की नाकामी अब हद से बेहद हो चुकी है। एक किसान सालों से डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका के लिए हजारों रुपये खर्च कर रहा है, 40 साल से किसान मुआवजे के लिए तरस रहा है और एक महिला की मौत के बाद उसकी जांच और कार्रवाई में भी भ्रष्टाचार की रोटी सेंकी जा रही है। यह सरकार और प्रशासन दोनों के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। किसान बंधु संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सभी मामलों में शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन जिला मुख्यालय में जिला स्तरीय आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस मौके पर किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल,आत्मा साहू अध्यक्ष किसान बंधु संगठन धमधा ब्लॉक ढालू वर्मा अध्यक्ष लोधी समाज धमधा सर्किल मोती वर्मा सरपंच प्रतिनिधि,जय प्रकाश विश्वकर्मा,राजेंद्र वर्मा,विनोद उमरे,पेखन यादव,लेखराम वर्मा,मुन्ना सुपंथक,गंगाराम कुर्रे,हिंछु ठाकुर सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित हुए।

कर्मचारी आंदोलन का पहला दिन: जोश, एकजुटता और अनुशासन का दिखा संगम

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ कर्मचारीङ्कअधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर आज से प्रारंभ हुए तीन दिवसीय काम बंदङ्ककलम बंद आंदोलन का पहला दिन पूरे जोश और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। आंदोलन के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में कर्मचारी-अधिकारी रावणभाठा मैदान, नगरी में एकत्रित हुए और अपनी लंबित मांगों के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना एवं राजगीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ, जिससे वातावरण देशभक्ति और संगठनात्मक चेतना से ओतप्रोत हो गया। इसके पश्चात आयोजित आमसभा को ब्लॉक संयोजक डोमार सिंह ध्रुव, महेन्द्र बोर्झा, सुरेंद्र ध्रुव, नीरज सोन, किशोर कश्यप, गिरीश जायसवाल, जोहन नेताम, मदन सेन, पदुम साहू सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में फेडरेशन की 11 सूत्रीय प्रमुख मांगों को विस्तार से रखते हुए कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की लगातार अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सरकार से लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील करते हुए मोदी की गारंटी लागू करो का नारा बुलंद किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आंदोलन को शांतिपूर्ण, अनुशासित और व्यापक रूप देने का आह्वान किया।

बिना परमिशन इमारती लकड़ी कटाई का घालमेल ठेकेदार-अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा खेल

डोंगरगांव/नवप्रदेश। क्षेत्र में लकड़ी ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से बिना अनुमति इमारती लकड़ी की कटाई खुलेआम जारी है। सोमवार सुबह बगदई से साल्हे मार्ग पर खेतों में बड़ी संख्या में इमारती लकड़ी की कटाई की जा रही थी। जिसकी सूचना डोंगरगांव वन विभाग के अधिकारी विनोद मिश्रा को भी दी गई थी द्य ठेकेदारों के हौसले इतने बुलंद हैं कि मशीनों से पेड़ों की कटाई की जा रही थी। जहाँ मौके पर क्रेन, दो माजदा वाहन और ट्रैक्टरों के माध्यम से अवैध कटाई के साथ-साथ लकड़ी का परिवहन भी किया जा रहा था। दिनदहाड़े इस तरह अवैध गतिविधियों के चलते वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं और मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है द्य जहाँ शिकायत के बाद वन विभाग की उड़ान दस्ता टीम मौके पर पहुँचकर केवल एक माजदा पर कार्यवाही करते हुए खाना पूर्ति कर लौट गई द्य जबकि मोके पर क्रेन, दो माजदा और ट्रैक्टर भी होने के बाद भी कार्यवाही केवल गाड़ी पर ही कि गई।

इसी तरह का मामला बम्हनीभाटा क्षेत्र में भी सामने आया था, जहां वन विभाग की मौजूदगी में हरे-भरे पेड़ों की कटाई किए जाने का आरोप लगा था, जो मीडिया में काफी चर्चा का विषय बना था। सागौन की कटाई से लेकर अवैध लकड़ी के परिवहन तक लगातार सामने आ रहे मामलों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस पूरे मामले पर क्या कार्रवाई करते हैं या अवैध कटाई का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

योगेश साहू एसडीओ ने बताया कि कहुआ लकड़ी पर कार्यवाही करते हुए एक माजदा जो की लकड़ी से भरा हुआ था उसपर कार्यवाही की गई है द्य वहीं बाकी गाड़ी वहाँ से भाग गई द्य वहीं खेत मालिक पर प्रकरण बनाकर राजस्व विभाग को दिया जाएगा जहाँ उसके खिलाफ अवैध इमारती लकड़ी की कटाई का मामला चलेगा।

भाजयुमो ने फूंका सीएम भूपेश बघेल का पुतला

■ **कांग्रेस पार्टी के नेता भगवान श्रीराम के विरोधी है: भाजयुमो**

महासमुंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के आह्वान पर भाजयुमो महासमुंद के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय के नेहरू चौक पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं सनातन विरोधी भूपेश बघेल एवं टी एस सिंहदेव का पुतला दहन करके विरोध प्रदर्शन किया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता हमेशा सनातन धर्म और साधु-संतों का अपमान करते रहे हैं। सनातन धर्म का विरोध पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कई कांग्रेसी नेताओं ने किया है। भूपेश बघेल अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा और पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का विरोध कर रहे है इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को इनका विरोध करने का स्क्रीप्ट किसी ने दिया हो। उन्होंने कहा कि रामसेतु की जब बात आई तब कांग्रेसियों ने कहा कि यह काल्पनिक है, भगवान राम को कांग्रेसियों ने काल्पनिक कहा। राम मंदिर बनने और आमंत्रण मिलने के बाद भी गांधी-परिवार दर्शन करने नहीं गया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने हमारे मान-हिंदुओं को लगातार अपमानित किया हैं, हमारे साधु-संतों का अपमान किया हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा का प्रवचन सुनने और शिव-भक्ति के लिए गांव-गांव, गली-गली में आबाल - वृद्ध नर - नारी उमड़ पड़े हैं। हमें गर्व है कि धीरेंद्र शास्त्री भगवान बागेश्वर धाम की महिमा बता रहे हैं। उन्होंने सनातन को जागृत करने का काम किया हैं। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों से दिल्ली में मुलाकात कर उन्हें संरक्षण देने वाले को सनातन धर्म एवं हमारे साधु-संतों पर बोलने का अधिकार नही है और यही कांग्रेस पार्टी जो लगातार सनातन का विरोध करती है वे अब कुछ राज्यों तक ही सीमित हो गए है और आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी कहीं नहीं रहेगी।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू,महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, भाजपा जिला मंत्री मनीष बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिका, मंडल महामंत्री द्वय मीना वर्मा, अग्रज शर्मा, महिला मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुधा साहू, रमेश साहू, संदीप घोष, पंकज चंद्राकर, भाऊ राम साहू, राजू चंद्राकर, शुभ्रा शर्मा, मैना कोसले, मनीष शर्मा, पार्षद माखन पटेल, अरविंद प्रहरे, निश्चय चंद्राकर, चंद्रशेखर बेलदार, पीयूष साहू, गोविंद ठाकुर, नईम खान, ऊषा पाल, भगवती करकसे, शरद मदनकार, गोविंद ठाकुर, चंद्रबदन मिश्रा, गोपी कन्नौजे, अजय चोपड़ा, भाजयुमो प्रदेश विधि एवं तकनीकी प्रमुख प्रलय थिटे, विधि एवं तकनीकी सह प्रमुख मिलिंद चंद्राकर, भाजयुमो जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी अमन वर्मा, सुमीत जैन, भाजयुमो पूर्व जिला महामंत्री दिनेश रूपरेला, नरेश नायक, राजा अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, राकेश सचदेव, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष नंदू जलक्षत्री, पंकज जैन, पूनम निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष यशवंत साहू, मंडल महामंत्री द्वय जतिन रूपरेला, खुशाल ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

राज्य प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए हुआ अंतिम टेस्ट

महासमुंद/नवप्रदेश। नवकिरण अकादमी में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य प्रशासनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए 08 टेस्ट सीरीज के क्रम में आठवां व अंतिम टेस्ट का आयोजन किया गया। नवकिरण अकादमी के जिला समन्वयक डी.बसंत साव ने बताया कि 08 टेस्ट सीरीज के क्रम में आठवां व अंतिम टेस्ट पेपर मेगा टेस्ट -3 (भारत का सामान्य अध्ययन एवं छत्तीसगढ़ का सामान्य अध्ययन) का टेस्ट हुआ। जिसमें कुल 200 नंबर का पेपर हुआ। इसमें इतिहास, भूगोल, संविधान, आर्थिक सर्वेक्षण, अर्थशास्त्र, विज्ञान, दर्शनशास्त्र, कला संस्कृति, करेंट अफेयर्स, पर्यावरण, एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य अध्ययन आदि के प्रश्न पूछे गए थे। आठवां व अंतिम टेस्ट पेपर का निरीक्षण सहायक जिला परियोजना अधिकारी सह नोडल अधिकारी प्रमोद कुमार कन्नौजे ने किया। नवकिरण अकादमी में फाउंडेशन कोर्स बैच की क्लासेस प्रात:कालीन सुबह 07 बजे से 10 बजे तक क्लास संचालित हो रही है। कोचिंग में प्रवेश प्राप्त करने एवं जानकारी हेतु कार्यालय नवकिरण अकादमी महासमुंद में संपर्क कर सकते हैं।

सब जूनियर नेशनल योगासन में हेमांशु का चयन

महासमुंद/नवप्रदेश। 6वीं सब-जूनियर एवं सीनियर-बी नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) अहिल्यानगर, महाराष्ट्र में 30 दिसंबर से 02 जनवरी तक आयोजित है। महासमुंद जिले से सब जूनियर नेशनल में हेमांशु साहू, माता जानकी साहू वार्ड-7 महासमुंद का चयन 10 से 14 वर्ष बालक वर्ग में हैंड बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट एवं ट्रेडिशनल योगासन ग्रुप में हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य की टीम महाराष्ट्र के लिए 28 दिसंबर को रवाना हुई। इससे पहले हेमांशु ने 6वीं सब-जूनियर राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2025 का आयोजन ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी रायगढ़ में आयोजित किया गया था जिसमें स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की थी। जिसके आधार पर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप महाराष्ट्र के लिए चयन हुआ। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, जिला योगासन स्पोर्ट्स संघ अध्यक्ष लक्ष्मण पटेल, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मेजर सिंह, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, उपाध्यक्ष हिरेंद्र देवांगन, सचिव गणेश राम कोसरे, सह सचिव तोरण यादव, कोषाध्यक्ष सेवन दास मानिकपुरी, प्राचार्य देवेंद्र अगवाले, वरिष्ठ व्याख्याता आई एल साहू, एल कुरील, के आर साहू, सिद्धांत, प्रशिक्षक कामता प्रसाद साहू, डोलेश होता, सत्यनारायण ठाकुर, हिरेंद्र साहू, छन्नू साहू, वेदराम, नीलम साहू, प्रभा साहू, वैशाली ठाकुर, तृषा शर्मा, इंद्राणी भास्कर, अंजनी साहू, नेहा नायक, सत्यनारायण दुर्गा, रामेश्वरी दीवान, संदीप पटले, दीपांशु, प्रियांशु पटले, भरत साहू, ओंकार साहू, देवेंद्र दीवान एवं पालकों ने शुभकामनाएं दीं।

तमनार व परसोडिकला की घटना सरकार की तानाशाही रवैये का प्रमाण : विनोद

महासमुंद/नवप्रदेश। रायगढ़ के तमनार में उपजे विवाद को लेकर पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि यह घटना भाजपा सरकार की तानाशाही रवैये का जीता-जागता प्रमाण है। यहां कोल खदान के खिलाफ दर्जनों गाँवों के हजारों लोग विरोध कर रहे हैं, उसके बाद भी जनभावनाओं के विपरीत जाकर खदान विस्तार के लिए किसानों की जमीन, जंगल को उद्योगपतियों को दिया जा रहा है। इसी तरह रायगढ़ के ही छाल, सरगुजा के अमेरा ओपनकास्ट खदान, कोरबा के गेवरा में कोल खनन का विरोध ग्रामीण कर रहे हैं। सरकार केवल उद्योगपतियों का समर्थन कर रहा है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीण अपनी सुरक्षा के लिए आक्रामक रूख अपनाने विवश हो रहे हैं।

तीन दिवसीय हड़ताल के पहले दिन अधिकारी कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

गरियाबंद में काम बंद कलम बंद हड़ताल से प्रभावित हुआ सरकारी कामकाज

कोपरा नवापारा/नवप्रदेश। छग प्रदेश अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले तीन दिवसीय कलम बंद हड़ताल गरियाबंद में भी शुरू हुई। मोदी की गारंटी लागू करने तीसरे चरण के फेडरेशन की हड़ताल का व्यापक असर सभी शासकीय कार्यालयों में देखने को मिला जहां अधिकारी कर्मचारियों ने काम बंद कर हड़ताल को अपना समर्थन दिया तथा नगर के गांधी मैदान में एकजुट होकर धरना दिया। फेडरेशन ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर ने धरना दिया और सरकार पर मोदी की गारंटी पूरी न करने का आरोप लगाते हुए वादाखिलाफी करने की बात कही। फेडरेशन ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मोदी की गारंटी पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि चुनाव पूर्व भारतीय जनता पार्टी ने मोदी की गारंटी के तहत कर्मचारी-अधिकारियों की मांगें पूरी करने का भरोसा दिया गया था, लेकिन सरकार बने दो साल बीत जाने के बाद भी मांगों पर कोई ठोस पहल या चर्चा नहीं की गई। पदाधिकारियों ने इसे वादाखिलाफी बताते हुए कहा कि यह आंदोलन सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए किया जा रहा है। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती है तो राज्य फेडरेशन से चर्चा कर उग्र आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। इस आंदोलन में जिले भर से हजारों की संख्या में अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। तीन दिवसीय हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिल रहा है।राजस्व कार्य, पंचायतों का कामकाज सहित अन्य शासकीय सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। वहीं जिला कार्यालय में भी हड़ताल का असर पड़ा है। जहां तीन दिनों तक कामकाज बंद रहेगा।

हड़ताल में ये शामिल रहे

हड़ताल में प्रमुख रूप से एमआर खान जिला संयोजक जिला गरियाबंद, बसंत त्रिवेदी महासचिव अधिकारी कर्मचारी फैडरेशन जिला गरियाबंद, सचिव सुनील यादव, मनोज खरे ब्लाक संयोजक, बसंत मिश्रा जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ, सुदामा ठाकुर, रामनारायण मिश्र शिक्षक संघ, अनूप महाड़िक, बसंत वर्मा लघुवेतन कर्मचारी संघ, वन कर्मचारी संघ, गुलशन यादव पटवारी संघ, डी के पडौती आर एच ओ संघ, पिंटू साहू, प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ चंद्रहास श्रीवास, लवकुमार साहू, भागवत साहू, गणेश देवांगन, तोरण साहू, डॉ नारायण राज, संजीव गुप्ता, मुकेश साहू, कृष्ण कुमार सोनी, मुरारी देवांगन, राजपत्रित अधिकारी संघ डॉ सत्यम कुम्भकार ,पुरन्दर वर्मा, उमा शंकर साहू, लोकेश्वर साहू, रोशन साहू, सपना मिश्रा, पुन्नी साहू, जागेश्वरी, काजल शर्मा, प्रकाश गिधौड़े, डॉ ऐश्वर्य साहू सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

अर्जुनी में वीर नारायण सिंह का बलिदान दिवस मनाया गया

भाटापारा/नवप्रदेश। जय सेवा, जय गोंडवाना के भाव के साथ गोंड़ समाज टोनाटार चक के तत्वावधान में ग्राम अर्जुनी में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आदिवासी समाज के गौरव एवं छत्तीसगढ़ की माटी के अमर सपूत शहीद वीर नारायण सिंह जी के बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं भूमिपूजन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय ने शहीद वीर नारायण सिंह जी के त्याग, संघर्ष और बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्यजन, युवा एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, समाज सेवा और राष्ट्र के लिए बलिदान की अनुपम मिसाल है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में देशभक्ति की भावना प्रबल होती है और समाज को अपने गौरवशाली इतिहास से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि शहीदों के आदर्शों पर चलकर समाज और राष्ट्र की सेवा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में एकता, समरसता और राष्ट्रप्रेम को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त आयुक्त लोक अभियोजन अधिकारी एम.आर. ध्रुव, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांशा गोलू जायसवाल, जिला अध्यक्ष शासकीय विकास संघ सुरेश कुमार पैकरा, जिला पंचायत सदस्य डोमन वर्मा, जिला पंचायत सभापति ईशान वैष्णव, जिला पंचायत सभापति अमर मंडावी, बलौदा बाजार जनपद सभापति वेदश्वरी, त्रिलोक समस्त सामाजिकजन एवम ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दीपक साहू पुन: बने अभाविप छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का हाल ही में 58 वां प्रांत अधिवेशन, कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई (दुर्ग) में संपन्न हुआ, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विकास पाण्डेय द्वारा संगठन के नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

इस दौरान अभाविप इकाई, गोबरा नवापारा के दीपक साहू को सत्र 2025-26 के लिए पुन: प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य घोषित किया गया। इसकी सूचना मिलते ही नगर के सभी कार्यकर्ता उत्साहित हुए और दीपक साहू को बधाईयां देने लगे।

दीपक साहू, लंबे समय से परिषद के विभिन्न रचनात्मक कार्यों और छात्र हितों की लड़ाई में सक्रिय रहे हैं। उनकी कार्य-कुशलता और संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें इस प्रदेश स्तरीय जिम्मेदारी देकर भरोसा जताया है।

दायित्व मिलने पर प्रतिक्रिया देते हुए दीपक साहू ने कहा कि संगठन ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करूंगा। हम स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिका सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, परिवारजनों, ईष्ट मित्र, सहपाठियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी और हर्ष व्यक्त किया।

जयंती कार्यक्रम में एक युवक की हत्या, 2 घायल

अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

भाटापारा/नवप्रदेश। समीपस्थ ग्राम सेमरिया (ब) में गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम देखने गए एक 22 वर्षीय युवक की अज्ञात आरोपियों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी वही दो अन्य युवक घायल है जिनका उपचार जारी है।इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ के लिए चार-पांच लोगों को संदेह के आधार पर थाने लाकर पूछताछ कर रही है।

उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात पंथी कार्यक्रम के दौरान किसी अज्ञात कारणों के चलते कार्यक्रम देखने गए 22 वर्षीय परमेश्वर यदु की अज्ञात आरोपियों ने हत्या कर दी वही 2 अन्य युवकों पर भी चाकू से हमला किया गया,जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि परमेश्वर पंथी कार्यक्रम देखने के लिए गया था, इसी दौरान किसी अज्ञात कारण से उसकी हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही भाटापारा ग्रामीण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल हत्या के कारणों और आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और संदेह के आधार पर पांच 6 लोगों से पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि असामाजिक तत्वों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

कांग्रेस ने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और वंचितों की आवाज बुलंद की : द्वारिकाधीश

महासमुंद/नवप्रदेश। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी की स्थापना की 140वीं वर्षगांठ पर 28 दिसंबर को स्थानीय कांग्रेस भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष व खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कांग्रेस पार्टी का ध्वजारोहण किया। पश्चात जिलाध्यक्ष श्री यादव ने उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का 140 वर्षों का इतिहास देश की आजादी, संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय, समानता और जनकल्याण के लिए सतत संघर्ष का प्रतीक है। कांग्रेस ने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा और वंचित वर्गों की आवाज बुलंद की है। यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर व समाप्त करने की मंशा से नए कानून बनाए जा रहे हैं। जो गरीबों और ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है।

ब्राम्हण समाज की कमान अब शिवानी शर्मा के कंधों पर

भाटापारा/नवप्रदेश। अखंड ब्राम्हण समाज सेवा समिति नारी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की अनुशंसा से नवीन कार्यकारणी का गठन प्रांतीय उपाध्यक्ष उषा मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया,जिसमें शिवानी राजेश शर्मा को अध्यक्ष बनाया गया,वही बैठक में पूरी कार्यकारणी का भी गठन किया गया।

विदित हो कि वर्तमान अध्यक्ष कविता शर्मा का एक वर्ष का कार्यकाल संपन्न होने जा रहा है।जिसके फलस्वरूप वरिष्ठ पदाधिकारियों की अनुशंसा से नवीन कार्यकारणी का गठन हेतु प्रांतीय उपाध्यक्ष उषा मिश्रा के नेतृत्व मे नक्खी बाबा मंदिर मे बैठक आहूत की गई जिसमें समिति के सदस्यों पूर्व पदाधिकारियों सहित प्रांतीय पदाधिकारीयो की उपस्थिति में

नवीन कार्यकारणी का गठन हुआ जिसमें अध्यक्ष -शिवानी राजेश शर्मा

उपाध्यक्ष -किरण उपाध्याय सचिव -शशि पांडेय सह सचिव -साधना मिश्रा संगठन सचिव-लता शर्मा

कोषाध्यक्ष -मीता शर्मा उप कोषाध्यक्ष-ओमी तिवारी मीडिया प्रभारी -सरिता रानी शर्मा मिडिया प्रभारी-ममता दीवान को बनाया गया है। नवीन कार्यकारणी का गठन संपन्न होने के उपरांत समिति के प्रांतीय पदाधिकारी उषा मिश्रा,चन्द्रकिरण शर्मा,सीमा तिवारी, आशा लखन शर्मा मार्गदर्शिका अंजू भृगु,सीमा शर्मा रेखा शर्मा संयोजिका बबीता भृगु डॉ निशा शर्मा चन्द्रकांता तिवारी द्वारा सभी नवीन पदाधिकारियों एवं कार्यकारणी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गयी।इस अवसर पर अध्यक्ष का कार्यभार संभालने जा रही शिवानी राजेश शर्मा ने इस अहम दायित्व के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए परस्पर सहयोग का आग्रह किया तथा कहा कि वे अपने सभी वरिष्ठों के मार्गदर्शन में समाज सेवा के लिए ना केवल आगे रहेंगी बल्कि सभी का साथ सभी का विश्वास की भावना से अखंड ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए सदैव समर्पण की भावना से कार्य करेगी।

जयंती | **विधायक इंद्र ने वरिष्ठ कांग्रेस जनों का किया सम्मान, विधायक साव ने सरकार की जनविरोधी नीतियों को गिनाया**

कांग्रेस भवन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस मनाया गया

भाटापारा/नवप्रदेश। कांग्रेस पार्टी का 141वां स्थापना दिवस विधायक इन्द्र साव की उपस्थित में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा गरिमामय वातावरण में मनाया गया।इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस जनों का विधायक इंद्र साव ने शाल श्रीफल,पुष्पहार पहनाकर उनका सम्मान किया।

इस अवसर पर विधायक श्री इन्द्र साव ने अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि आज़ादी की लड़ाई से निकली वह विचारधारा है जिसकी आत्मा गांवों में बसती है। कांग्रेस कार्यकर्ता हमेशा पार्टी की रीति-नीति के अनुरूप निष्ठा से कार्य करते हैं और कार्यकर्ताओं की मेहनत व समर्पण का ही परिणाम है कि आज कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ताओं की मेहनत और लगन से वे विधायक बनकर क्षेत्र की सेवा कर पा रहे हैं।उन्होंने कहा कि 28 दिसम्बर 1885 को स्थापित कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र निर्माण तक एतिहासिक भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी, पं.जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस व मौलाना आजाद की प्रेरणा से कांग्रेस आज भी लोकतंत्र, समानता, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस की ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की आज़ादी से लेकर लोकतंत्र की मजबूती तक कांग्रेस की भूमिका अतुलनीय रही है। कांग्रेस शासनकाल में किसानों का कर्ज माफ किया गया, सिंचाई और कृषि को मजबूती दी गई, बिजली बिल माफी जैसे जनहितकारी निर्णय लिए गए। गरीबों को भोजन का अधिकार मिला, मनरेगा के माध्यम से गांवों में रोजगार सुनिश्चित किया गया। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में गांव-गांव तक स्कूल, कॉलेज और अस्पताल स्थापित किए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सुई से लेकर हवाई जहाज तक के निर्माण की मजबूत नींव रखकर देश को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया। विधायक श्री साव ने भाजपा सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कहा कि आज किसान धान बेचने के लिए परेशान हैं, धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था है। आम उपभोक्ता बढ़ते बिजली बिल और महंगाई से त्रस्त है, जबकि युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों से पीछे हट रही है, स्कूल बंद किए जा रहे हैं और जनकल्याणकारी योजनाओं को कमजोर किया जा रहा है तथा शराब बिक्री को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसका सीधा असर गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है।

आधे से अधिक खरीदी के बाद सीसीटीवी भेजने पर सवाल, केंद्रों पर भीड़ और अव्यवस्था की आशंका

धान खरीदी अंतिम चरण में: 35 दिनों में 11 छुट्टियां, केवल 24 दिनों में किसान कैसे बचेंगे धान

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अभियान अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है। जैसे-जैसे समय कम हो रहा है, उपार्जन केंद्रों पर किसानों की बेचैनी और भीड़ दोनों बढ़ने लगी है। वर्तमान स्थिति यह है कि खरीदी के लिए अब कैलेंडर के हिसाब से केवल 35 दिन शेष बचे हैं, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अलग है। धान खरीदी के शुरूआत के साथ ही खरीदी केन्द्रों मे सीसीटीवी लगा दिए गए थे, अब चुंकि धान खरीदी कुछ ही दिन शेष है ऐंसे में रायपुर सें थोक कि मात्रा में सीसीटीवी की खरीदी कर खरीदी केन्द्रो में मार्कफेड द्वारा कैमरे भेजवाए जा रहे है जिसका औचित्य लोगो को समझ नही आ रहा है।

छुट्टियों ने बढ़ाई चिंता, प्रभावी दिन केवल 24-आगामी 35 दिनों के भीतर विभिन्न त्यौहारों और रविवारों को मिलाकर कुल 11 दिन अवकाश रहेगा। इसका सीधा अर्थ है कि किसानों के पास अपना धान बेचने के लिए अब सिर्फ24 दिन ही शेष हैं। इन कम दिनों में जिले के हजारों किसानों का धान तौलना समितियों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में केंद्रों पर भारी अव्यवस्था और लंबी कतारें देखने को मिल सकती हैं।

देर से जागे प्रशासन पर सवालः सीसीटीवी अब क्यों?- धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए प्रशासन ने केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए थे। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि जिले में जब आधे से ज्यादा धान की खरीदी पूरी हो चुकी है,और जिले के लगभग सभी धान खरीदी केन्द्रों मे सीसीटीवी कैमेरा लगा लिए गए थे, तब जाकर राज्यों सें मार्कफेड द्वारा कैमरे भेजवाए जा रहे हैं।

ऐसे में इस लेट-लतीफी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं क्या यह औपचारिकता मात्र है या कमीशनखोरी के कदम या फिर केवल कागजी खानापूर्ति और रिकॉर्ड दिखाने के लिए है? अनियमितता का इतना ही अंदेशा था तो खरीदी अपने चरम पर थी और निगरानी की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब कैमरे लगाए जाने थे। अब आधे काम के बाद कैमरे लगाने का क्या औचित्य? जबकि जिले के अधिकांश धान खरीदी केन्द्रों में प्रारंभ से ही सीसीटीवी कैमरे का इंतेजाम कर लिया गया था फिर एसी कार्य के लिए दोबारा खर्च करने की आवश्यकता क्यों?

उलटी गिनती शुरू

35 दिनों में 11 दिन छुट्टी, शेष 24 दिनों में कैसे तुल पाएगा किसानों का धान? धान खरीदी का अंतिम चरण चल रहा है, किसानों को छुट्टियों के चलते भी परेशानी भी बढ सकती है, इन बचे हुए दिनों में केंद्रों पर उमड़ेगा किसानों का सैलाब उमडने की संभावना है साथ ही लिमिट और टोकन की समस्याः मात्र 24 दिन शेष होने के कारण अब टोकन कटवाने के लिए केंद्रों पर मारामारी मचेगी। सर्वर डाउन होने की समस्या भी किसानों की मुसीबत बढ़ा सकती है।

परिवहन की चुनौती

जब भीड़ बढ़ेगी, तो केंद्रों से धान का उठाव धीमा हो सकता है, जिससे आने वाले धान को रखने की जगह नहीं बचेगी, ऐसे में धान खरीदी प्रभावित होगी।

केंद्रों पर बढ़ेगी मारामारी

जैसे-जैसे अंतिम तिथि नजदीक आएगी, किसान जल्दबाजी में अपना धान लाने का प्रयास करेंगे। कम समय और छुट्टियों की अधिकता के कारण परिवहन और उठाव की समस्या भी गंभीर रूप ले सकती है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि शेष 24 दिनों में खरीदी की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए ताकि किसी भी किसान को बैरंग वापस न लौटना पड़े।

न्यूज गैलरी

शासकीय उ.मा. विद्यालय छटन में सात दिवसीय शिविर संपन्न

मुंगेली/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छटन द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह का आयोजन ग्राम डिंडोरी में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडी अंचल, विशिष्ट अतिथि नरेंद्र साहू, मनीष साहू द्वारा शिविर को संबोधित करते हुए बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के द्वारा प्रथम दिवस विद्यालय स्वच्छता अभियान, द्वितीय दिवस नशा मुक्ति पर बौद्धिक परिचर्चा चंद्र सागर द्वारा तृतीय दिवस डॉ. शिवपाल सिदार के द्वारा सिकल सेल पर विस्तृत मार्गदर्शन, चतुर्थ दिवस गन्नू साहू अग्नि वीर के द्वारा कैरियर गाइडेंस, पंचम दिवस योग का जीवन में महत्व पर मुनष साहू, हुलासी साहू, नरेंद्र साहू के द्वारा परिचर्चा किया। छठवें दिवस दिवस समापन समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम व सुशासन दिवस, सप्तम दिवस मतदाता जागरूकता अभियान व वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी मोहन उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितंबर 1869 को गांधी जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर किया गया था। इस अवसर पर एडी अंचल, शोभा साहू, प्रिया साहू, अंजू राम सप्रे, मुनष साहू, शोभाराम साहू, विमल साहू, ऋतुराज, सरपंच इंद्राणी, तामसीह मरावी, छत्रपाल रामावतार ममता पटेल, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

लोक सेवा गारंटी, कुपोषण, शिक्षा व धान खरीदी पर सख्त निर्देश, बिचौलियों पर निगरानी के आदेश

अंबिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में विस्तारपूर्वक समीक्षा की तथा प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत सभी प्रकरण तय समय सीमा में पूर्ण करने अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं लंबित राजस्व प्रकरणों को भी गंभीरता के साथ समय सीमा में निराकरण किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर सुनील नायक, राम सिंह ठाकुर, अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर डी एन कश्यप एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर वसंत ने स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को आपसी समन्वय के साथ पोषण पुनर्वास केंद्रों में गंभीर कुपोषित बच्चों को सतत रूप से

भेजने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि एनआरसी में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें, प्रतिदिन की रिपोर्ट तैयार कर उपलब्ध कराएं। कलेक्टर श्री वसंत ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कहा कि जिले के खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सब हेल्थ सेंटरों में रिक्त पदों की सूची तैयार कर उपलब्ध कराएं। बैठक में उन्होंने अपार आईडी में एंट्री की समीक्षा करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को शत-प्रतिशत बच्चों की एंट्री सुनिश्चित करने निर्देशित किया तथा जन्म प्रमाण पत्र निर्माण हेतु बच्चों की सूची एसडीएम को उपलब्ध कराने कहा। इसी प्रकार उन्होंने कक्षा 1 से 12वीं तक के ऐसे बच्चे जिनका जाति प्रमाण पत्र नहीं बना है, उनकी जानकारी भी उपलब्ध कराने कहा। समर्थन मूल्य पर जिले में जारी धान खरीदी की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि टोकन सत्यापन में तेजी लाएं, मुख्य रूप से लघु सीमांत किसानों पर फोकस करें, शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कोचियो-बिचौलियों पर कड़ी निगरानी रखें, अवैध धान भंडारण पर सख्ती से कार्रवाई हो। उन्होंने जिले में अब तक कि गई खरीदी, खरीदी केंद्रों में किसानों हेतु व्यवस्था एवं सुविधाओं सहित अन्य बिंदुओं पर अनुभागवार समीक्षा की। उन्होंने धान उठाव एवं रकबा समर्पण बढ़ाने निर्देशित किया। कलेक्टर वसंत ने पीवीटीजी युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त को निर्देशित किया कि जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति के शिक्षित युवाओं की सूची तैयार करें। इनकी कॉलउन्सिलिंग आयोजित कर योग्य युवाओं की फाइनल लिस्ट तैयार करें, ताकि योग्यतानुसार उन्हें विभिन्न विभागों में रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों तक ग्राम में ही पहुंचाया जाएगा राशन

उन्होंने जिला खाद्य अधिकारी को कहा कि ऐसे दूरस्थ क्षेत्र जहां लोगों को 5 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर राशन लेने पीडीएस दुकान तक जाना पड़ता हैं, वहां गांव में ही राशन प्रदान करने हेतु व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने जिले के ऐसे समस्त आश्रित ग्रामों या पारा टोलों की सूची जनपद पंचायत सीईओ से प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ध्यान रहे कि कोई भी समूह या ग्राम पंचायत एक से अधिक पीडीएस दुकानों का संचालन ना करें। दूसरे दुकानों में संलग्नीकरण समय सीमा में खत्म कर विज्ञापन निकलवाएं।

सोता रहा परिवार चोरों ने नगदी सहित 7 लाख का माल किया पार

अंबिकापुर/नवप्रदेश। शहर के जरहागढ़ मोहल्ले में परिजन बेसुध होकर सोते रहे इधर चोरों ने दो आलमारी खोल 50 हजार नगदी सहित सात लाख के जेवरात पार कर दिया। तड़के जब उनकी नींद खुली तो सामान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। चोर छत के रास्ते घुसे थे और दो कमरों को खंगाल फरार हो गए। कोतवाली पुलिस ने बताया कि महामाया वार्ड क्रमांक 37 जरहागढ़ निवासी मो. अहमद अली कल अपनी बहू के साथ घर पर थे। उनकी पुत्री व बड़ी बहू बाहर परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। रात में खाना खाने के बाद मो. अहमद अली घर के हाल में सोने चले गए और बहू यासमीन खातून नीचे के कमरे में सो रही थी। तड़के पांच बजे यासीन का नींद खुला और वह बाथरुम से लौटी तो देखा कि आलमारी खुला हुआ है और सारा सामान बिखरा है। तत्काल यासमीन ने ससूर अहमद अली को जानकारी दी। ससूर ने यासमीन से कहा कि ऊपर वाले कमरे को भी देखो कहीं वहां भी तो चोरी नहीं हुआ है। बहू जब ननद जरीना खातून के कमरे में पहुंची तो वहां का नजारा भी वैसा ही था आलमारी खुला था।

सुनहरा मौका

ग्राम अंडा दुर्ग में फार्म हाउस के लिए अच्छे लोकेशन में कटिंग काटा गया है। ऑफर सीमित समय के लिए मात्र 151/- रुपए जल्दी कीजिए। **(विजिट अब नहीं तो-कब)** अन्य जानकारी के लिए संपर्क करें।

संपर्क
7828997233
9202535511
9755792420

कैलेण्डर वर्ष 2026 हेतु स्थानीय अवकाश घोषित

अंबिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत के द्वारा सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुक्रमांक-04 के नियम-8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के लिए कैलेण्डर वर्ष 2026 हेतु स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 5)
- ईदगाहभाठा नवीन पानी टंकी परिसर,रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 26833 दिनांक 26.12.2025
वार्ड का नाम- 40- पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 40 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR569I00297 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती RAJESH CHAND JHA पिता / पति श्री/श्रीमती MADAN LAL JHA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती AMIT PATHAK पिता /पति श्री/श्रीमती KAMAL KISHOR PATHAK ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-2/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक एमआर इंटिग्रेटेड स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड डायरेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल पिता बेद प्रकाश अग्रवाल निवासी ए-14 वालफोर्ट सिटी रिंग रोड रायपुर के द्वारा ग्राम/शहर रौदा प.ह.न. 01 तहसील धमधा जिला दुर्ग में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 525, 526 रकबा क्रमश 1.95, 1.78 हे. कुल खसरा 02 कुल रकबा 3.73 हे. भूमि का औद्योगिक प्रयोजन हेतु, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग से प्राप्त पत्र, बी-1 एवं नक्शा, खसरा सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे आवेदित भूमि के संबध मे जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा आपत्ति हो तो प्रकरण मे नियत तिथि एक सप्ताह के भीतर तक स्वंय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय मे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 15.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 4)
- प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर -
Email ID - rmczone4@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 26992 दिनांक 28.12.2025
वार्ड का नाम- 64- डा. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR656E0125B जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती KAILASH NIRMALKAR पिता / पति श्री/श्रीमती LATE. MANIRAM NIRMALKAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **परदेशी देवांगन** पिता /पति श्री/श्रीमती **बी बैसाखू देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **शपथ पत्र, मलमा बिक्री, आधार कार्ड, टैक्स रसीद व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-2/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक एमआर इंटिग्रेटेड स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड डायरेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल पिता बेद प्रकाश अग्रवाल निवासी ए-14 वालफोर्ट सिटी रिंग रोड रायपुर के द्वारा ग्राम/शहर कोनका प.ह.न. 03 तहसील धमधा जिला दुर्ग में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 15001 रकबा 11.6300 ह. भूमि का औद्योगिक प्रयोजन हेतु, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग से प्राप्त पत्र, बी-1 एवं नक्शा, खसरा सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे आवेदित भूमि के संबध मे जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा आपत्ति हो तो प्रकरण मे नियत तिथि एक सप्ताह के भीतर तक स्वंय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय मे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 15.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202511103300023 /अ-6अ/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रेवती बाई पिता शिवचरण निवासी ग्राम बेलौदी तह व जिला दुर्ग के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदिका एवं अन्य 07 के नाम पर मौजा ग्राम रसमडा प.ह.न. 22, रा.नि.मं. अंजोरा (ख) तह. जिला दुर्ग में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नंबर 959/2 रकबा 0.220 हे. भूमि पटवारी अभिलेख व राजस्व अभिलेख में नाम केजाबाई पति शिवचरण, उमाबाई, रामबाई, तिजिया बाई मोहन कुमारी, चारों के पिता शिवचरण, टामेन पिता श्यामलाल, तरूण ना.बा. पिता श्यामलाल पालक श्यामलाल एवं अनुसुईया पिता शिवचरण का नाम दर्ज है। उपरोक्त कृषि भूमि में आवेदिका रेवती बाई का नाम उमाबाई दर्ज हो गया है एवं आवेदिका के दो बहन कुमारी साहू का मोहन कुमारी साहू दर्ज हो गया है एवं कौशिल्या साहू का नाम अनुसुईया दर्ज हो गया है जो कि उक्त तीनों बहनों का नाम मायके के अनुसार है। आवेदिका के द्वारा उमाबाई, मोहन कुमारी साहू, अनुसुईया पिता शिवचरण को विलोपित किया जाकर एवं तीनों बहनों का नाम आधार कार्ड के अनुसार से 1. रेवती बाई, 2. कुमारी साहू, 3. कौशिल्या साहू पिता शिवचरण का नाम दर्ज किये हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उज्जर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 28.12.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11.12.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालण्य की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं शपथकर्ता सानबोइना शिरीषा (SANABOYINA SHIREESHA) पति सानबोइना सुरेश कुमार (SANABOYINA SURESH KUMAR) उम्र 45 वर्ष, निवासी एम.आई.जी. -1/426, आमदी नगर, हुडको भिलाई, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) की हूँ जो कि निम्न लिखित कथन शपथपूर्वक करती हूँ कि यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है। यह कि, मेरे समस्त आवश्यक दस्तावेजों जैसे मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड में मेरा नाम सानबोइना शिरीषा (SANABOYINA SHIREESHA) पति सुरेश कुमार दर्ज है। यह कि, मैं वर्तमान में शिक्षा विभाग अन्तर्गत शासकीय सेजेस रानीतराई, तहसील पाटन जिला-दुर्ग में व्याख्याता के पद पर पदस्थ हूं। यह कि, मेरा विवाह दिनांक-25/10/2007 को सानबोइना सुरेश कुमार (SANABOYINA SURESH KUMAR) पिता एस. सुधाकर राव के साथ सामाजिक रीति रिवाज से संपन्न हुआ है। यह कि, यह कि, मेरे समस्त शैक्षणिक एवं मेरे समस्त सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम सी. शिरीषा (C. SHIREESHA) पिता सी.वी. राव दर्ज है जो कि मेरा विवाह पूर्व नाम है। यह कि, विवाहोपरान्त मेरा नाम परिवर्तित होकर सी. शिरीषा (C. SHIREESHA) पिता सी.वी. राव से सानबोइना शिरीषा (SANABOVINA SHIREESHA) पति सानबोइना सुरेश कुमार (SANABOYINA SURESH KUMAR) हो चुका है अब मैं इसी नाम से जानी, पहचानी जाती हूं तथा हस्ताक्षर आदि करती हूं। यह कि, मैं अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों जैसें आधार कार्ड, सर्विस रिकार्ड इत्यादि में अपना विवाहोपरान्त नाम सानबोइना शिरीषा (SANABOVINA SHIREESHA) पति सानबोइना सुरेश कुमार (SANABOYINA SURESH KUMAR) दर्ज कराना चाहती हूं। यह कि, सानबोइना शिरीषा (SANABOVINA SHIREESHA) पति सानबोइना सुरेश कुमार (SANABOYINA SURESH KUMAR) एवं सी. शिरीषा (C. SHIREESHA) पिता सी.वी. राव ये दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे स्वयं का ही नाम है। अत: यह शपथपत्र उपरोक्त कवन के समर्थन में अपना विवाहोपरान्त नाम सानबोइना शिरीषा (SANABOYINA SHIREESHA) पति सानबोइना सुरेश कुमार (SANABOYINA SURESH KUMAR) आधार कार्ड, सर्विस रिकार्ड में दर्ज करने एवं छ.ग. राजपत्र में प्रकाशन हेतु श्रीमान सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
सानबोइना शिरीषा

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00038 पोटियाकला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104600031

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00038 के अंतर्गत ग्राम पोटियाकला के वर्तमान भूमिस्वामी भागवत राम पिता/पति बुधारुराम पता, तखतराम पिता/पति बुधारुराम पता, फुलमल बाई पिता/पति बुधारुराम पता पोटियाकला दुर्ग, अजय कुमार पिता/पति बुधारुराम पता, अन्नालाल पिता/पति बुधारुराम पता के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 260/2(0.4450), 458/5(0.5280) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता अजय कुमार पिता/पति बुधारुराम पता, सोहद्रा साहू पिता/पति स्व. तखतराम पता वार्ड 53 पोटियाकला दुर्ग, टुमनलाल पिता/पति स्व. तखतराम पता वार्ड 53 पोटियाकला दुर्ग, शांतिबाई साहू पिता/पति बुधारुराम पता, भागवत राम पिता/पति बुधारुराम पता, देवकुमार साहू पिता/पति स्व. तखतराम पता वार्ड 53 पोटियाकला दुर्ग, बेदबती साहू पिता/पति बुधारुराम पता, अन्नालाल पिता/पति बुधारुराम पता, लिलेन कुमार साहू पिता/पति स्व. तखतराम पता वार्ड 53 पोटियाकला दुर्ग, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13.01.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.12.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

आम-सूचना
नाम परिवर्तन के संबंध में

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार रामसोहागील यदु पिता कन्हैया यादव, आयु 43 वर्ष, निवासी ग्राम नवागॉवगहिरा पो. चिल्फी, तह. साजा, जिला बेमेतरा (छ.ग.) के है, मेरे पक्षकार भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा राजनांदगांव (छ.ग.) में संचालित पॉलिसी में नाम मोहित यादव दर्ज है जो कि मेरे पक्षकार का घरेलू पुराना नाम है। जबकि मेरे पक्षकार का सही एवं वास्तविक नाम रामसोहागील यदु है, जो कि उनके आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। कि रामसोहागील यदु एवं मोहित यादव दोनों एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे पक्षकार का नाम है। भविष्य में मेरे पक्षकार को रामसोहागील यदु पिता कन्हैया यादव, के नाम से ही जाना एवं पहचाना जावेगा। अत: सो सूचना जानें।

निखिल महलवार
अधिवक्ता- जिला न्यायालय दुर्ग
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
मो. 9827930577

नाम-परिवर्तन

शपथकर्ती निर्मला पटेल पति महेश पटेल निवासी मकान नं. 317 वार्ड नं 10 बाजार चौक घुमका तह. घुमका जिला राजनांदगांव (छ.ग.) निम्नकथन शपथ पूर्वक प्रस्तुत करती हूं :- यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है। मै शपथकर्ती मेरा पुराना नाम बेनी बाई (BENI BAI) है। यह कि पुराना नाम परिवर्तित कर अपना नया नाम निर्मला पटेल (NIRMALA PATEL) पति महेश पटेल निवासी मकान नं. 317, वार्ड नं. 10 बाजार चौक घुमका तह. घुमका जिला राजनांदगांव (छ.ग.) रख ली हूं। मेरे द्वारा दी गई जानकारी भविष्य में किसी प्रकार की गलती पाई जाती है तो उनकी सपूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी। अब मैं अपने समस्त शासकीय अद्र्धशासकीय अभिलेखो विभागीय / शैक्षणिक दस्तावेजों एवं प्रमाण पत्रो में अपना यही नया नाम निर्मला पटेल (NIRMALA PATEL) दर्ज करवाना चाहती हूं। इस आशय की सूचना का प्रकाशन छत्तीसगढ़ के राज पत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूं जिस संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ती
निर्मला पटेल पति महेश पटेल
निवासी मकान नं. 317 वार्ड नं 10
बाजार चौक घुमका तह. घुमका
जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं श्रीमती उर्मिला मिरे, पति स्व. श्री सुशील कुमार मिरे उम्र 34 वर्ष, निवासी-एम.आई.जी.-16, सी-1, सी-2 सुभाष नगर, कोसाबाडी, कोरबा (न.नि.) कोरबा, हालमुकान क्वा.नं.-सी-106, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, रायपुर नाका दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं :- यह कि, मै उपरोक्त पते पर निवास करती हूं। यह कि, मेरे पुत्री इलिशा मिरे का जन्म दिनांक 27.03.2012 को हुआ है, जिसकी उम्र 13 वर्ष है, और मेरे पति स्व. सुशील कुमार मिरे की मृत्यु दिनांक 13.09.2014 को हो चुकी है, इसलिये मै माता होने के कारण से यह शपथ मेरे पुत्री इलिशा का सरनेम एवं अंग्रेजी में नाम सुधरवाने हेतु प्रस्तुत कर रही हूं। यह कि, मेरे पुत्री इलिशा मिरे वर्तमान में शिक्षा ग्रहण कर रही है, मेरे पुत्री इलिशा मिरे के समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों, मार्कशीट, आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र के त्रुटिवश सरनेम छुट गया है तथा अंग्रेजी नाम में स्पेलिंग सुधार किया जाना है। जिसमें मेरी पुत्री का नाम इलिशा मिरे (Elisha Mire) दर्ज किया जावे। यह कि मेरी पुत्री इलिशा एवं इलिशा मिरे दोनों एक ही व्यक्ति का नाम है. अर्थात मेरी पुत्री का नाम है। यह कि, भविष्य में अपनी पुत्री इलिशा मिरे के समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों, मार्कशीट, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र में इलिशा के स्थान पर इलिशा मिरे, स्व. श्री सुशील कुमार मिरे, माता श्रीमती उर्मिला मिरे का नाम दर्ज कराना चाहती हूं, जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है। अत: यह शपथ पत्र उपरोक्त कथनों के सत्यता के समर्थन में गजट में प्रकाशन हेतु सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ती
उर्मिला मिरे
पति स्व. सुशील कुमार मिरे, निवासी-
एम.आई.जी.-16, सी-1, सी-2 सुभाष नगर,
कोसाबाडी, कोरबा (न.नि.) कोरबा,
हालमुकान क्वा.नं.-सी-106, हाऊसिंग
बोर्ड कॉलोनी, रायपुर नाका दुर्ग
तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन
व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)
Email: eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित ई. डब्ल्यू.एस भवन योजना के अतंर्गत,भवनों में से भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस- 7 फेस-1 श्रीमति मंजूलता सोनी पति श्री कृष्णा कुमार सोनी को भाड़ाक्रय/पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक ..... को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 19-12-2025 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती निर्मला पाण्डेय पति श्री कामता प्रसाद पाण्डेय के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 8)
- मोहबा बाजार, रायपुर -
Email ID - rmczone8@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 26957 दिनांक 28.12.2025
वार्ड का नाम- 70- संत रविदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR870F00104 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती ALOK KUMAR AGRAWAL पिता / पति श्री/श्रीमती MAHESH AGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती VISHAL DESHPANDE AND SMT. ANKUR MAHAJAN DESHPANDE पिता /पति श्री/श्रीमती S/O SHRI BASANT DESHPANDE AND W/O SHRI VISHAL DESHPANDE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्रीमति राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 4)
- प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर -
Email ID - rmczone4@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 26970 दिनांक 28.12.2025
वार्ड का नाम- 64- डा. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR656F00102 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती 1. LAXMINARAYAN DEWANGAN, 2. SANAT KUMAR DEWANGAN, S/O LATE. SUNDER LAL DEWANGAN, 3. SMT. SUNITA DEWANGAN W/O LATE. ASHOK KUMAR DEWANGAN, 4. SURYA, 5. CHITREKHA, 6. (ARTI W/O DEEPAK) D/O, S/O ASHOK DEWANGAN पिता / पति श्री/श्रीमती N/A के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **लखन लाल देवांगन** पिता /पति श्री/श्रीमती **गोपाल प्रसाद देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 7)
- मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक,रायपुर -
Email ID - rmczone7@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 26849 दिनांक 26.12.2025
वार्ड का नाम- 38- स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR717A00372 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती MADHUSUDAN BANSAL S/O LATTURAM BANSAL, NAND KISHORE AGRAWAL S/O RADHESHYAM AGRAWAL पिता / पति श्री/श्रीमती ...... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SMT. RAKHI GUPTA पिता /पति श्री/श्रीमती MUKESH GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार **सरल क्र. 01 हेतु दिनांक 05.01.2026 एवं सरल क्र. 02 हेतु 07.01.2026 एवं सरल क्र. 03 से 06 हेतु 13.01.2026** तक निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	नि.आ. सू. क्र./दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	451	जिला कोरबा के वि.ख. पोड़ीउपरोड़ा के मड़वाढोड़ा (पचरा) से मातिन मार्ग का नवीनीकरण लं. 4.00 कि.मी. कोरबा जिले की महत्वपूर्ण सड़कों में रंबल स्ट्रीप्स, रेडियम पट्टी एवं क्रेश बेरियर्स कार्य एवं कटघोरा अम्बिकापुर मार्ग में चिंहित दुर्घटनाजन्य क्षेत्र में रंबल, स्ट्रीप्स, रेडियम पट्टी एवं संकेतक बोर्ड एवं क्रेश बेरियर्स कार्य। **तृतीय आमंत्रण। कोरबा संभाग, कोरबा। मद संख्या- 8443 जमा मद**	130.24
2	452	जिला मुंगेली के अंतर्गत राज्य मार्गो पर जंक्शन सुधार का कार्य एवं आई.आर.सी के प्रावधानुसार क्रेश बेरियर लगाने का कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग, मुंगेली। मद संख्या- 24-5054-6485**	87.73
3	453	नवीन थाना भवन लोरमी का विशेष मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग, मुंगेली। मद संख्या- 67-2059-3383**	16.64
4	454	गुड़ी पोड़ी करमा मार्ग लंबाई 10.10 कि.मी. में रोड फर्नीचर का कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग, क्र.-1 बिलासपुर। मद संख्या- 64-5054-9002**	20.11
5	455	कोथारी सोहागपुर उमरेली मार्ग 4/2 में सी.सी. मार्ग एवं नाली निर्माण एवं 4/6 में सड़क उन्नयन कार्य, मड़वारानी लबेद मार्ग 1/8, 2/4, 2/82/10, 3/6 जी.एस.बी.,डब्ल्यू.एम.एम., बी.टी.एवं आर सी.सी. नाली निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग कोरबा। मद संख्या- 24-5054-4090**	110.00
6	456	जिला गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के पेण्ड्रारोड अमरकंटक मार्ग के कि.मी. 3/2 से 21/8 = 18.80 कि.मी. पुल पुलिया निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग, पेण्ड्रा। मद संख्या - 42-5054-3539**	21.65

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
जी-252605719/5 लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

राज्यपाल डेका से विवेकानंद केन्द्र के पदाधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता रघुनाथ भिडे एवं राज्य के अन्य पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने केन्द्र की गतिविधियों के संबंध में राज्यपाल को अवगत कराया और आवश्यक सहयोग के लिए अनुरोध किया। राज्यपाल डेका ने रायपुर स्थित विवेकानंद केन्द्र में संचालित कौशल प्रशिक्षण केन्द्र के लिए 10 कम्प्यूटर प्रदान करने की स्वीकृति दी। इस अवसर पर राज्य संगठक रचना जानी, सह प्रांत संगठक ऋतुपर्ण दत्त, नगर संचालक, रायपुर चेतन तारवानी, नगर प्रमुख, रायपुर आशीष दुबे, संपर्क प्रमुख, रायपुर सिद्धार्थ जैन भी उपस्थित थे।

किसान की आत्महत्या मामले में बैज ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

धान-खरीदी को लेकर सरकार की नियत साफ नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक किसान ने धान बिक्री के लिए टोकन न मिलने पर जहर खा कर आत्महत्या कर ली. इस मामले में दीपक बैज ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि सरकार किसानों का धान नहीं खरीदना चाहती. प्रदेश में धान की खरीदी नहीं हो रही है, इसलिए किसान आत्महत्या कर रहे हैं. गोदामों में धान जाम हो चुके हैं, धान-खरीदी को लेकर सरकार की नियत साफ नहीं है. सरकार किसानों को नियम कानूनों में फंसा रही है और अपना पैसा

बचाना चाहती है।

ईडी ने आज सुबह रायपुर और महासमुंद में 9 ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की है. इस मामले में पीसीसी चीफ बैज ने तंज कसते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसियां केवल छोटी मछलियों पर कार्रवाई कर रही है. भारत माला परियोजना में बड़ी मछलियां उनके रडार से बाहर है. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ध्रष्ट खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई कर रही है। बीजेपी के बड़े नेताओं का नाम भी आ रहा है।

मंडल और ब्लॉक अध्यक्षों का चयन जारी : बैज

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की मंडल और ब्लॉक अध्यक्षों की सूची को लेकर पीसीसी चीफ ने बताया कि संगठन का काम 24 घंटा-12 महीना चलते रहता है. इस समय संगठन में ब्लॉक और मंडल अध्यक्षों का चयन जारी है. हम सभी चाहते हैं कि बहुत जल्द सूची सामने आए।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भिलाई में 5 दिवसीय हनुमंत कथा जारी है. उनके छत्तीसगढ़ पहुंचते ही धर्मांतरण समेत कई मुद्दों पर सियासत तेज हो गई है. डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा था कि बाबा बागेश्वर नक्सलवाद खत्म करने को लेकर चिंता करते हैं. उनके इस बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा कि छ्त्तीसगढ़ के नेता छग की जनता के लिए काम नहीं कर पा रहे हैं. इसलिए बाबाओं को छत्तीसगढ़ लाकर इवेंट की तरह दिखा रहे हैं. क्या गृहमंत्री धीरेन्द्र शास्त्री के कहने पर काम कर रहे हैं?

सर्विस रोड में अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई

- रायपुर पुलिस और नगर निगम टीम प्रहरी की रिंग रोड नम्बर 1 में खड़ी वाहनों के विरूद्ध छेड़ा अभियान

रायपुर/नवप्रदेश। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर डॉ. प्रशांत शुक्ला उप पुलिस अधीक्षक सतीश ठाकुर के नेतृत्व में यातायात पुलिस एवं नगर निगम टीम प्रहरी द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए रिंग रोड नंबर-1 के दोनो तरफ के सर्विस रोड में अवैध रूप से अतिक्रमण किए गए वाहनों पर नो पार्किंग की कार्यवाही की गई तथा अतिक्रमण से हटाया गया, साथ ही रिंग रोड किनारे स्थित मोटर गैरेजों के सामने अवैध रूप से खड़ी की गई कंडम गाड़ियों को क्रेन वाहन की मदद से उठाकर उनके यार्ड में डंप कर रोड क्लियर कराया गया।

उक्त अभियान के तहत रिंग रोड नम्बर-1 में सरोना चैक से रायपुरा चैक, भाटागांव चैक एवं संतोषी नगर चैक तक रिंग रोड के सर्विस रोड में अवैध रूप से पार्किंग की गई 89 वाहनों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत नो पार्किंग की धाराओं के तहत चालानी कार्यवाही की गई। इस दौरान विभिन्न गैरेजों के सामने अवैध रूप से खड़ी 20 वाहनों को क्रेन वाहन से उठाकर हटाया गया साथ ही गैरेज मालिकों को दोबारा अवैध रूप से वाहन पार्किंग नही करने की हिदायत दी गई। उक्त अभियान के दौरान नगर निगम टीम प्रहरी द्वारा अवैध रूप से रोड को अतिक्रमण किए हुए 04 फल ठेला एवं कबाड़ी दुकान के सामने अवैध रूप से खड़े 02 हाथ ठेला पर जप्ती की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान ग्लोबल हॉस्पिटल के सामने अवैध रूप से पार्किंग के लिए लगाए गए खम्बों व चैन को जप्त कर दोबारा नही लगाने की हिदायत दी गयी।

डिप्टी सीएम ने गिनाई नगरीय प्रशासन विभाग के दो सालों की उपलब्धियां

साव बोले- पीएम आवास योजना शहरी 2.0 में 1.32 लाख आवास निर्माण का लक्ष्य

- मार्च 2026 तक 50 हजार मकान किए जाएंगे स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने पिछले दो वर्षों में हुए नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों और आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। साव ने कहा, राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के द्वितीय चरण प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत सभी शहरों में डोर-टू-डोर सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है। योजना अंतर्गत कुल 1.32 लाख आवास निर्माण का लक्ष्य है, जिसमें बीएलसी अंतर्गत एक लाख, एएचपी अंतर्गत 27 हजार एवं 5 हजार रेंटल हाउसिंग सम्मिलित है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत राज्य में अद्यतन 24,188 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 10 आवास पूरे हो गए हैं एवं 5,351 आवासों का निर्माण प्रगतिरत है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत मार्च-2026 तक 50 हजार मकान स्वीकृत किए जाएंगे। नगरीय निकायों को आवास निर्माण के लिए अद्यतन 129 करोड़ 6 लाख रुपए जारी किए गए हैं। अरुण साव ने कहा, 74वें संविधान संशोधन के तहत भारतीय संविधान की अनुसूची 12 में नगरीय निकाय का प्रावधान

किया गया है। यह प्रावधान संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के तहत 1 जून 1993 से संपूर्ण भारत में लागू है। राज्य में कुल 193 अधिसूचित नगरीय निकाय है, जिनमें 14 नगर निगम, 56 नगर पालिका और 123 नगर पंचायत शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, वर्ष-2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की शहरी आबादी 57.07 लाख है। यह राज्य की कुल जनसंख्या का 23.24 प्रतिशत है। वर्ष 2025 में यह बढ़कर लगभग 78.10 लाख हो चुकी है। राज्य में नगर निगमों के लिए छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 एवं नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के लिए छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 लागू है।

एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में नगर निगम, 20 हजार से एक लाख तक की जनसंख्या वाले शहरों में नगर पालिका और पांच हजार से 20 हजार तक की जनसंख्या वाले शहरों में नगर पंचायत के गठन का प्रावधान है।

120 परिवारों को पिरदा में विस्थापित करने के प्रस्ताव का विरोध

झुग्गी बस्ती के लोगों ने जोन कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। राजधानी रायपुर के दुर्गा नगर के 120 परिवारों को शहर से दूर पिरदा में विस्थापित करने के प्रस्ताव का श्रद्धेय परिवार संघ ने विरोध किया है और दुर्गा नगर में ही पुनर्वास की मांग के लिए महापौर के नाम जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव को ज्ञापन सौंपा। अपनी मांग को लेकर झुग्गी बस्ती वासियों ने नगर निगम के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हम दुर्गा नगर बस्ती वासयों को हमारे पुश्तैनी आवास से विस्थापित करने के निर्णय का विरोध करते हैं। झुग्गी बस्ती वासियों ने कहा, नगर निगम द्वारा दुर्गा नगर के लगभग 120 परिवारों (जो 60-70 वर्षों से यहां निवासरत हैं) को शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर पिरदा इलाके में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव पूर्णतः अस्वीकार्य है। प्रस्तावित स्थान पर न तो बुनियादी सुविधाएं है और न ही रोजगार के अवसर, जो हमारे आजीविका, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए भविष्य को संकट में डालेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा, हमारी स्पष्ट मांग है कि जिस प्रकार रायपुर के जलविहार कॉलोनी के निवासियों को तेलीबांधा तालाब (मरीन ड्राइव) के पास ही बीएसयूपी कॉलोनी बनाकर पुनर्वासित किया गया, उसी मिसाल के तहत हमें भी दुर्गा नगर में हमारे मौजूदा स्थान पर ही पक्के आवास उपलब्ध कराया जाए। पिरदा में आवास की चाबी स्वीकार करने वाले परिवार भी अब इस अन्यायपूर्ण विस्थापन के विरोध में हमारे साथ खड़े हैं। हम सभी चाबियां वापस करते हैं और स्पष्ट करते हैं कि दूर-दराज के बिना सुविधाओं वाले इलाके में जाना हमारी सहमति नहीं है। लोगों ने कहा, यह निर्णय गरीब और दलित विरोधी नीति का उदाहरण है। हमारा स्थानांतरण न केवल असंवैधानिक है बल्कि पूर्णतः अव्यावहारिक ही है।

सीएम ने गजरथ यात्रा पुस्तक का किया विमोचन

हाथी-मानव द्वंद रोकने में मददगार 6 वनकर्मियों को किया सम्मानित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अपने निज निवास बगिया में गजरथ यात्रा-2025 पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक में जशपुर जिले में हाथी विचरण क्षेत्रों एवं संवेदनशील इलाकों के वर्गीकरण, विद्यालय स्तर पर चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों, गज सूचना एवं नियंत्रण कक्ष की स्थापना, मानव-हाथी द्वंद प्रबंधन हेतु तकनीकी पहल, एनीमल ट्रैकर ऐप प्रशिक्षण तथा जिलेभर में गजरथ यात्रा के विस्तार एवं उपलब्धियों का विस्तार से समावेश किया गया है। बता दें कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाथी-मानव द्वंद को कम करने और जनजागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले 6 वनकर्मियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इनमें वनपाल उमेश पैंकरा, वनरक्षक दुर्गेश नंदन साय और आरआरटी से महत्तम राम सोनी, गणेश राम और रविशंकर पैंकरा, हाथी मित्र दल से फूल सिंह सिदार शामिल हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पुस्तक में समाहित जानकारियां आमजन को हाथियों के व्यवहार को समझने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और आवश्यक सतर्कता उपायों को अपनाने में सहायक होंगी। उन्होंने विद्यालय स्तर पर चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण से जोड़ना भविष्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

एसआईआरः मतदाता सूची में गड़बड़ी आई सामने, जांच के लिए टीम गठित

रायपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में कई तरह की गड़बड़ी सामने आई है. धरसीवां तहसील के बिरगांव क्षेत्र स्थित गाजी नगर की मतदाता सूची में अनियमितताओं की शिकायत प्राप्त हुई, जिसकी जांच के लिए टीम का गठन किया गया है. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-48 रायपुर ग्रामीण ने इसके लिए तीन सदस्यीय जांच दाल का गठन किया है। जांच दल में तहसीलदार रायपुर राममूर्ति दीवान, नगर निगम बीरगांव के राजस्व उप निरीक्षक शैलेन्द्र निर्मलकर और ग्राम बीरगांव के महेश कुमार सोनवानी को शामिल किया गया है. टीम मौक पर जाएगी और पूरे मामले की तथ्यात्मक जांच करेगी।

जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, जांच दल ने भाग संख्या 63 और 64 में मतदाता सूची में त्रुटि होने संबंध में मौके पर मतदाताओं का फील्ड वेरिफिकेशन किया. इस दौरान सामने आया कि संबंधित वोटर्स क्षेत्र में ही रहते है, लेकिन बड़ी संख्या में मतदाताओं के मकान नंबर और पते में गंभीर त्रुटियां मिली है।

ईडी का छापा : मंत्री टंकराम ने कहा- जो भ्रष्टाचार करेगा वो बचने वाला नहीं

बैज बोले- बड़ी मछलियां रडार से बाहर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला में प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को रायपुर और महासमुंद में 9 ठिकानों पर दबिश दी. ईडी की कार्रवाई को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है. मंत्री टंकराम वर्मा का कहना है कि जो भी भ्रष्टाचार करेगा, वह बचने वाला नहीं है. किसी को बख्शा नहीं जाएगा. वहीं पीसीसी चीफ दीपक बैज ने ईडी की कार्रवाई को खानापूर्ति बताया है।

रायपुर और महासमुंद में 9 ठिकानों पर पड़े ईडी के छापे को लेकर लल्लूराम डॉट कॉम से बातचीत में मंत्री टंक राम वर्मा

ने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा. जो भ्रष्टाचार करेगा, वह बचाने वाला नहीं है. इस मामले में संभाग आयुक्त भी नजर रखे हुए हैं. बाकी बची सभी रिपोर्ट को मंगवाया जा रहा है. उस पर भी कार्रवाई भी होगी. इसलिए जमीन में भ्रष्टाचार रोकने के लिए विधानसभा में विधेयक लाया गया था. दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज ने ईडी की कार्रवाई को खानापूर्ति बताया. उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां केवल छोटी मछलियों पर कार्रवाई कर रही है. भारत माला मुआवजा घोटाले में बड़ी मछलियां रडार से बाहर हैं. ईडी खानापूर्ति करने कार्रवाई कर रही है. आरोप लगाते हुए कहा कि मामले में बीजेपी के बड़े नेताओं का नाम भी आ रहा है।

रायपुर नाका और लखोली के अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

कार्यवाही से अवैध प्लाटिंग के गोरखधंधे में लिप्त भूमाफियाओं के बीच हड़कंप

राजनांदगांव। शहर में रायपुर नाका और लखोली में मुरूम की सड़क बिछाकर अवैध प्लाटिंग करने के मामले में प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की गई है। रविवार को प्रशासन के अमले ने दोनो इलाकों में अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया और सीमेंटनुमा प्रोकास्ट के घेरे को भी ध्वस्त कर दिया है। इस इलाके में सरकारी जमीन को भी कब्जे में लिए जाने के मामले आए है। कलेक्टर के निर्देश पर किए गए इस कार्यवाही से भूमाफियाओं में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई हैं। शहर में लगातार नगरनिगम से कालोनाइजर लाइसेंस लिए बगैर अवैध प्लाटिंग किया जा रहा है।

बगैर लाइसेंस और स्वीकृत लेआउट को धत्ता बताकर भूमाफिया न नाली का निर्माण कर रहे है और न ही सड़क और बिजली पानी की व्यवस्था की गई है। रायपुर नाका और लखोली में जब अफसरों ने देखा कि, बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराए बगैर यहां मुरूम की सड़क बनाई गई है और छोटे छोटे टुकड़ों में उसे अवैध तरीके से कांटकर बेचा जा रहा है। टीम ने तत्काल मुरूम से बनाई गई सड़क को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया है। इस कार्यवाही से अवैध प्लाटिंग के गोरखधंधे में लिप्त भूमाफियाओं के बीच हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई हैं। अफसरों ने बताया कि, निर्माण कार्य में लगे प्रीकास्ट के घेरे और मुरूम की सड़क हटाए जाने के बाद दुबारा इस तरह का निर्माण नहीं करने सख्त निर्देश दिए गए है। उल्लेखनीय है कि, नवभारत द्वारा अपने रविवार के अंक में रायपुर नाका में तीस एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग किए जाने का मामला प्रकाशित किया था, जिसके दूसरे ही दिन राजस्व और निगम के अफसरों ने बुलडोजर के जरिए यहां कार्यवाही की हैं।

तीस एकड़ में की जा रही थी अवैध प्लाटिंग

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध प्लाटिंग एवं शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम राजनांदगांव गौतम पाटिल के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग एवं नगर पालिक निगम राजनांदगांव की संयुक्त टीम द्वारा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में कार्रवाई की गई। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर लखोली क्षेत्र और प्रेस क्लब के पीछे चल रही लगभग 30 एकड़ पर अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग तथा शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए जेसीबी मशीनों एवं अन्य संसाधनों की सहायता से उन्हें हटाया गया।

इन खसरों पर कार्यवाही

रविवार को अवकाश के दिन अफसरों ने ताबड़तोड़ कार्यवाई करते हुए खसरा नंबर 517/1 रकबा के 0.1693 हेक्टेयर, संतोषी नगर लखोली स्थित खसरा नंबर 675/1 रकबा के 0.1102 हेक्टेयर, रायपुर नाका लखोली स्थित खसरा नंबर 71/9 रकबा के 0.1179 हेक्टेयर, खसरा नंबर 71/28 रकबा 0.1202 हेक्टेयर, खसरा नंबर 71/8 रकबा 0.1179 हेक्टेयर, खसरा नंबर 71/27 रकबा 0.1202 हेक्टेयर से अवैध प्लाटिंग एवं अतिक्रमण को हटाया गया।

शिवाजी महाराज के जन्म दिवस को स्वराज दिवस घोषित करने की मांग

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मदिवस 19 फरवरी को "स्वराज दिवस" घोषित करने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कही। इसे लेकर आनलाइन पिटीशन साइन कराई जा रही है। महाराष्ट्र मंडल रायपुर ने इस अभियान को अपना पूरा समर्थन देते हुए इसमें सहभागिता निभा रही है। महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने कहा कि मंडल की पूरी कार्यकारिणी और सभी सदस्य इस अभियान से जुड़ रहे है। उन्होंने मंडल के सभी सदस्यों से आनलाइन पिटीशन पर साइन करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि मंडल द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान में माह की प्रत्येक 19 तारीख को शिवाजी महाराज की महाआरती की जाती है। हमारे भावी पीढ़ी को छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्य गाथाएं बताना बेहद जरूरी है। छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी के डा. कुलदीप सोलंकी ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज स्वराज के प्रवर्तक थे। आज उनकी जयंती पर भारत सरकार से निवेदन है 19 फरवरी को दिन स्वराज दिवस के रूप में घोषित किया जाए। इसे लेकर महाराष्ट्र मंडल की पूरी टीम अभियान से जुट गई है। इस अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया जाएगा।

आस्था परंपरा, और जीवन शैली का प्रतीक है मां गंगा नदी

भारत की नदियां हमारे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। लोग पीने के पानी, खेती, यात्रा और रहने के लिए नदियों पर निर्भर रहते हैं. नदियों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी बहुत अधिक है। इन सभी नदियों में गंगा नदी का स्थान सबसे विशेष माना जाता है. इसलिए गंगा को अक्सर भारत की मातृ नदी कहा जाता है.गंगा नदी उत्तर और पूर्वी भारत के करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ी हुई है। यह केवल पानी देने वाली नदी नहीं है, बल्कि लोगों की आस्था, परंपरा और जीवन शैली का प्रतीक है। सदियों से लोग गंगा के पानी से पीते आए हैं और खेती करते आए हैं.गंगा नदी के किनारे कई बड़े शहर और छोटे गांव बसे हुए हैं. इस नदी ने उत्तरी भारत के मैदानों को उपजाऊ बनाया है. इससे इस क्षेत्र में प्राचीन काल से ही बस्तियां विकसित होती रही हैं. इसलिए गंगा केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि समाज का अहम हिस्सा है। गंगा नदी की शुरुआत हिमालय पर्वत से होती है. गंगोत्री हिमनद से निकलकर यह भागीरथी कहलाती है. देवप्रयाग में भागीरथी और अलकनंदा नदी मिलने के बाद इसे गंगा कहा जाता है. आगे चलकर इसमें कई छोटी-बड़ी नदियां मिलती हैं और एक बड़ा नदी तंत्र बनता है। गंगा का मैदानी क्षेत्र भारत के सबसे उपजाऊ इलाकों में से एक है. यहां गेहूं, चावल, गन्ना जैसी फसलें उगाई जाती हैं. गंगा और उसकी नहरों से खेतों को पानी मिलता है. इससे लाखों किसानों की आजीविका चलती है। यह नदी भूजल को भी भरने में मदद करती है. गंगा का धार्मिक महत्व भी बहुत बड़ा है. हरिद्वार, ऋषिकेश, प्रयागराज और वाराणसी जैसे शहर गंगा के किनारे बसे हैं. यहां लोग स्नान करते हैं, पूजा करते हैं और धार्मिक त्योहार मनाते हैं।

'असम ही नहीं पूरे देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों की करेंगे पहचान' : शाह

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को असम के एक दिन के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले असम के नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान बटाद्रवा का उद्घाटन किया। बटाद्रवा को 227 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। इस दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पवित्र मार्गेरिटा और राज्य के संस्कृति मंत्री बिमल बोरा मौजूद रहे।

गृह मंत्री ने असम दौरे की शुरुआत गुवाहाटी में 'शहीद स्मारक क्षेत्र' में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करके की। इसके बाद बटाद्रवा पहुंचने पर गृह मंत्री का 'गायन-बयान' द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। शाह ने संत शंकरदेव के जन्मस्थल का पुनर्विकास के बाद उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद शाह केंद्रीय भवन में भी गए जहां 'गुरु आसन' रखी है। 'महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र' नाम की इस जगह को फिर से विकसित करने का फैसला सबसे पहले 2021-22 के राज्य बजट में प्रस्तावित किया गया था। इस परियोजना को न केवल ऐतिहासिक स्थल बल्कि एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाने के लिए भी डिजाइन किया गया है। यहां महापुरुष शंकरदेव से जुड़े जीवन, आदर्शों और कलात्मक विरासत और राज्य की व्यापक सांस्कृतिक परंपराओं को भी दर्शाया गया है। सरमा ने कहा कि यह परियोजना , महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की विरासत का सम्मान करते हुए, 'असम के सत्रों, नामघरों और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता' को मजबूत करती है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, 'आज मैं भारत रत्न गोपीनाथ जी को बड़ी श्रद्धा के साथ याद करता हूं, जिन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू को असम को भारत में रखने के लिए मजबूर कर दिया।

पूरे देश से घुसपैठियों की पहचान की जाएगी

शाह ने कहा, 'बीजेपी पूरे देश से सभी घुसपैठियों को हटाने का संकल्प लेती है। क्या यह सही था कि शंकरदेव की इस जगह पर बांग्लादेशी घुसपैठिए थे? मैं हिमंत बिस्वा सरमा को यहां से घुसपैठियों को हटाने और नामघर को फिर से स्थापित करने के लिए बधाई देता हूं। एक लाख बीघा से ज्यादा जमीन घुसपैठियों से आजाद कराई गई है। कांग्रेस ने इतने वर्षों तक राज किया, लेकिन उसने असम आंदोलन में जान देने वालों के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस पार्टी वर्षों तक घुसपैठियों को आगे बढ़ाती रही और 1983 में आईएमडीटी एक्ट लाकर उन्होंने घुसपैठियों को यहां बसने का कानूनी रास्ता बनाया।'

एक लाख बीघा जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई

बोरदुरवा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव ने 'एक भारत' का आह्वान किया था, जिसका अब पीएम नरेंद्र मोदी पालन कर रहे हैं। अमित शाह ने दावा किया कि असम में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से 1 लाख बीघा से ज्यादा जमीन खाली करवाई है। हम न सिर्फ असम से बल्कि पूरे भारत से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेंगे। उन्होंने कहा, हमने उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किए, इन समझौतों की 92% शर्तें पूरी हो चुकी हैं।

उन्नाव केस: 'सुप्रीम' फैसले के बाद कुलदीप सेंगर को फांसी दिलाने तक जारी रहेगी मेरी लड़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषी पाए गए भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के मुकदमे पर सुनवाई की। सीबीआई की याचिका पर कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। जिसमें दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें उन्नाव दुष्कर्म के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद को निलंबित किया गया था।

उन्नाव केस में कुलदीप सेंगर की उम्रकैद की सजा पर सुप्रीम कोर्ट के रोक लगाने के बाद पीड़िता ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा था। मैं यह पक्का करूंगी कि उसे मौत की सजा मिले। वहीं पीड़िता की मां ने कहा कि हम खुश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करना चाहते हैं।

मेरी बेटी को न्याय मिलना चाहिए। दोषी को मौत की सजा मिलनी चाहिए। वहीं सुनवाई से पहले पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट के बाहर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पहले कहा था कि पिछले दो-चार दिनों में बने दबाव के बाद हम पूरी उम्मीद रखते हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस केस की सुनवाई कर रहा है। हम न्यायपालिका पर पूरा भरोसा रखते हैं और हम चाहते हैं कि कुलदीप सेंगर वापस जेल जाए, बल्कि उसे मौत की सजा दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट से सेंगर को झटका

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में चीफजस्टिस की अगुवाई वाली पीठ ने आज केंद्रीय जांच ब्यूरो की उस याचिका पर सुनवाई की। इसमें दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दी थी, जिसके बाद सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया।

एंजेल की मौत पर विपक्ष आक्रामक राहुल बोले- बीजेपी राज में नफरत सामान्य

नई दिल्ली। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले ने अब बड़ा राजनीतिक रूप ले लिया है। इस घटना को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने इसे 'नफरती अपराध' करार देते हुए सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एंजेल चकमा की हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोमवार को भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने नफरत को सामान्य बना दिया है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं। इसको लेकर राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, ÷देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह नफरत का एक भयावह उदाहरण है। नफरत रातों-रात पैदा नहीं होती, बल्कि इसे रोज बढ़ावा दिया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हमारे युवाओं को जहरीले कंटेंट और गैर-जिम्मेदार कहानियों के जरिए प्रभावित किया जा रहा है, जिससे ऐसी हिंसा को समाज में सामान्य बनाया जा रहा है। भारत की नींव सम्मान और एकता पर टिकी है, डर और नफरत पर नहीं।

झुग्गी वाले करोड़पति पर ईडी की चार्जशीट

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-46 निवासी फाइनेंसर और प्रॉपर्टी डीलर रामलाल चौधरी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों में रामलाल चौधरी और उसके बेटे अमित कुमार के खिलाफ चंडीगढ़ जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट

दाखिल होने के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को नोटिस जारी करते हुए 6 फरवरी से सुनवाई तय की है।

ईडी की कार्रवाई की जड़ें चार साल पहले तक जाती हैं जब चंडीगढ़ पुलिस ने रामलाल चौधरी को धोखाधड़ी के दो बड़े मामलों में गिरफ्तार किया था। इन मामलों की जांच के दौरान उसके वित्तीय नेटवर्क और संपत्तियों का खुलासा हुआ जिसके बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से केस अपने हाथ में लिया। करीब तीन साल तक चली जांच के बाद अब चार्जशीट दाखिल की गई है।

इस्लाम में नए साल का जश्न नाजायज : मौलाना शहाबुद्दीन

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने सोमवार को वीडियो जारी कर मुस्लिम समाज के लोगों से नए साल का जश्न न मनाने की अपील की है। उन्होंने इसे फिजूलखर्ची बताया और कहा कि शरीयत की रोशनी में नए साल का जश्न नाजायज है। मौलाना का यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। शहाबुद्दीन रजवी ने बताया कि उनसे कुछ लोगों ने सवाल पूछा है कि नए साल पर जश्न मनाना जायज है या नाजायज। इसके जवाब में मौलाना ने कहा कि नए साल पर जश्न मनाना शरीयत की रोशनी में नाजायज है।

खेल, व्यापार एवं मनोरंजन

विदेशी निवेशकों के डगमगाते भरोसे के बीच निकल रहा रुपये का दम

नई दिल्ली। भारतीय रुपये में लगातार कमजोरी का रुख बना हुआ है. हाल में भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से रुपये में कुछ हद तक रिकवरी जरूर देखने को मिली थी, लेकिन विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की सुस्त शुरुआत के चलते एक बार फिर दबाव बढ़ गया है. सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे टूटकर 89.95 के स्तर पर आ गया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा 89.95 प्रति डॉलर पर खुली, जो पिछले बंद भाव की तुलना में गिरावट को दर्शाता है. विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बीते कुछ महीनों से भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं, जिसका सीधा असर रुपये पर पड़ रहा है. शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 89.90 पर

बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 98.00 पर रहा. अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतों में भी तेजी देखी गई और यह 0.92 प्रतिशत बढ़कर 61.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जिससे आयात बिल बढ़ने की आशंका के चलते रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना.

घरेलू शेयर बाजार की बात करें तो शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 22.24 अंक की बढ़त के साथ 85,063.69 अंक पर जबकि निफ्टी 18.10 अंक चढ़कर 26,060.40 अंक पर कारोबार करता दिखा. हालांकि, बाजार में यह बढ़त रुपये को मजबूती देने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुई. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध रूप से बिकवाल रहे और उन्होंने 317.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा कि यदि आने वाले समय में विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में स्थायी वापसी होती है, तो इससे रुपये को समर्थन मिल सकता है. उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल रुपया उभरते बाजारों और एशियाई मुद्राओं में सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में शामिल है, और विदेशी निवेश प्रवाह की दिशा रुपये की आगे की चाल तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

एयरटेल ने अपने एंटरटेनमेंट पोटीलियो का किया विस्तार

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी टेलीकॉम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक भारती एयरटेल ने आज ÷एयरटेल कार्टून नेटवर्क क्लासिक्स÷ के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक एक्सक्लूसिव वैल्यू-ऐडेड सर्विस है, जिसे एयरटेल डिजिटल टीवी पर वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के सहयोग से पेश किया गया है। यह नया चैनल कार्टून नेटवर्क की कुछ सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय एनिमेटेड किरदारों को (फ्रेंचाइज़ को) एक मंच पर ला रहा है, जिससे सदाबहार कहानियों और पारिवारिक मनोरंजन के लिए एक खास प्लेटफॉर्म तैयार हुआ है। एयरटेल कार्टून नेटवर्क क्लासिक्स दर्शकों को टॉम एंड जेरी, द फ्लिंटस्टोन्स, लूनी ट्यून्स, स्कूबी डू, जॉनी ब्रावो सहित कई अन्य क्लासिक कार्टून की यादों को ताजा करेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफकब घोषित होगी भारत की ओडीआई टीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम साल 2026 की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफघरेलू सीरीज से करने जा रही है. दोनों टीमों के बीच पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसके बाद पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले होंगे. वनडे सीरीज का पहला मैच 11 जनवरी को वडोदरा में खेला जाना है, लेकिन अभी तक भारत की टीम का ऐलान नहीं हुआ है. इसी को लेकर अब एक अहम अपडेट सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति भारत की वनडे टीम का ऐलान 4 जनवरी तक कर सकती है. टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक चयनकर्ता शनिवार या रविवार को टीम पर फैसला सुना सकते हैं. इस बैठक में टीम के कप्तान शुभमन गिल भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल होंगे. गिल इस समय

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में पंजाब की ओर से खेल रहे हैं, जिसके कारण वह चयन बैठक में व्यक्तिगत रूप से मौजूद नहीं रह पाएंगे।

इस सीरीज में शुभमन गिल एक बार फिर टीम इंडिया की कमान संभालते नजर आ सकते हैं. इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में केएल राहुल ने कप्तानी की थी और भारत ने वह सीरीज 2-1 से जीती थी. अब चयनकर्ता गिल को फिर से कप्तान बनाने के मूड में हैं. वहीं, उपकप्तान श्रेयस अय्यर की वापसी को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है और इस पर अंतिम फैसला बैठक में लिया जाएगा।

संजय दत्त के अतीत से टकराते दिखे प्रभास

मुंबई। साल 2026 की संक्रांति पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है पैन-इंडिया फिल्म 'द राजा साब'। प्रभास की इस फिल्म का ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। लंबे समय बाद प्रभास एक ऐसे अवतार में लौट रहे हैं, जहां प्रेम, कॉमेडी और डर एक साथ कहानी में नजर आ रहा है। निर्देशक मारुति की इस फिल्म में रहस्यमयी अतीत की परतें खुलते हुए नजर आने वाली हैं।

ट्रेलर की शुरुआत डरावने माहौल से होती है, जहां एक विशाल हवेली कहानी का केंद्र बनती है। इस हवेली से जुड़ा है एक खौफनाक राज, जिसका संबंध प्रभास के दादा के किरदार से है, जिसे संजय दत्त निभा रहे हैं। कहानी में दादा की मौत के बाद भी उनका प्रभाव खत्म नहीं होता, बल्कि उनकी आत्मा एक भयानक शक्ति के रूप में उसी हवेली में बस जाती है। यह आत्मा न सिर्फ अजेय नजर आती है, बल्कि हर उस शख्स को अपने वश में कर लेती है जो हवेली के भीतर कदम रखता है।

भावनात्मक स्तर पर भी ट्रेलर एक संवेदनशील पोते की झलक भी दिखाता है। प्रभास का किरदार अपनी दादी (जरीना वहाब) के प्रति बेहद स्नेही और जिम्मेदार नजर आता है। लेकिन हालात तब भयावह हो जाते हैं जब दादा की आत्मा परिवार के ही लोगों के लिए खतरा बन जाती है। पत्नी और दोस्तों के साथ प्रभास एक ऐसी जंग में फंस जाता है, जहां सामने कोई आम इंसान नहीं, बल्कि खून के रिश्ते से जुड़ा डर है।

न्यूज गैलरी

खेत में घुसी तेज रफ्तार बाइक, दो युवकों की मौत

रायगढ़/नवप्रदेश। जिले में तेज रफ्तार बाइक खेत में जा घुसी। घटना में एमएसपी प्लांट में काम करने वाले दो युवकों की मौत हो गई। पंचनामा के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जामगांव में स्थित एमएसपी प्लांट में काम करने वाले दो युवक करण कुमार 23 साल निवासी रामनगरए जिला बिहार और आलम खान 23 साल निवासी कोलाईबहाल कल सुबह प्लांट से काम करके आलम खान की मोटरसाइकिल से घूमने निकले थे। बताया जा रहा है कि कल दोपहर 1 बजे के आसपास बाइक सवार दोनों युवक जब भईयांपाली के पास पहुंचे थे, इस दौरान बाइक चला रहा आलम अपनी तेज रफ्तार बाइक पर नियंत्रण खो बैठा और फिर सीधे बाइक समेत खेत में जा गिरा। बाइक चालक की मौके पर मौत, दूसरे युवक ने अस्पताल मेंतोड़ा दम इस दुर्घटना में बाइक चला रहे आलम खान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे युवक करण कुमार को गंभीर हालत में रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया थाए जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतक युवक के परिजनों ने बताया कि बीते कुछ महीनों से करण कुमार एमएसपी प्लांट में फिटर का काम करता था और आलम खान मजदूर के रूप में प्लांट में काम करते आ रहा था।

मित्तल फर्नीचर फैक्ट्री के संचालक पर एफआईआर

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर सिरगिट्टी स्थित मित्तल फर्नीचर फैक्ट्री में दो मजदूरों की जिंदा जलने से हुई मौत के मामले में पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद फैक्ट्री संचालक के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मामले में लापरवाही से हुई दुर्घटना में मौत की धाराएं लगाई गई हैं। यह घटना 23 दिसंबर को हुई थी। सिरगिट्टी औद्योगिक नगर स्थित मित्तल फर्नीचर फैक्ट्री में आगजनी की घटना के दौरान सुपरवाइजर रितेश शुक्ला, निवासी भवानी नगर सिरगिट्टी और मजदूर आयुष उर्फअभिजीत सूर्यवंशी की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। दोनों मौतों के मामले में पुलिस ने पहले मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने मृतक आयुष के भाई आशीष सूर्यवंशी, पिता घनश्याम सूर्यवंशी (22), निवासी तिफरा शिवा चौक, सूर्यवंशी मोहल्ला की रिपोर्ट पर मित्तल फर्नीचर फैक्ट्री एवं एसएस केमिकल के संचालक संजय मित्तल के खिलाफ बीएनएस की धारा 106 (1) और 125 (ए) के तहत मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि 23 दिसंबर को मित्तल फर्नीचर फैक्ट्री में आग लग गई थी। इसमें दो लोगों की जान चली गई थी।

केंद्रीय राज्य मंत्री साहू के काफिले की गाड़ी से टकराई राड, टूटा कांच

बिलासपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू के काफिले में शामिल कार से रॉड टकरा गया। इस घटना में कार का कांच टूट गया। हादसा रविवार को चंदेली (दामाखेड़ा) के पास हुआ। केंद्रीय राज्यमंत्री साहू दिल्ली प्रवास के लिए बिलासपुर से रायपुर एयरपोर्ट जाने निकले थे। बिलासपुर रायपुर नेशनल हाईवे पर दामाखेड़ा के पास कारकेड में चल रही एक कार के शीशे से रॉड टकराया। पाक्लेटिंग कर रही गाड़ी के बा केंद्रीय राज्य मंत्री की गाड़ी थी, फिर तीसरे नंबर पर कार थी, जिसमें रॉड लगा और शीशा टूट गया। हालांकि ड्राइवर ने संभाल लिया।

अवैध रूप से भंडारित 200 बोरी धान जब्त

कोरबा/नवप्रदेश। कलेक्टर कुणाल दुदावत के सख्त निर्देशों के बाद जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन के खिलाफप्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाली रोहित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम हरदी बाजार में छापेमारी कर अवैध रूप से भंडारित 200 बोरी धान जब्त किया। प्रशासन को सूचना मिली थी कि हरदीबाजार निवासी सनत कुमार राठौर द्वारा अपने गोदाम में बड़ी मात्रा में धान का अवैध भंडारण किया गया है। सूचना की पुष्टि के लिए तहसीलदार हरदीबाजार अभिजीत राजभानु एवं थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। जांच के दौरान गोदाम के भीतर 200 नाग कट्टी (बोरी) पुराना डलवा धान पाया गया। छापेमारी के दौरान जब गोदाम संचालक से धान की खरीदी-बिक्री एवं भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया तो वह किसी भी प्रकार का लाइसेंस, मंडी पर्ची या अन्य वैध कागजात पेश नहीं कर सका। बिना दस्तावेज के इतनी बड़ी मात्रा में धान का भंडारण नियम विरुद्ध पाए जाने पर मौके पर ही पंचनामा तैयार कर संपूर्ण 200 बोरी धान जब्त कर लिया गया। प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध धान कारोबार करने वाले कोचियों में हड़कंप मच गया है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी सीजन के दौरान इस तरह की सघन निगरानी और कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी ताकि बिचौलियों और अवैध कारोबारियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने रचा आवास क्षेत्र में नया कीर्तिमान

■ हाउसिंग बोर्ड के इतिहास में पहली बार एक वर्ष में 1022 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का विक्रय

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने वर्ष 2025 में आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल द्वारा जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच कुल 4689 संपत्तियों का विक्रय किया गया, जिनका कुल मूल्य 1022 करोड़ रुपये से अधिक है। यह छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के गठन के बाद अब तक का सर्वाधिक वार्षिक विक्रय है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन तथा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव के नेतृत्व में मंडल द्वारा किफायती, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने की दिशा में योजनाबद्ध एवं प्रभावी कार्य किया जा रहा है, जिसका प्रत्यक्ष परिणाम इस अभूतपूर्व सफलता के रूप में सामने आया है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा प्रारंभ से ही समाज के कमजोर एवं निम्न आय वर्ग को प्राथमिकता दी जाती रही है। अब तक निर्मित कुल आवासों में लगभग 70 प्रतिशत आवास कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए बनाए गए हैं। विगत पांच वर्षों में जहां मंडल द्वारा औसतन 1387 संपत्तियों का प्रतिवर्ष विक्रय हुआ और औसत मूल्य लगभग 262 करोड़ रुपये रहा, वहीं वर्ष 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 4689 संपत्तियों एवं 1022 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह मंडल की कार्यप्रणाली में हुए सुधार, नीतिगत सरलीकरण और आम नागरिकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। विगत एक वर्ष के दौरान शासन द्वारा लागू की गई ओटीएस-2 (वन टाइम सेटलमेंट) योजना के तहत हितग्राहियों को 30 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की गई, जिसके परिणामस्वरूप 1452 संपत्तियों का विक्रय हुआ। इन संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग 220.16 करोड़ रुपये रहा, जिससे मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के बड़ी संख्या में नागरिकों को सीधा लाभ मिला।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के निर्देश पर इस वर्ष 23 से 26 नवंबर 2025 तक रायपुर के बीटीआई ग्राउंड, शंकर नगर में आयोजित राज्य स्तरीय आवास मेला 2025 भी अत्यंत सफल रहा। इस मेले के दौरान छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा 26 जिलों में 2080 करोड़ रुपये की लागत वाली 56 नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया गया। साथ ही मेले के दौरान ही 305 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय हुआ, जिससे मंडल की योजनाओं के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2025 में 1022 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का विक्रय एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि है।

प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोंढूर जलाशय में नौका विहार ठप्प, पर्यटक मायूस लौटने को मजबूर

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की पहल दो वर्षों से ठप्प, प्रशासनिक उदासीनता पर उठे सवाल

नगरी/नवप्रदेश। जिले के अंतिम छोर पर स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोंदूर जलाशय में संचालित नौका विहार (पैडल बोट) सुविधा बीते करीब दो वर्षों से बंद पड़ी हुई है। इससे न केवल स्थानीय लोगों में नाराजगी है, बल्कि दूर-दराज़ से आने वाले सैलानी भी निराश होकर लौटने को मजबूर हो रहे हैं।

ज्ञात हो कि वर्ष 2023 में सोंदूर जलाशय में नौका विहार का शुभारंभ तत्कालीन विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, कलेक्टर पी.एस. एल्मा एवं उदंतीङ्क्सीतानदी टाइगर रिजर्व के निदेशक वरुण जैन द्वारा किया गया था। इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देना तथा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना था।

नौका विहार के संचालन से ग्राम मेचका, बरपदर, बेलरबाहरा सहित आसपास के गांवों के युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिला था। सैलानी प्राकृतिक सौंदर्य के बीच नौकायन का आनंद उठाते थे, जिससे क्षेत्र की पहचान एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बनने लगी थी।

लेकिन बीते दो वर्षों से यह सुविधा पूर्णतः बंद पड़ी है। हालात ऐसे हैं कि नववर्ष एवं छुट्टियों के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचने के बावजूद निराश होकर लौट रहे हैं। इससे न केवल पर्यटन प्रभावित हो रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं के रोजगार के अवसर भी समाप्त हो गए हैं।

तीन माह पूर्व ग्राम पंचायत के सरपंच जीवन नाग, डीके यादव,ओशीत , उपसरपंच परमात्मा कुंजाम, ग्रामवासी गया मांझी सहित अन्य ग्रामीणों ने कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपकर नौका विहार ,ईको पार्क आकर्षण बनाने को पुनः प्रारंभ करने की मांग की थी।

साथ ही मुचकुद ऋषि पहाड़ को पर्यटन के रूप में विकसित करने की मांग किया गया था। वही साथ ही वन विभाग से भी आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते नौका विहार पुनः शुरू कर दिया जाए तो इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के युवाओं को स्थायी रोजगार भी मिल सकेगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस दिशा में शीघ्र निर्णय लेकर सोंदूर जलाशय को पुनः पर्यटन मानचित्र पर सक्रिय किया जाए, ताकि क्षेत्र की उम्मीदों को नया संबल मिल सके। जिसके माध्यम से समिति के सदस्यों का गठन जिसमे पर्यटन समिति के अध्यक्ष गया सिंह मांझी,उपाध्यक्ष घनश्याम नेताम, सचिव कैलाश कुमार साहू, सरपंच जीवन लाल नाग ग्राम पंचायत मेचका, संतोष ठाकुर, कपिल दास वैष्णव हरी राम साहू , शिवरात्रि बाई जालेश, माहेश्वरी मरकाम, बिशरी देवी मरकाम, मानो भाई नागेश, खोगेश्वर धुर्वा, नरेंद्र कुमार नेताम, जोहान सिंह नेताम, वोशीत कुमार कौशल, राजेश कुमार कपिल, इंद्र कुमार नेताम, प्रताप यादव, गांव के लोगों द्वारा किया गया है। सीता नदी अभ्यारण के एसडीओ राजपुत ने बताया कि गांव में लोगों को एकत्रित कर समिति बना कर पुन चालू किया जायेगा कहां और जल्द ही नौव बिहार आनंद लोगों को मिलेगा।

कमरे में बेसुध मिला युवक, पुलिस ने पहुंचाया हॉस्पिटल हुई मौत

बिलासपुर/नवप्रदेश। सरकंडा थाना क्षेत्र के बंगालीपारा इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई। जब एक युवक अपने घर के भीतर बेसुध अवस्था में पड़ा हुआ मिला। जिसकी सूचना सरकंडा पुलिस को दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बेसुध पड़े युवक को तत्काल इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया। जिसकी रविवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। मिलीं जानकारी के अनुसार सरकंडा थाना क्षेत्र के बंगाली पारा निवासी ओमप्रकाश श्रीवास उर्फ भोला 40 वर्ष ने शुक्रवार की रात अपने ही घर में शराब पार्टी की थी। शनिवार की सुबह देर तक बाहर नहीं निकलने पर आसपास के लोगों ने मकान में जाकर देखा तो ओमप्रकाश अपने रूम में बेसुध पड़ा हुआ था। जिसकी सूचना तत्काल सरकंडा पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बेसुध पड़े युवक को तत्काल सिम्स हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। जिसकी इलाज के दौरान रविवार सुबह मौत हो गई है। वहीं अंदाजा लगाया जा रहे है कि युवक द्वारा अत्याधिक शराब सेवन के दौरान उल्टी करने से तबियत बिगड़ी होगी।

राज्य के 08 स्वयंसेवकों का गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन

■ उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा से मिले एनएसएस स्वयंसेवक

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य से 08 स्वयंसेवकों का चयन नई दिल्ली में 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता हेतु हुआ है।

आज उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के रायपुर स्थित निवास कार्यालय में इन चयनित स्वयंसेवकों ने उनसे सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर श्री वर्मा ने उन्हें ट्रैक सूट, टी-शर्ट एवं वार्मर प्रदान कर शुभकामनाएँ दी। श्री वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि यह हमारे राज्य के लिए सम्मान की बात है की हमारे राज्य के प्रतिभावान 08 स्वयंसेवक नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर हेतु चयनित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित यह एक माह का राष्ट्रीय स्तर का शिविर स्वयंसेवकों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होता है। यह शिविर युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, भाईचारा, अनुशासन एवं सामुदायिक सद्भाव की भावना को सशक्त करता है।

मंत्री टंक राम वर्मा ने छत्तीसगढ़ से चयनित सभी 08 छात्र-छात्राओं– कृष्णा, नमन साहू, नितेश चंद्राकर, नीलकमल राम और कुमारी मेघा वशकार, अकांक्षा टोप्पो, रोशनी धुरंधर एवं अल्का कंवर–को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चलती स्कॉर्पियो में लगी आग, चालक की सूझबूझ से बची पांच की जान

बिलासपुर/नवप्रदेश। सेंदरी-गतौरी के बीच हाईवे में एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। बिलासपुर हाईवे पर दौड़ती स्कॉर्पियो अचानक आग का गोला बन गई, लेकिन चालक की सतर्कता से पांच लोगों की जान बच गई। घटना बिलासपुर मार्ग पर सेंदरी और गतौरी के बीच की है। मध्यप्रदेश के अनुपपुर निवासी पांच लोग निजी काम से बिलासपुर आए थे और स्कॉर्पियो से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान चलती गाड़ी के इंजन से अचानक धुआं उठने लगा। धुआं देखते ही चालक ने तुरंत वाहन सड़क किनारे रोका। गाड़ी रुकते ही आग ने विकराल रूप ले लिया। स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग बिना देर किए बाहर निकले और सुरक्षित दूरी बना ली। घटना की सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्कॉर्पियो पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।

अधिकारी कर्मचारियों की हड़ताल से दफ्तरों में काम–काज ठप्प

पिथौरा/नवप्रदेश। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा अपनी 11सूत्रीय मांगों को लेकर की जा रही प्रदेश व्यापी हड़ताल का असर पिथोरा में भी देखने को मिला प्रायः दफ्तरों में काम -काज ठप रहा प्रदेश में मोदी गारंटी लागू करवाने के लिए अधिकारी कर्मचारियों का यह तीसरे चरण का हड़ताल है। जिसमें 29 से 31 दिसंबर तक तीन दिन अधिकारी कर्मचारी सामूहिक हड़ताल पर डटे हुए है।

कर्मचारियों की 11सूत्रीय मांगो में केंद्र के समान देय तिथि से कर्मचारियों एवं पेंशनरों को महंगाई भत्ता दिया जाना, महंगाई भत्ता एरियर्स की राशि त्त.क्क्स्न. खाते में समायोजन किया जाए, सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय वेतन मान, लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगति दूर करने के लिए गठित पिंगुवा कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए कैश लेश सुविधा प्रारंभ हो, अर्जित अवकाश नकदीकरण 300दिवस किया जाए, दैनिक, अनियमित, संविदा, पंचायत सचिवों को नियमित किया जाए एवं सभी विभागों में समानता लाते हुए सेवानिवृत्ति की आयु 65वर्ष की जाए सहित 11सूत्रीय मांगो के साथ कर्मचारी 3दिन के निश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। कर्मचारी नेता उमेश दीक्षित, रोहिणी देवांगन, लेखराम साहू, द्वारिका पटेल, दिव्यांग अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पुकराम कुर्रे, शुभम तिवारी, सुशील प्रधान, हेमंत डड़सेना, परमेश्वर बाघ, रामललन सिंह, अंतर्यामी प्रधान, चंदर साहू, दिनेश ठाकुर, वीरेंद्र चौहान, दिनेश शर्मा, गिरी गोस्वामी, पुनाराम ध्रुव, राजकुमार सेन, तेजराम साहू, सुशील चौधरी, डी. एल. बरिहा, हरिहर यदु ने पिथौरा ब्लॉक में शत- प्रतिशत हड़ताल का दावा किया है।

फिंगेश्वर विकासखंड में दो नई सड़कों के निर्माण से क्षेत्रीय विकास को मिलेगी गति

ग्राम कौंदकेरा में 51 लाख और किरवई में 36 लाख की लागत से बनेगी पक्की सड़क

राजिम/नवप्रदेश। राजिम विधानसभा क्षेत्र के फिंगेश्वर विकासखंड में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक सकारात्मक पहल के तहत दो महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। क्षेत्र के बाहूल्य जनसंख्या वाले ग्राम कौंदकेरा में गनपत घर से चांगबाधा तक 550 मीटर लंबी सड़क का निर्माण 51.05 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से किया जा रहा है। जिसमें नाले के पार दो वार्ड का बसाहट है। जिसमें लगभग 700 जनसंख्या निवासरत है, जिसके दृष्टिगत बरसात के दौरान यह क्षेत्र टापू में परिवर्तित हो जाती है, आना-जाना पूर्णतः बाधित हो जाती है। इस स्वीकृति के मिलने से लोग सुगमता से मुख्य सड़क से जुड़ पाएंगे एवं अन्य क्षेत्रीय विकास कार्य संभव हो पाएगा।

इसी प्रकार बेलटुकरी रोड से मां पुजेरिनदाई मंदिर, किरवई तक 500 मीटर लंबी सड़क का निर्माण 36.86 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात सड़क निर्माण कार्य हेतु लोकृति कंस्ट्रक्शन, दुर्ग के साथ अनुबंध किया गया है। दोनों सड़कों का भूमिपूजन राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू के करकमलों द्वारा जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। भूमिपूजन अवसर पर क्षेत्रवासियों में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण देखने को मिला। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए शासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्राम कौंदकेरा की सरपंच राधिका यादव ने कहा कि सड़कों के निर्माण से आवागमन सुगम होगा, जिससे स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा। यह परियोजना क्षेत्र के समग्र, सतत एवं संतुलित विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, ऋद्बड्डद्ब्रह्य-ड्ढ्ढ1श्चह्डस्रद्गह्यद्धञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्शद्व